रांची
हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
www.vananchaleye@gmail.com
हर खबर पर पहली नजर
PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:78 | सोमवार,24 नवम्बर | ₹5
Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली ब्लास्ट : उमर को जमात से मिले थे 40 लाख

एजेंसी

दिल्ली में 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट में शामिल सुसाइड बॉम्बर डॉ. उमर और डॉ. मुजम्मिल के बीच 40 लाख रुपये को लेकर झगड़ा हुआ था। फंडिंग जमात की तरफ से हुई थी।इसी पैसे से सामान खरीदने में हुए खर्च को लेकर उमर और मुजम्मिल की बीच तनाव था। एनआईए टीम ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के पास की मस्जिद के मौलवी इश्तियाक को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।इसे ही जमात के जरिए कई लाख रुपये मिले थे, जिसका इस्तेमाल मुजम्मिल ने ब्लास्ट के लिए सामान खरीदने में किया था। सूत्रों के मुताबिक इन्हीं पैसों में हेरफेर को लेकर मुजम्मिल और उमर के बीच तनाव था। इधर, फरीदाबाद में पुलिस ने धौज गांव समेत 4 थाना क्षेत्रों में सर्च अभियान चलाया।पुलिस टीम ने दिनभर मस्जिदों, दुकानों, होटलों, घरों व गोदामों में चेकिंग की। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया मॉड्यूल का हर आरोपी एक अलग हैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था। मुजम्मिल का हैंडलर अलग था, जबकि ब्लास्ट करने वाला उमर दूसरेहैंडलर को रिपोर्ट कर रहा था।

मोहन भागवत बोले धर्म की रक्षा के लिए करनी होगी लड़ाई

एजंसी

रविवार को लखनऊ में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी ने दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में मंच साझा किया। मोहन भागवत ने कहा- हमारा भारत पूरी दुनिया का विश्वगुरु था। दुनिया के लिए एक बड़ा सहारा था।कभी चक्रवर्ती सम्राट भी होते थे। हजारों साल तक आक्रमणकारियों के पैरों तले रौंदा गया। हमें गुलामी में जीना पड़ा। उन्होंने कहा- धार्मिक स्थलों को नष्ट किया गया।जबरदस्ती धर्मांतरण हुए, लेकिन तब भी भारत था।वह वैभव के दिन नहीं रहे, लेकिन आक्रमण के दिन भी चले गए। अब हम राममंदिर पर झंडा फहराने वाले हैं।हमे धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। विश्व में शांति की स्थापना गीता के माध्यम से ही की जा सकती है।सीएम योगी ने कहा- विदेशी नेता और डिप्लोमेट अक्सर पूछते हैं कि संघ कैसे काम करता है।मैं उन्हें बताता हूं कि आरएसएस सामाजिक सहयोग सेचलने वाला संगठन है।हमें गुलामी में जीना पड़ा। उन्होंने कहा- धार्मिक स्थलों को नष्ट किया गया।जबरदस्ती धर्मांतरण हुए, लेकिन तब भी भारत था।वह वैभव के दिन नहीं रहे, लेकिन आक्रमण के दिन भी चले गए। अब हम राममंदिर पर झंडा फहराने वाले हैं।हमे धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। विश्व में शांति की स्थापना गीता के माध्यम से ही की जा सकती है।सीएम योगी ने कहा- विदेशी नेता और डिप्लोमेट अक्सर पूछते हैं कि संघ कैसे काम करता है

जोहान्सबर्ग में दुनिया के 20 ग्लोबल लीडर्स से प्रधानमंत्री ने की मुलाकात

एआई के गलत इस्तेमाल पर रोक जरूरी आतंकवाद में इसका यूज खतरनाक : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज जी-20 सम्मेलन के तीसरे सत्र में महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के तरीके में बड़े बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग वित्त-केंद्रित के बजाय मानव-केंद्रित, राष्ट्रीय के बजाय वैश्विक और विशेषाधिकार-आधारित मॉडल के बजाय मुक्त स्रोत पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने बताया कि मानव केंद्रित दृष्टिकोण को भारत के प्रौद्योगिकी तंत्र में समाहित किया गया है और इससे अंतरिक्ष अनुप्रयोगों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या डिजिटल भुगतान में बड़े लाभ हुए हैं, जहां भारत दुनिया में अग्रणी है। प्रधानमंत्री ने एआई को लेकर मानवीय निगरानी, डिजाइन के अनुसार सुरक्षा और

दुरुपयोग को रोकने के सिद्धांतों पर आधारित वैश्विक समझौते की अपील की। प्रधानमंत्री सभी के लिए एक न्यायसंगत और उचित भविष्य - महत्त्वपूर्ण खनिज; सम्मानजनक कार्य; कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अपनी बात रख रहे थे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रधानमंत्री ने न्यायसंगत पहुंच, जनस्तरीय कौशल निर्माण और उत्तरदायी तैनाती पर आधारित भारत के दृष्टिकोण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इंडिया-एआई मिशन के तहत, सुलभ उच्च-प्रदर्शन क्षमता तैयार की जा रही है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ देश में सभी तक पहुंचे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को दुनिया की भलाई में परिवर्तित होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानवीय क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए, लेकिन अंतिम निर्णय मनुष्य को ही करना चाहिए।

ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद करने पर दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-20 समिट के मौके पर जोहानिसबर्ग में साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। भारत-साउथ अफ्रीका संबंधों को मजबूत करने वाले ऐतिहासिक संबंधों को याद करते हुए दोनों नेताओं ने आपसी संबंधों की समीक्षा की। व्यापार और निवेश, फूड सिक्योरिटी, स्किल डेवलपमेंट, माइनिंग, यूथ एक्सचेंज और लोगों के बीच संबंधों सहित सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुईप्रगति पर संतुष्टि जताई।

सनसनीखेज : दुमका में हंसडीहा थाना क्षेत्र के बरदेही की घटना

पत्नी और बच्चों की हत्या कर खुद लगा ली फांसी

संवाददाता

दुमका:रविवार की सुबह दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के बरदेही गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों की डेड बॉडी बरामद होने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि घरेलू झगड़े के बाद चार लोगों की मौत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, गांव के बीरेंद्र मांझी ने अपनी पत्नी आरती कुमारी और दो मासूम बच्चों- चार वर्षीय बेटी रूही और दो वर्षीय बेटे विराज की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने चारों शवों को दुमका फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पुलिस जांच में पता चला है कि बेटे की बीमारी के इलाज को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद था। हंसडीहा पुलिस थाने के प्रभारी ताराचंद ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कहा कि हमने घर से चार शव बरामद किए। शुरूआती जांच से पता चलता है कि व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों का कथित तौर पर गला घोंट दिया और फिर खुद फंदे से लटककर जान दे दी। मामले की जांच जारी है। एसपी पीतांबर सिंह खेरवार खुद मौके पर पहुंचे और घर वालों से पूछताछ और घटनास्थल का अनुसंधान करने के बाद बताया कि बीरेंद्र ने ही अपनी पत्नी और दोनों बच्चों की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर खुदआत्महत्या कर ली है।

घर में मिले मां और बच्चों के शव, खेत में मिली पति की डेड बॉडी

लाश मिलने की स्थिति से संदेह जब पति ने खुद फांसी लगा ली तो घर के बाहर कैसे मिला शव

बेटे के दिल में छेद, इलाज के लिए जाना था वेल्लोर

घटनास्थल पर जुटे ग्रामीणों ने बताया कि, परिवार बेहद साधारण था। मृतका आरती का मायका देवघर जिले के पालाजोरी में है। बीरेंद्र शनिवार को ही पत्नी और बच्चों को मायके से वापस लेकर आया था। उसके बेटे विराज के दिल में छेद था। उसे इलाज के लिए वेल्लोर ले जाने की तैयारी चल रही थी। एसपी ने बताया कि सभी एंगल में मामले का अनुसंधान जारी है।

रात में झगड़ा, सुबह मिली लाश

मृतक के पिता मनोज मांझी ने बताया कि रात में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि इसी विवाद ने गंभीर रूप ले लिया और गुस्से में बीरेंद्र ने पहले पत्नी और दोनों बच्चों की हत्या कर दी। इसके बाद उसने घर में ही फांसी लगाकर जिंदगी समाप्त कर ली। रविवार की सुबह जब घर का दरवाज नहीं खुला तो परिवार के अन्य सदस्यों ने पड़ोसियों की मदद ली। घर के भीतर मां और बच्चों के शव मिले, जबकि पति की लाश घर के बाहर खेत के पास मिली। बॉडी देख कर ही पुलिस को सूचना दी गई। लाश मिलने की ऐसी परिस्थिति से संदेह भी हो रहा है कि जब पति ने पत्नी और बच्चों की हत्याकर दी। फिर खुद फांसी लगा ली,

जस्टिस सूर्यकांत आज देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ लेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति भवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में ब्राजील सहित दुनिया के 7 देशों के मुख्य न्यायाधीश और उच्चतम न्यायालय के जज शामिल होंगे। इस समारोह में ब्राजील के अलावा भूटान, केन्या, मलेशिया, मारीशस, नेपाल और श्रीलंका के चीफ जस्टिस और उनके साथ आए परिजन शामिल होंगे। भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी चीफ जस्टिस के शपथ ग्रहण समारोह में इतनी बड़ी संख्या में दूसरे देशों के न्यायिक प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति होगी। जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें चीफ जस्टिस होंगे और उनका कार्यकाल 14 महीने का होगा। वे 9 फरवरी, 2027 को रिटायर होंगे। जस्टिस सूर्यकांत हरियाणा से पहले

चीफ जस्टिस होंगे। मौजूदा चीफ जस्टिस बीआर गवई के आज रिटायर होंगे। जस्टिस बीआर गवई का अंतिम कार्य दिवस 22 नवंबर को था। जस्टिस सूर्यकांत ने अपने शपथग्रहण से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता अदालतों में लंबित मामलों से निपटने की होगी। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 75 साल पूरे होने के बाद हमारे फैसलों की दूसरे देशों में नजीर दी जाती है इसलिए हमें अपने दर्शन और न्यायशास्त्र की जरुरत है।

राज्यपाल बिल को अनिश्चितकाल तक रोक नहीं सकते, बस समय में ढील संभव : न्यायमूर्ति गवइ

एजेंसी

नई दिल्ली। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई ने रविवार को कहा कि विधेयकों की मंजूरी के वास्ते राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा की व्यवस्था को समाप्त करने का उच्चतम न्यायालय का निर्णय एक संतुलित फैसला है, क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता, लेकिन राज्यपाल भी विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोककर नहीं रख सकते। अपने सरकारी आवास पर मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि संविधान शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत पर आधारित है और जहां समय-सीमा का उल्लेख

नहीं है, वहां अदालत अपने स्तर पर समय-सीमा तय नहीं कर सकती। न्यायमूर्ति 23 नवंबर (रविवार) को सेवानिवृत हो रहे हैं, जबकि शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में उनका आखिरी कार्यदिवस था। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमने न केवल समयसीमा हटाई है, बल्कि यह कहकर इसे संतुलित भी किया है कि राज्यपाल विधेयकों को अनिश्चितकाल तक नहीं रोक सकते। विधेयकों पर राज्यपालों की मंजूरी को लेकर समयसीमा हटाये जाने को लेकर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए, उन्होंने कहा, संविधान अदालत को उस स्थिति में समयसीमा तय करने की अनुमति नहीं देता जहां कोई समयसीमा मौजूद है ही नहीं, लेकिन हमने कहा है कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक पर निर्णय नहीं टाल सकते। अत्यधिक विलंब की स्थिति में न्यायिक समीक्षा का विकल्प उपलब्ध है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण का हवाला दिया और कहा कि राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयक को नहीं रोक सकते और सीमित न्यायिक समीक्षा का विकल्प उपलब्ध है।

सत्ता की रक्षा में लोकतंत्र की बलि

राहुल गांधी बोले- एसआईआर कोई सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर एक बार फिर सरकार और चुनाव आयोग पर हमला बोला है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सरकार और चुनाव आयोग को घेरने की कोशिश की है. राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने एसआईआर के नाम पर देश भर में अफरा-तफरी मचा रखी. अब इसके नतीजे भी सामने आने लगे. एसआईआर की वजह से पिछले करीब 3 हफ्तों में 16 बूथ स्तर अधिकारियों) की जान चली गई. राहुल गांधी ने आगे कहा कि इन इछड

में से किसी काम के दबाव के चलते आत्महत्या कर ली तो किसी की हार्ट अटैक से मौत हो गई. आज भी सैकड़ों इछड भारी तनाव में एसआईआर का काम कर रहे हैं. देखा जाए तो एसआईआर कोई सुधार नहीं है, यह एक तरह से लोगों पर थोपा गया जुल्म है. राहुल ने आगे कहा कि सरकार ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर ऐसा सिस्टम बनाया है.

खेल

भारत ने रचा इतिहास!

भारतीय महिलाओं ने जीता पहला ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप

एजेंसी

कोलंबो। भारत ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को यहां के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को सात विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों

की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह- मेजबान श्रीलंका शुरूआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका। पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

संसद के शीतकालीन सत्र में नहीं लाया जाएगा चंडीगढ़ बिल : गृह मंत्री

एजेंसी

नई दिल्लीः मंत्रालय ने कहा कि प्रस्ताव किसी भी तरह से चंडीगढ़ के शासन या प्रशासनिक ढांचे में बदलाव करने का प्रयास नहीं करता और न ही इसका उद्देश्य चंडीगढ़ और पंजाब या हरियाणा राज्यों के बीच पारंपरिक व्यवस्था को बदलना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में केंद्र के लिए कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल बनाने वाले चंडीगढ़ संबंधी प्रस्तावित विधेयक को लाने का सरकार का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय ने साथ ही जोर देकर कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य चंडीगढ़ और पंजाब एवं हरियाणा के बीच पारंपरिक व्यवस्थाओं को बदलना नहीं है। लोकसभा और राज्यसभा के बुलेटिन में एक दिसंबर से शुरू होने वाले आगामी सत्र के लिए 10 विधेयकों की अनंतिम सूची में संविधान (131वां

संशोधन) विधेयक 2025 को शामिल किए जाने के एक दिन बाद सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया। चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने संबंधी प्रस्ताव वाले इस विधेयक पर पंजाब के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को केंद्र शासित प्रदेश के लिए नियम बनाने और सीधे कानून बनाने का अधिकार देता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ पर्याप्त परामर्श के बाद ही कोई उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा। इस मामले में किसी भी चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। केंद्र सरकार का संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में इस संबंध में कोई विधेयक पेश करने का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने इस मामले पर उठाई गई चिंताओं को दूर करते हुए कहा, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लिए केंद्र सरकार की कानून-निर्माण।

झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित रांची स्मार्ट सिटी मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

रांची, संवाददाता ।

भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में इस वर्ष झारखंड पवेलियन का रांची स्मार्ट सिटी मॉडल मीडिया और दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित कर रहा है। नवीनतम तकनीक, भविष्य उन्मुख शहरी नियोजन और नागरिक-केंद्रित विकास दृष्टि के साथ यह मॉडल झारखंड सरकार की प्रगतिशील शहरी नीतियों का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है।

रांची स्मार्ट सिटी एक अत्याधुनिक आधारभूत संरचना

रांची स्मार्ट सिटी में अत्याधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिसके तहत 656 एकड़ में विकसित होने वाली ग्रीनफील्ड टाउनशिप सीबीडी, प्रस्तावित राजधानी परिसर, एयरपोर्ट और हटिया रेलवे स्टेशन के निकट एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थापित की जा रही है। यह क्षेत्र भविष्य में निवेश आकर्षित करने, तकनीकी संस्थानों, स्टार्टअप इकोसिस्टम और ज्ञान-आधारित उद्योगों को विकसित करने के लिए एक आदर्श केंद्र के रूप में उभर रहा है।

रांची स्मार्ट सिटी में मिलेगी सभी मूलभूत सुविधाएं

रांची को फ्यूचर-रेडी स्मार्ट सिटी बनाने के उद्देश्य से 37% भूमि को ओपन और ग्रीन स्पेस के रूप में सुरक्षित किया गया है। 247 गैस-इंसुलेटेड पावर स्टेशन और जल आपूर्ति नेटवर्क विकसित किया गया है, साथ ही, 16 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी के माध्यम से उपचारित जल का 40% हिस्सा गैर-पीने योग्य उपयोगों के लिए प्रस्तावित है, जिससे जल संरक्षण और सतत शहरी प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।इसके साथ ही अंडरग्राउंड वायरिंग मॉडल, रोडसाइड यूटिलिटी डक्ट सिस्टम, और अत्याधुनिक शहरी सेवाएँ शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण-संतुलित बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। रांची स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन के जन संपर्क पदाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि रांची को शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक उभरते हुए ज्ञान-केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, रांची, जो सरकारी संगठनों, पीएसयू और आरएंडडी केंद्रों का प्रमुख स्थल है।

वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ 14 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस की रैली, झारखंड से शामिल होंगे 5 हजार कार्यकर्ता

रांची, संवाददाता ।

वोट चोरी और एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली करने जा रही है. इस रैली में झारखंड से पांच हजार कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शिरकत करेंगे. रविवार को इसकी घोषणा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि दिल्ली की महारैली को सफल बनाने के लिए सभी जिला अध्यक्षों, सोशल मीडिया विभाग और बड़े संगठनों को निर्देश दे दिए गए हैं. प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य में गठबंधन की सरकार द्वारा 21 नवंबर से जारी 'सेवा सप्ताह' की सराहना करते हुए कहा कि राज्य की जनता के हितों की रक्षा करने के प्रति समर्पित सरकार चल रही है.

कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में

कहा कि इस रैली में झारखंड से 5000 कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न प्रमंडलों से भाग लेंगे. इसके लिए जिला अध्यक्षों को रैली में शामिल होने वाले कार्यकताओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने कहा कि संचार के विभिन्न माध्यमों से रैली का प्रचार प्रसार किया जाएगा.

'आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम की सराहना हो रही: केशव महतो कमलेश

देश में मतों की चोरी कर सरकार बनाई जा रही है. चुनाव आयोग ने सत्ता के इशारे पर पूरी चुनावी प्रक्रिया की गरिमा को ताक पर रख दिया है. इसलिए लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता की आवाज को हमें बुलंद रखना है. उन्होंने कहा कि विगत वर्ष समस्याओं के तुरंत समाधान हेतु गठबंधन सरकार ने 'आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम चलाया था इस कार्यक्रम की सराहना पूरे देश में हो रही है. कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि इस देश के लोकतंत्र, संविधान और आम जनों के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए जो लड़ाई कांग्रेस नेतृत्व ने छेड़ी है, उसकी सफलता के लिए हम संघर्ष की राह पर चलते रहेंगे. भाजपा और उसका नेतृत्व शासन में अपनी धमक देना चाहता है, जिसका हम विरोध करते हैं. कहीं वोट चोरी करके वोटर लिस्ट से मतदाताओं का नाम हटाकर, कभी विधायकों की खरीद फरोख्त करके भाजपा सरकार बना रही है.

सरकार जनता के दरवाजे पर पहुंच रही है: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

लोक सेवा अधिनियम 2011 में सबसे पहले पहले मध्य प्रदेश, उसके बाद राजस्थान एवं झारखंड में एक साथ पारित किया गया था. यह अधिनियम तय समय सीमा में जनता के कार्यों को संपन्न करने की गारंटी देता है. नहीं होने पर इसमें दंडात्मक प्रावधान है. अधिनियम में निहित तथ्यों के तहत सरकार सेवा का अधिकार सप्ताह 21 नवंबर से 28 नवंबर तक मना रही है. इसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं, जिनकी अगुवाई में सरकार जनता के दरवाजे पर पहुंच रही है. उन्होंने सभी वार्ड एवं मंडल अध्यक्षों को इस सेवा के अधिकार सप्ताह के तहत जन समस्याओं के समाधान के लिए पहल करने का निर्देश दिया.

सरकार लोगों के करीब पहुंचना चाहती है

इस चोरी के विरोध में दिल्ली की रैली में संविधान, लोकतंत्र और वोट के अधिकार पर विश्वास रखने वाली जनता शामिल होगी. यह रैली तय करेगी कि यह देश लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलेगा. उन्होंने कहा कि राइट टू सर्विस एक्ट के तहत 73 बुनियादी नियम हैं, जिसके अंतर्गत 363 सेवाएं आती हैं. इसे अधिकारियों द्वारा जनता को उपलब्ध कराना है, इसके लिए सरकार का पूरा महकमा पंचायत और वार्ड स्तर पर पहुंच रहा है. आम लोग इन शिविरों में पहुंचकर इसका लाभ लें, इसके माध्यम से सरकार लोगों के करीब पहुंचना चाहती है. संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, लाल किशोर नाथ शाहदेव, सोनाल शांति, केदार पासवान और राजन वर्मा उपस्थित थे.

एजी ऑफिस का वॉकथान कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

रांची, संवाददाता ।

प्रधान महालेखाकार कार्यालय के तत्वावधान में वॉकथान 23 नवंबर से शुरू हुआ. कांपट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया के निर्देश पर ऑडिट सप्ताह का शुभारंभ किया गया. यह कार्यक्रम 23 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगा. उदघाटन के मौके पर वॉकथान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित भूतपूर्व राष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी सुमरई टेटे, भारतीय पुलिस सेवा एवं झारखंड खेल निदेशक सरोजिनी लकड़ा तथा सीजीएचएस डोरंडा के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुंदरम हर्ष के साथ प्रधान महालेखाकार इंदु अग्रवाल और चन्द्र मॉली सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई. वॉकथान का निर्धारित मार्ग लगभग 3.2 किलोमीटर का था, जो एजी ऑफिस से शुरू होकर मेकॉन चौक, बटन तालाब, आंबेडकर चौक होते हुए एजी मोड़ से एजी ऑफिस तक पहुंची. कार्यक्रम के दौरान पुलिस बल ने यातायात संचालन को सुव्यवस्थित रखते हुए प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित की.

रांची में लगेंगे स्मार्ट टॉयलेट, सिक्का डालते ही खुलेगा दरवाजा, नगर निगम की हाइटेक पहल

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची में पब्लिक टॉयलेट की गंदगी और खराब रख-रखाव को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रही हैं. पानी की कमी, टूटी फिटिंग, दुर्गंध और नियमित सफाई न होने से शहरवासी परेशान होते रहे हैं. अब रांची नगर निगम इस समस्या को आधुनिक तकनीक की मदद से खत्म करने की तैयारी में है. निगम जल्द ही शहर में पे-एंड-यूज स्मार्ट टॉयलेट सिस्टम शुरू करने जा रहा है. जिसमें सिक्का डालते ही टॉयलेट का दरवाजा अपने-आप खुल जाएगा और हर उपयोग के बाद ऑटो-फ्लश सिस्टम टॉयलेट को साफ कर देगा.

स्मार्ट टॉयलेट साफ-सफाई को करेगा सुनिश्चित

नगर निगम के अधिकारी बताते हैं कि राजधानी में प्रतिदिन हजारों लोग आते-जाते हैं और साफ-सुथरे

पब्लिक टॉयलेट की जरूरत लगातार महसूस की जाती है. स्मार्ट टॉयलेट इसी जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया मॉडल है, जो साफ-सफाई को सुनिश्चित करेगा और गलत उपयोग को भी रोकेगा. मशीन में सिक्का डालने के बाद ही दरवाजा अनलॉक होगा. जिससे उपयोग नियंत्रित रहेगा और टॉयलेट हमेशा साफ-सुथरा अवस्था में मिलता रहेगा.

ट्रायल के लिए धुर्वा में लगाया जाएगा पहला स्मार्ट टॉयलेट

इस योजना के तहत धुर्वा में सबसे पहले एक स्मार्ट टॉयलेट लगाया जाएगा. कुछ हफ्तों तक इसका ट्रायल चलाया जाएगा. जिसमें मशीन की क्षमता, पानी की व्यवस्था, ऑटो-फ्लश के कामकाज और लोगों की प्रतिक्रिया का विशेष रूप से मूल्यांकन होगा. अगर टॉयलेट मॉडल सफल होता है तो निगम पूरे शहर में ऐसे टॉयलेट लगाने की योजना पर आगे बढ़ेगा. इसके लिए मुख्य बाजारों, पार्कों, बस स्टैंडों और व्यस्त सड़कों के किनारे स्थानों की पहचान शुरू कर दी गई है. रांची नगर निगम के अधिकारी गौतम कुमार साहू ने बताया कि इस पूरे प्रोजेक्ट का खाका तैयार कर लिया गया है और लगातार मंथन जारी है. उन्होंने कहा कि शहर को सुंदर, स्वच्छ और स्मार्ट बनाने की दिशा में कई पहल की जा रही है और स्मार्ट टॉयलेट उसी कड़ी का अहम हिस्सा है.

टॉयलेट में पानी नहीं रहने से दरवाजा रहेगा बंद

स्मार्ट टॉयलेट की एक और खास बात यह होगी कि यदि किसी दिन पानी की कमी हो जाए तो सिक्का डालने के बावजूद दरवाजा नहीं खुलेगा. यह नियम टॉयलेट में गंदगी और दुर्गंध की समस्या को काफी हद तक रोकने में मदद करेगा. इसके साथ-साथ नगर निगम अब शहर में जागरूकता अभियान भी चलाएगा, ताकि लोग सार्वजनिक सुविधाओं को जिम्मेदारी से उपयोग करें. गौरतलब है कि रांची रेलवे स्टेशन पर पहले से ही ऐसा ऑटो-फ्लश सिस्टम काम कर रहा है, जो हर उपयोग के बाद खुद को साफ कर लेता है.

रांची में फर्जी पोर्टल से डाउनलोड हो रहे नकली बर्थ सर्टिफिकेट से सावधान

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के स्कूलों में तीन दिनों से नामांकन प्रक्रिया चल रही है. अभिभावक अपने बच्चों का एडमिशन कराने में जुटे हैं, लेकिन इसी बीच एक गंभीर मामला सामने आया है. नामांकन के दौरान कई स्कूलों में बच्चों के फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र जमा कराने की घटनाएं बढ़ी हैं. बच्चों के एडमिशन में जन्म प्रमाण-पत्र अनिवार्य होने के कारण कई अभिभावक जल्दबाजी में इंटरनेट पर दिखाई देने वाली पहली वेबसाइट पर क्लिक कर दे रहे हैं. यही जल्दबाजी उन्हें कई बार भारी पड़ रही है. असली वेबसाइट जैसी दिखने वाली फर्जी पोर्टलों से लोग नकली सर्टिफिकेट डाउनलोड कर रहे हैं, जो स्कूलों में जांच के दौरान पकड़ में आ रहे हैं.

केवल दो वेबसाइट हैं असली

सरकार की मानें तो जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए केवल दो ही

वेबसाइट असली हैं. पहला crsorgi.gov.in और दूसरा ejanma.jharkhand.gov.in है. इनके अलावा बाकी सभी वेबसाइटें फर्जी हैं और अभिभावकों को धोखा देने के उद्देश्य से बनाई गयी हैं. नामांकन प्रक्रिया के दौरान कई स्कूलों ने फर्जी सर्टिफिकेट पकड़कर तुरंत अभिभावकों को चेतावनी दी है. उन्हें असली प्रमाण पत्र देने की मांग की है.

अभिभावकों से अपील

रांची नगर निगम ने अभिभावकों से अपील की है वे केवल केवल आधिकारिक वेबसाइट से ही जन्म प्रमाण-पत्र बनवाएं. बर्थ सर्टिफिकेट बनाते समय किसी भी थर्ड-पार्टी वेबसाइट या लिंक पर भरोसा न करें.

घाटशिला की जनता ने खाया धोखा, जल्द होगा पश्चाताप : आदित्य साहू

रांची, संवाददाता ।

आदित्यपुर स्थित वार्ड संख्या 2, श्रीडूंगरी में भाजपा के दिवंगत नेता साधु चरण महतो की पांचवीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू शामिल हुए. इस दौरान मीडिया से बातचीत के क्रम में उन्होंने घाटशिला उपचुनाव परिणाम को लेकर बड़ा बयान दिया है.

घाटशिला की जनता को धोखा मिला: आदित्य साहू

भाजपा के वरिष्ठ नेता आदित्य साहू ने कहा कि घाटशिला की जनता को एक बार फिर धोखा मिला है और आने वाले समय में जनता को इसका पश्चाताप भी होगा. भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि उपचुनाव के शुरूआती दौर में माहौल भाजपा के पक्ष में था, लेकिन चुनाव प्रचार थमने के 36 घंटे बाद प्रशासनिक और सरकारी तंत्र का खुला

दुरुपयोग हुआ.

घाटशिला उपचुनाव में हार की बताई ये वजह

उन्होंने कहा कि एक ओर भाजपा समर्थकों को क्षेत्र से बाहर जाने के निर्देश दिए गए, वहीं दूसरी ओर बाहरी लोगों को बुलाकर सत्ता पक्ष ने सरकारी अधिकारियों की मदद से चुनाव को प्रभावित किया. उन्होंने कहा कि धनबल, बाहुबल और प्रशासनिक दखलअंदाजी ने जनादेश को गलत दिशा में ले जाने का काम किया. आदित्य साहू ने कहा कि हार के बावजूद भाजपा कार्यकर्ता सच्चे सिपाही की तरह जनता के बीच सक्रिय रहेंगे और पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाते रहेंगे. उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले चुनावों में जनता सच्चाई को समझेगी और सही निर्णय लेगी.

बिहार चुनाव परिणाम पर दी प्रतिक्रिया

वहीं बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की मिली प्रचंड जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्य साहू ने कहा कि बिहार की जनता ने जात-पात से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के विकास के मॉडल को चुना है. उन्होंने इसे देश की राजनीति में सकारात्मक संदेश बताया.

झारखंड के लोगों को अगले तीन दिनों तक ठंड से राहत, न्यूनतम तापमान में बदलाव की संभावना नहीं

रांची, संवाददाता ।

उत्तर-पश्चिम से आने वाली ठंडी हवाओं का असर कम होने की वजह से झारखंड में लोगों को फिलहाल हाड़ कंपा देने वाली ठंड से राहत मिल रही है. राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में इन दिनों मौसम सुहावना बना हुआ है. मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के मुताबिक, 25 नवंबर तक राज्य के किसी भी जिले में न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है और मौसम ऐसा ही रहेगा. मौसम विज्ञान केंद्र के सीनियर मौसम पूवार्नुमान वैज्ञानिक सतीश चंद्र मंडल के मुताबिक, 26 नवंबर के बाद न्यूनतम तापमान एक बार फिर धीरे-धीरे कम होगा. 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की धीरे-धीरे कमी होने से लोगों को ठंड का एहसास होगा. उन्होंने बताया कि आज सबसे कम तापमान लोहरदगा जिले में दर्ज किया गया, जहां सुबह पारा 11.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया. मौसम विज्ञान केंद्र से मिले आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा तापमान पाकुड़ जिले में 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं आज सुबह रांची का न्यूनतम तापमान 13.4°C, जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम) का न्यूनतम तापमान 15.4°C, डाल्टनगंज (पलामू) का न्यूनतम तापमान 12°C, बोकारो का न्यूनतम तापमान 14.1°C, चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम) का न्यूनतम तापमान 15.5°C रहा. आज बोकारो का न्यूनतम तापमान 14.2°C, देवघर का 14.3°C, पूर्वी सिंहभूम का 17.4°C, कोडरमा का 14.2°C, गोड्डा का 15.6°C, गुमला का 12°C, हजारीबाग का 12.1°C, खूंटी का 12.3°C, लातेहार का 12.7°C, पाकुड़ का 15.1°C, सिमडेगा का 12.5°C और पश्चिमी सिंहभूम का 13.9°C दर्ज किया गया.

रांची के चांद गांव में धर्मांतरण के खिलाफ जनसभा, आदिवासी अस्तित्व बचाने का आह्वान, सरना माता जय के लगे नारे

रांची, संवाददाता ।

नामकुम स्थित चांद गांव में धर्मांतरण के खिलाफ आदिवासी संगठन अब सड़कों पर उतर आए हैं. आरोप है कि झांसा देकर आदिवासियों का धर्मांतरण कराया जा रहा है. इसके खिलाफ आज आदिवासी सरना बचाओ महारैली के बैनर तले आदिवासी संगठनों का रांची के 10 माइल चौक के पास जतरा मैदान में जुटान हुआ. इस दौरान प्रशासन पर भी भेदभाव का आरोप लगाया गया. आदिवासी संगठनों ने चांद गांव तक रैली निकालने की तैयारी की थी, लेकिन प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने के कारण जतरा मैदान में जनसभा की गई. जनसभा में भगवान बिरसा मुंडा और बाबा कार्तिक उरांव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि की गई. इस दौरान सरना माता और धरती माता की जय के नारे लगाए गए.

आदिवासी नेताओं की प्रमुख बातें

आदिवासी सरना विकास समिति की मेघा उरांव ने कहा कि प्रशासन को बताना चाहिए कि किसने धर्मांतरण के लिए सभा लगाने की अनुमति दी है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों को खत्म करने की

बड़ी साजिश चल रही है. दूसरे जगह से आकर लोग आदिवासियों को बरगला रहे हैं. सवाल उठाने पर अब खुद को बाबा के रूप में प्रोजेक्ट कर रहे हैं. इसकी जानकारी एसडीओ और डीसी से लेकर राज्यपाल तक दी गई है. उन्होंने कहा कि प्रशासन के मना करने पर चांद गांव तक रैली को टाल दिया गया लेकिन आंदोलन लगातार जारी रहेगा. आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने जमकर भड़ास निकाली. कहा गया कि नामकुम प्रखंड के लगभग 94 गांवों में से 34 गांवों में अब सरहुल नहीं मनाया जा रहा, क्योंकि वहां बड़ी मात्रा में लोग सरना से दूसरे धर्म में चले गए हैं. इसके कारण पारंपरिक पूजा-पाठ और रीति-रिवाज बंद होते जा रहे हैं. आरोप लगाया कि धर्मांतरण की सभा के बहाने आदिवासियों का धर्मांतरण हो रहा है, जिससे आदिवासी संस्कृति और सभ्यता पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है. कई सरना प्रतिनिधियों ने कहा कि पाहन की बकास्त/भूईहरी जमीन पर बिना ग्रामसभा की अनुमति के सभा चलाई जा रही है, जो पांचवीं अनुसूची और ग्रामसभा के अधिकारों का उल्लंघन है.

धर्म वापसी करने वाले ने बताई आपबीती

इस जनसभा में मांडर के निर्मल उरांव भी शामिल हुए. उन्होंने कहा कि साल 2023 में उन्होंने सरना में वापसी कर ली थी. तब से उनके और उनके परिवार पर अत्याचार हो रहा है. उन पर कई बार हमले हो चुके हैं. इसकी जानकारी थाना को भी दी गई लेकिन फिर भी हमलावरों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. लाचार होकर निर्मल उरांव ने जनसभा में पहुंचे आदिवासी नेताओं से मदद की गुहार लगाई.

पुलिस सुधार में बड़ा कदम : पिछले दशक की सभी सिफारिशों की होगी जवाबदेही, पीएमओ रखेगा नजर

रांची, संवाददाता ।

भारत में आयोजित पिछले दस वर्षों के डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस में की गई अनुशंसा को राज्यों की पुलिस ने कितना धरातल पर उतारा है, इसकी समीक्षा का निर्देश पीएम ने दिया है. निर्देश मिलने के बाद झारखंड पुलिस के द्वारा रिपोर्ट तैयार की जा रही है.

क्या है पूरा मामला

प्रधानमंत्री ने पिछले दस वर्षों में आयोजित डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस की अनुशंसाओं पर ठोस कार्रवाई का निर्देश दिया है, जिसके तहत अब हर राज्य और जिले के पुलिस अधिकारियों को इन अनुशंसाओं पर अब तक क्या-क्या कार्रवाई की है,

इसकी रिपोर्ट पेश करनी होगी. दरअसल डीजी-आईजी कॉन्फ्रेंस में पुलिस अनुशंसा की जाती है. अनुशंसा पुलिस को बेहतर करने के लिए होती है ताकि आम लोगों को उसका फायदा मिल सके. लेकिन कई राज्य अभी भी कॉन्फ्रेंस की अनुशंसाओं पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं. यही वजह है कि गृह मंत्रालय के तहत पुलिस सुधार और अपराध नियंत्रण के लिए बनाई गई समितियों की अनुशंसाओं पर सख्त निगरानी रखने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है.

क्यों दिया गया समीक्षा का आदेश

समीक्षा के लिए जारी किए गए कॉन्फिडेंशियल पत्र में यह बताया गया है कि प्रधानमंत्री ने पाया कि कई बार डीजी, आईजी कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देश जमीन पर पूरी तरह लागू नहीं हो पाते हैं. इन निदेर्शों में महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम एवं अन्य कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दे रहे हैं. दूसरी तरफ मामले में गंभीरता दिखाते हुए झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जिला स्तर पर पुलिस प्रशासन को इन अनुशंसाओं के क्रियान्वयन का स्पष्ट प्रगति रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है.

क्या हैं निर्देश

हर राज्य में पुलिस प्रमुखों को दस वर्ष की अनुशंसाओं पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया गया है. महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, संगठित अपराध, उग्रवाद जैसे मामलों पर विशेष ध्यान. गृह मंत्रालय के भीतर बनी समिति इन रिपोर्ट्स की निगरानी करेगी और समय-समय पर पीएमओ को उपलब्ध कराएगी. इसमें मुख्य रूप से नाबालिग, महिलाओं और कमजोर वर्गों के प्रति अपराधों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र स्थापित करने, महिला पुलिस कर्मियों को सक्रिय करने के लिए हर पुलिस स्टेशन पर एक निगरानी प्रणाली (डैशबोर्ड) विकसित करने और ग्राम स्तर पर सरपंचों सहित अन्य अधिकारियों का एक डाटा बैंक तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं. महिलाओं से जुड़े मामलों में स्पेशल ट्रैकिंग सिस्टम लाने का निर्देश हुआ है, ताकि तेजी से कार्रवाई और उचित न्याय मिले. महिला अपराध की रिपोर्टिंग, आरोपी पर फास्ट ट्रैक एक्शन और पीड़िता को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने जैसे कदम लिए जाएंगे. पुलिसिंग में टेक्नोलॉजी का समुचित उपयोग और डेटा शेयरिंग सिस्टम लागू होगा. राज्यों में पुलिस ट्रेनिंग और उनके कार्यों की समीक्षा के लिए विशेष कमेटी बनाई जाएगी. इस समग्र पहल से कानून व्यवस्था को मजबूत करने, अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा हेतु पुलिस प्रशासन को अधिक उत्तरदायी और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है.

झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित रांची स्मार्ट सिटी मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

रांची को नॉलेज हब बनाने की झारखंड सरकार की पहल

- झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित रांची स्मार्ट सिटी मॉडल बना आकर्षण काकेंद्र
- रांची को शिक्षा और कौशल विकास का नया केंद्र बनाने की तैयारी तेज

संवाददाता । रांची

नई दिल्ली। भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में इस वर्ष झारखंड पवेलियन का रांची स्मार्ट सिटी मॉडल मीडिया और दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित कर रहा है। नवीनतम तकनीक, भविष्य उन्मुख शहरी नियोजन और नागरिक-केंद्रित विकास दृष्टि के साथ यह मॉडल झारखंड सरकार की प्रगतिशील शहरी नीतियों का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। रांची स्मार्ट सिटी एक अत्याधुनिक आधारभूत संरचना :रांची स्मार्ट सिटी में अत्याधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिसके तहत 656 एकड़ में विकसित होने वाली ग्रीनफील्ड टाउनशिप सीबीडी, प्रस्तावित राजधानी परिसर, एयरपोर्ट और हटिया रेलवे स्टेशन के निकट एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थापित की जा रही है। यह क्षेत्र भविष्य में निवेश आकर्षित करने, तकनीकी संस्थानों, स्टार्टअप इकोसिस्टम और ज्ञान-आधारित उद्योगों को विकसित करने के लिए एक आदर्श केंद्र के रूप में उभर रहा है। रांची स्मार्ट सिटी में मिलेगी सभी मूलभूत सुविधाएं : रांची को फ्यूचर-रेडी स्मार्ट सिटी बनाने के उद्देश्य से 37% भूमि को ओपन और ग्रीन स्पेस के रूप में सुरक्षित किया गया है। 247 गैस- इंसुलेटेड पावर स्टेशन और जल आपूर्ति नेटवर्क विकसित किया गया है, साथ ही, 16 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी के माध्यम से उपचारित जल का 40% हिस्सा गैर-पीने योग्य उपयोगों के लिए प्रस्तावित है, जिससे जल संरक्षण और सतत शहरी प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।इसके साथ ही अंडरग्राउंड वायरिंग मॉडल, रोडसाइड यूटिलिटी डक्ट सिस्टम, और अत्याधुनिक शहरी सेवाएँ शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरणसंतुलित बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। झारखंड को पूर्वोत्तर राज्यों के लिए भी प्रमुख शैक्षणिक एवं कौशल विकास केंद्र बनाने के लिए सरकार प्रयासरत : रांची स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन के जन संपर्क पदाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि रांची को शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक उभरते हुए ज्ञान-केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, रांची, जो सरकारी संगठनों, पीएसयू और आरएंडडी केंद्रों का प्रमुख स्थल है, । अब शहर को ज्ञान-आधारित उद्योगों और आधुनिक शिक्षण संरचना के माध्यम से इस प्रकार विकसित किया जा रहा है कि अगले 5-10 वर्षों में झारखंड पूर्वोत्तर राज्यों के लिए भी प्रमुख शैक्षणिक एवं कौशल विकास केंद्र बन सके। उन्नत सुविधाओं, वैश्विक स्तर के टाउन प्लानिंग मॉडल और सतत विकास को
बढ़ावा देने वाली नीतियों के साथ, रांची स्मार्ट सिटी आईआईटीएफ 2025 में झारखंड की नई शहरी पहचान कोप्रभावी रूप से प्रस्तुत कर रही है। झारखंड को पूर्वोत्तर राज्यों के लिए भी प्रमुख शैक्षणिक एवं कौशल विकास केंद्र बनाने के लिए सरकार प्रयासरत : रांची स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन के जन संपर्क पदाधिकारी अमित कुमार ने बताया कि रांची को शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक उभरते हुए ज्ञान- केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, रांची, जो सरकारी संगठनों, पीएसयू और आरएंडडी केंद्रों का प्रमुख स्थल है, ।

वोट चोर गद्दी छोड़ के तहत 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है

संवाददाता । रांची

रांची। 23 नवंबर। वोट चोर गद्दी छोड़ के तहत 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस रैली में झारखंड से 5000 कांग्रेस कार्यकर्ता विभिन्न प्रमंडलों से भाग लेंगे इसके लिए जिला अध्यक्षों को रैली में शामिल होने वाले कार्यकताओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है।संचार के विभिन्न माध्यमों से रैली का प्रचार प्रसार किया जाएगा।देश में मतो की चोरी कर सरकार बनाई जा रही हैं,चुनाव आयोग ने सत्ता के इशारे पर पूरे चुनावी प्रक्रिया की गरिमा को ताक पर रख दिया है इसलिए लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता की आवाज को हमें बुलंद रखना है।उन्होंने कहा कि विगत वर्ष समस्याओं के तुरंत समाधान हेतु गठबंधन सरकार ने आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलाया था इस कार्यक्रम की सराहना पूरे देश में हो रही थी। लोक सेवा अधिनियम 2011 पहले मध्य प्रदेश उसके बाद राजस्थान एवं झारखंड में एक साथ पारित किया गया था,यह अधिनियम तय समय सीमा में जनता के कार्यों को संपन्न करने की गारंटी देता है नहीं होने पर इसमें दंडात्मक प्रावधान है।अधिनियम में निहित तथ्यों के तहत सरकार सेवा का अधिकार सप्ताह 21 नवंबर से 28 नवंबर तक मना रही है इसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं जिनकी अगुवाई में सरकार जनता के दरवाजे पर पहुंच रही है उन्होंने सभी वार्ड एवं मंडल अध्यक्षों को इस सेवा के अधिकार सप्ताह के तहत जन समस्याओं की समाधान के लिए पहल करने का निर्देश दिया।कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि इस देश के लोकतंत्र संविधान और आम जनों के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए जो लड़ाई कांग्रेस नेतृत्व ने छेड़ी है उसकी सफलता के लिए हम संघर्ष के राह पर चलते रहेंगे भाजपा और उसका नेतृत्व चोरी के शासन में अपना धमक देना चाहता है जिसका हम विरोध करते हैं, कहीं वोट चोरी करके वोटर लिस्ट से मतदाताओं का नाम हटाकर कभी विधायकों की खरीद फरोख्त करके भाजपा सरकार बना रही है इस चोरी के विरोध में दिल्ली की रैली में संविधान,लोकतंत्र और वोट के अधिकार पर विश्वास रखने वाली जनता शामिल होगी,यह रैली तय करेगा कि यह देश लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलेगा।उन्होंने कहा की सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत 73 मूल नियम है जिसके अंतर्गत 363 सेवाएं आती हैं जिस समयद्द सीमा में अधिकारियों को जनता को उपलब्ध कराना है, इसके लिए सरकार का पूरा महकमा पंचायत और वार्ड स्तर पर पहुंच रहा है।आम लोग इन शिविरों मे पहुंचकर इसका लाभ लें इसके माध्यम से सरकार लोगों के करीब पहुंचना चाहती है।

स्काई नेट ट्रेवल्स एंड टूर से 47 जायरीन रांची एयरपोर्ट से उमरा पर रवाना

संवाददाता । रांची

रांची। स्काई नेट ट्रेवल्स एंड टूर से आज रांची एयरपोर्ट से 47 जायरीन का जत्था पाक सफर पर रवाना हुआ। स्काई नेट ट्रेवल्स और अल इल्हान टूर एंड ट्रेवल्स से लगातार उमरा जाने वालों का जत्था रांची एयरपोर्ट से जा रहा है। आज 23 नवंबर 2025 को स्काई नेट ट्रेवल्स एंड टूर से 47 जायरिन का जत्था बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उमराह के लिए रवाना हुआ। लगातार हर महीने उमराह करने वालों का जत्था रांची एयरपोर्ट से उमराह के लिए उड़ान भर रही है।झारखंड का सबसे विश्वसनीय ट्रेवल्स स्काई नेट ट्रेवल्स एंड टूर के नैयर इकबाल सिद्दीकी के नेतृत्व में आज 47 जायारीन का ग्रुप रवाना हुआ। जायरीन को मुबारक सफर पर रवाना करने के लिए भारी संख्या में लोग पहुंचे। मौके पर लोगों ने जायरीन को फूल माला पहनाकर और गले मिलकर रवाना किया। उमरा पर जाने वालों ने देश, राज्य की खुशहाली अमन व सलामती भाईचारगी कि दुआ मांगी। स्काई नेट ट्रेवल्स एंड टूर के डायरेक्टर नैयर इकबाल सिद्दीकी ने कहा कि हमारा ट्रेवल्स का मकसद है गांव और गरीब लोगो को उमराह आसानी से कराना है। सभी जायरीन को 50 से अधिक जगहो की जियरात कराई जाती है। साथ ही सभी जायरियोंन को मक्का और मदीना में 500 मीटर के दायरे में 4 स्टार होटल में ठाहराया जाता है।

प्राकृतिक खेती किसानों के समृद्धि का आधारः कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

झारखंड में 4000 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती का लक्ष्य निर्धारित

संवाददाता । रांची

मांडर/रांची। मांडर विधायक और झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कम खर्च में अधिक उत्पादन और अधिक मुनाफा कमाने का दूसरा नाम प्राकृतिक खेती है। प्राकृतिक खेती न सिर्फ किसानों की आय बढ़ाती है, बल्कि मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भी लंबे समय तक बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मंत्री शनिवार को पशुपालन निदेशालय के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। कार्यशाला में राज्य के 12 जिलों के 88 क्लस्टर से आईई-कृषि सखी और किसान शामिल हुए। किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्राकृतिक खेती और जैविक खेती के अंतर को समझकर ही सही दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि झारखंड में 4000 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो आने वाले समय में और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान स्वयं प्राकृतिक खेती के ब्रांड एंबेसडर बन सकते हैं, क्योंकि इसका लाभ सीधे उनके जीवन में दिखाई देता है। उन्होंने यह भी बताया कि भारी वर्षा, तूफान और विपरीत मौसम में भी प्राकृतिक खेती से तैयार फसलों को नुकसान रासायनिक खेती की तुलना में काफी कम होता है। मंत्री ने कहा– हकीकत यही है कि रासायनिक खेती का बुरा प्रभाव लगातार सामने आ रहा है। अब समय प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का है।

धनबाद में कोर्ट मोड़ के पास सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

संवाददाता । रांची

धनबाद में रविवार सुबह हुई एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में झरिया घनुवाडीह के दुगार्पुर कुम्हारपट्टी निवासी दो ममेरे-फुफेरे भाई हादसे का शिकार हो गए। इस हादसे में 35 वर्षीय गौतम पंडित की मौत हो गई, जबकि जोगिंदर पंडित गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में जिंदगी से जूझ रहे हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों भाई गोविंदपुर में आयोजित एक शादी समारोह से स्प्लेंडर बाइक पर सवार होकर झरिया लौट रहे थे। जैसे ही वे कोर्ट मोड़ के पास पहुंचे, सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने अचानक उन्हें चकमा दिया। मोड़ पर हुए इस अचानक प्रयास से उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। भीषण टक्कर में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस की मदद से दोनों को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज (एसएनएमएमसीएच) भेजा गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने गौतम पंडित को मृत घोषित कर दिया। वहीं जोगिंदर पंडित के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार
इलाज में जुटी है। हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

माही ने मदरसा गुलशने अशदक के बच्चों को स्वेटर उपहार दिया

संवाददाती

राँची, 23 नवंबर 2025ः रहमत कॉलोनी, डोरण्डा स्थित मदरसा गुलशने अशदक के बच्चों को स्वेटर उपहार स्वरूप दिया। ज्ञात हो कि मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव ₹माही₹ द्वारा ₹दि कोल्ड इज बोल्ड एन इनिशिएटिव बाय माही₹ नामक अभियान भारत रत्न एवं आधुनिक शिक्षा के शिल्पकार मौलाना आजाद के यौमे पैदाइश के मौके पर चलाया जा रहा है जो 11 नवंबर 2025 से 18 नवंबर 2025 तक हर साल की तरह चलाया गया लेकिन ठण्ड की अधिकता और जरूरतमंद स्कूली व मदरसा के बच्चों को ध्यान में रखते हुए इसे नवंबर के पूरे महीने तक बढ़ाया गया है। माही ने संकल्प लिया है कि यूनिफॉर्म, स्वेटर व जूते के आभाव में कोई भी जरूरतमंद ब सलाहियत बच्चा शिक्षा से वंचित न रह पाये।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोहम्मद रफीक, मदरसा के मोहतमिम मोहम्मद शेर, अंजुमन इस्लामिया राँची के उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद, शम्सु खान, अंजुमन इस्लामिया राँची के कार्यकारिणी मोहम्मद नजीब, मोहम्मद वसीम अकरम व नदीम अख़्तर उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

मोबाइल चोरी करते पकड़ा गया

संवाददाता ।

रांची। आज दिनांक के 23/11/25 को सदर अस्पताल में मोबाइल चोरी करते एक लड़का को पकड़ा गया उसके पास से चोरी का मोबाइल बरामद हुआ।इस संबंध में लोअर बाजार थाना कांड संख्या 272/ 25 दिनांक 23/ 11 /25 धारा 303(2),/317(2)ल्लर दर्ज करते हुए पकड़े गए अभियुक सादिकअमीन अहमद पिता मतीन अहमद उम्र 26 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया ।

एनकाउंटर के बाद तीन डकैत गिरफ्तार

संवाददाता ।

ओडिशा के लाहुणीपाड़ा चांदीपोश थाना क्षेत्र में झारखंड-ओडिशा सीमा पर पुलिस और डकैतों के बीच मुठभेड़ में तीन डकैतों को पकड़ा गया है। पुलिस ने तीनों डकैतों की पहचान चंदेक नायक, पारस राम और राजेश नायक के रूप में की है। मुठभेड़ के दौरान तीनों डकैतों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह तीनों अपराधी डकैती की घटना को अंजाम देने के लिए बाइक से लाहुणीपाड़ा चांदीपोश थाना क्षेत्र में जा रहे थे। ओडिशा पुलिस ने खबर मिलते ही तीनों डकैतों का पीछा किया। पुलिस को देखकर गैंग के सदस्यों ने फायरिंग शुरू कर दी, जवाबी कार्रवाई में गैंग के तीनों सदस्यों को पैर में गोली लगी और पकड़े गए। इस गैंग का सरगना चांडे उर्फ.चंदा नायक है, जिसके कारण इस गैंग का नाम चांडे गैंग है। पुलिस ने चांडे को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार डकैतों के पास से तीन देसी पिस्तौल, कारतूस, एक स्कॉर्पियो कार और 76 हजार नकद बरामद किए हैं।

टाटा स्टील के जोड़ा रन-ए-थॉन में 4,600 धावकों ने लगाई दौड़

संवाददाता ।

ओडिशा के जोड़ा स्थित सेंट्रल प्लेग्राउंड में आयोजित टाटा स्टील के जोड़ा रन-ए-थॉन के दूसरे संस्करण में देश भर से 4,600 से अधिक धावकों ने दौड़ लगाई। आयोजन में जोड़ा नगरपालिका के चेयरमैन जगदीश कुमार साहू, क्योंझर के डीएफओ डीडी हनुमंता, टाटा स्टील के जीएम-ओएमक्यू अतुल कुमार भटनागर और सुरभि भटनागर ने दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रशांत चौधरी और झारखंड की बसंती कुमारी ने क्रमशः 10 किलोमीटर की दौड़ में पुरुष और महिला वर्ग में जीत हासिल की। वहीं उत्तर प्रदेश के धीरज कुमार और ओडिशा की बसंती मंडिया ने क्रमशः 7 किलोमीटर की दौड़ में पुरुष और महिला वर्ग में जीत हासिल की। झारखंड के उदय मेलगांडी ने 5 किलोमीटर-ब्वॉयज श्रेणी में पहला पुरस्कार जीता और ओडिशा की ममता कुमारी ने 5 किलोमीटर- गर्ल्स श्रेणी में पहला पुरस्कार जीता। दौड़ को तीन मुख्य श्रेणियों में आयोजित किया गया थाः पुरुषों और महिलाओं (15 वर्ष और अधिक) के लिए 10 और 7 और 16 वर्ष से कम उम्र के लड़कों और लड़कियों के लिए 5। विशेष 2 रन श्रेणी में क्षेत्र भर से 84 दिव्यांगों ने भाग लिया। सभी श्रेणियों सहितकुल पुरस्कार राशि पांच लाख सड़सठ हजार रुपये थी।

बीसीआई प्लैटिनम चैप्टर का पहला पावर वन टू वन कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता ।

रांचीः तत्वावधान में रविवार को लालपुर चौक स्थित काली टावर में पावर वन टू वन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की। अध्यक्षता चैप्टर के अध्यक्ष राजेश कुमार ने किया। इस विशेष सत्र की मेजबानी संजय साहू ने की। बैठक में उन्होंने अपने होम थिएटर, म्यूज़िक सिस्टम और साउंड सॉल्यूशंस के व्यवसाय के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सदस्यों ने संजय साहू के व्यवसायिक मॉडल, तकनीकों और मार्केट विस्तार की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। इस अवसर पर मेंटर किशोर मंत्री ने कहा कि सही दिशा, सही योजना और निरंतर प्रयास किसी भी व्यापार को नई ऊंचाईयों तक पहुंचा सकते हैं। बीसीआई प्लैटिनम चैप्टर का यह पहला पावर वन टू वन कार्यक्रम रहा, जिसने ऑफलाइन बिजनेस के प्रति बढ़ते कदमों को मजबूत किया। कार्यक्रम में नेटवर्किंग, रिश्तों और व्यवसायिक विकास को बढ़ावा देते हुए एक सफल मंच प्रदान किया। मौके पर कार्यक्रम में बीसीआई के डायरेक्टर अजय कुमार, धीरज कुमार, रमेश कुमार, उपाध्यक्ष जूली कुमारी, सचिव रोहन साहा, कोषाध्यक्ष अमर बाजोरिया समेत कईसदस्य उपस्थित थे।

एजी ऑफिस का वॉकथान कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

संवाददाता ।

रांचीःरांची। प्रधान महालेखाकार कार्यालय के तत्वावधान में वॉकथान 23 नवंबर से शुरू हुआ. कांपट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया के निर्देश पर ऑडिट सप्ताह का शुभारंभ किया गया. यह कार्यक्रम 23 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगा. उदघाटन के मौके पर वॉकथान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.कार्यक्रम की शुरूआत।

परिवर्तन निदेशालय के धनबाद में हुई छापामारी का असर रामगढ़ में भी दिखने की संभावना

रामगढ़, संवाददाता

रामगढ़ जिला के सटे हुए सीमा पर और हजारीबाग जिला का एक अवैध कोयला चलाने के लिए मशहूर हो चुका गिद्दी थाना सुर्खियों में प्रत्येक दिन आ रहा है। अवैध कोयला एवं अवैध कार्यों को रोकने के लिए डीजीपी ने सभी उपायुक्त एवं पुलिस कप्तान को पत्र लिखकर इसे रोकने का कड़ाई से आदेश दे रखा है, लेकिन इसके बावजूद गिद्दी थाना क्षेत्र से अवैध कोयला माफिया के द्वारा 20 से 25 गाड़ियां अवैध कोयला लोड कर बड़े-बड़े ट्रकों में गिद्दी थाना क्षेत्र के स्थानीय फैक्ट्री में रात के अंधेरों में कौन के दिन के उजालों में भी अवैध कोयला खपाया जा रहा है और भारत सरकार को अरबो रूपया का हानि पहुंचा जा रहा है सीसीएल, पुलिस वन विभाग एवं प्रशासन के द्वारा। सीसीएल के अधिकारी एवं सीसीएल के सुरक्षा विभाग पल्ला झाड़ने हुए इसकी जिम्मेवारी अवैध कोयला चलने को लेकर थाना प्रभारी को जिम्मेदार मानता है और पुलिस प्रशासन को। पुलिस मानती है कि कोयला खनन का क्षेत्र सीसीएल का है और इसे रोकना सीसीएल की जिम्मेवारी है, सीसीएल का अधिकारी भी अपनी जिम्मेवारी या कहकर जानकारी देते हैं कि बिना पुलिस के अवैध कोयला को रोकना संभव नहीं है। वन विभाग और प्रशासन भी अपने को दोषी नहीं मानता जबकि अवैध कोयला अगर चल रहा है तो सीसीएल प्रशासन पुलिस और वन विभाग जिम्मेवार है। गिद्दी थाना क्षेत्र के चौक चौराहा पर जो चचाएं चलती है उसमें लोग यह भी चर्चा करते हैं कि धनलक्ष्मी के आगे प्रशासन पुलिस वन विभाग और सीसीएल एक दूसरे को दोष देता है जबकि सच्चाई यह है कि सभी धनलक्ष्मी का प्रयोग करना चाहते हैं। झारखंड के डीजीपी नेवी से हर हाल में रोकने का आदेश प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों को जिला में दिया है। चर्चा है कि प्रवर्तन निदेशालय के रडार पर रामगढ़ एवं हजारीबाग जिला के कोयला व्यापारी एवं अवैध कोयला माफिया हैं, क्योंकि धनबाद में परिवर्तन निदेशालय की छापामारी हुई और चर्चा यह उठा की रामगढ़ भी परिवर्तन निदेशालय की अनेक टीम पहुंच गई है जो अपने स्तर से विभिन्न थाना क्षेत्र के खनन स्थल सहित कोयला व्यवसाई यो एवं प्रशासन तथा पुलिस पर कड़ी नजर रखी हुई है उसके एक्टिविटी को लेकर। गिद्दी थाना क्षेत्र से अवैध कोयले का व्यापार होने के कारण और गड्डा महाप्रबंधक क्षेत्र के परियोजनाएं चर्चा में आ गई है। ऐसी बात नहीं है की गिद्दी थाना क्षेत्र में जो अवैध कोयले का धंधा हो रहा है और स्थानीय फैक्ट्री में गिराया जा रहा है उसमें पूर्ण रूप से थाना प्रभारी ही जिम्मेवार है, यह सही है कि थाना क्षेत्र में अपराध को रोकना थाना प्रभारी एवं पुलिस की जिम्मेवारी होती है लेकिन थाना प्रभारी के ऊपर भी पुलिस पदाधिकारी होते हैं और अगर गिद्दी थाना क्षेत्र में अवैध कोयला चलाया जा रहा है, तो इसकी निगरानी करना भी पुलिस कप्तान की जिम्मेदारी बनती है। क्षेत्र में चर्चा इस बात को लेकर हैकि प्रशासन और पुलिस अपराध को रोकने में सक्षम है और रुकती भी है लेकिन आर्थिक अपराध जिसे अवैध कोयला का व्यापार करते हैं उसे रोकने में पुलिस तत्परता क्यों नहीं दिखाई, चर्चा इस बात को लेकर भी है कि कहीं ना कहीं पुलिस प्रशासन वन विभाग और सीसीएल पर ऊपर से दबाव है बैठ कोयला चलने को लेकर। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि कहीं ऐसा ना हो कि एक समय ऐसा भी आ जाए जब गांव का गांव उठकर और अवैध कोयला कोई ट्रैकों को पकड़ना और आग लगना शुरू कर देगी। जिद्दी क्षेत्र में चल रहे इस आर्थिक अपराध को रोकने की जिम्मेवारी प्रशासन पुलिस के अलावे अंतिम निर्णय जनता की होगी और यह स्थिति पैदा किया जा रहा है। सिरका कोलियरी से चोरी कर जमा किए गए कोयले को कोल माफिया का सिंडिकेट शेखावत शेखर शकील और अंसारी ट्रक और डंपर में लदवा कर आसपास के फैक्ट्री में ऊंचे दामों पर बेच रहे है।

सांसद खेल महोत्सव में हजारों लोगों ने लगाई मैराथन दौड़, विजयी को मिला नगद पुरस्कार

जमशेदपुर, संवाददाता

सांसद विद्युत वरण महतो के नेतृत्व में रविवार सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत मैराथन दौड़ का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें हजारों लोगों ने भाग लेते हुए 5 किलोमीटर की दौड़ भी लगाई। इस आयोजन में सांसद के अलावा जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय, पूर्वी विधायक पूर्णिमा साहू, पद्मश्री और द्रोणाचार्य अवॉर्डी पूर्णिमा महतो, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सह झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सौरव तिवारी, अंतरराष्ट्रीय साइक्लिस्ट अवतार सिंह, गुरुशरण सिंह, क्रीड़ा भारती के प्रांत मंत्री राजीव कुमार, महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, नंदजी प्रसाद, मनोज सिंह, देवेंद्र सिंह, नीरज सिंह, कुलवंत सिंह बंटी, विनोद सिंह, मिथिलेश सिंह यादव, गुंजन यादव, संजीव सिन्हा, जितेंद्र राय के साथ-साथ कई वरिष्ठ भाजपा नेता भी शामिल हुए। इस दौरान उपस्थित लोगों को खेल जगत की हस्तियों के अलावा विधायक और सांसद ने संबोधित किया। वहीं सांसद ने उपस्थित धावकों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में इस प्रकार के आयोजन हो रहे हैं। खेल हमें जीवन में जीत और हार का अभ्यास कराता है। साथ ही सामूहिक जीवन जीने की कला भी सिखाता है। खेल समाज को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम है और समाज की कई प्रकार की समस्याओं का समाधान भी है। इस देश को कई देश विरोधी शक्तियां तोड़ने में लगी है और उसका मुकाबला करने के लिए समाज का सशक्तिकरण जरूरी है। आज दौड़ के प्रारंभ में प्रतिभागियों को टी शर्ट प्रदान की गई और दौड़ के बाद सबों के जलपान की व्यवस्था भी थी। विजयी प्रतिभागियों को मेडल, सर्टिफिकेट और पुरस्कार राशि प्रदान की गई। पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान मुकेश कुमार, द्वितीय स्थान सृजन मिश्रा, तृतीय स्थान आर्यन मुखी, चतुर्थ निखिल भुइयां, पांचवे स्थान पर चंदन मांझी को मिला। जबकि महिला वर्ग में प्रथम स्थान शोभा महतो, द्वितीय स्थान दिल्की पारिया, तृतीय स्थान गीया हेंब्रम, चतुर्थ स्थान सोनाली गुड़िया और पंचम स्थान किरण सिरका को मिला। दोनों ही वर्गों में प्रथम स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 20000 रुपए, द्वितीय को 15000 रुपए, तृतीय को 10000 , चतुर्थ और पंचम स्थान पर रहने वाले दोनों प्रतिभागी को 5000-5000 रुपए मिले। इसे सफल बनाने में टाटा स्टील फाउंडेशन, क्रीड़ा भारती, पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जय हो, जय हिंद, सिंहभूम एथलेटिक्स एसोसिएशन, सिंहभूम मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन, भाजपा पदाधिकारी और कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्री टेस्ट के तहत हो रहे जनगणना कार्यों का भारत सरकार के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जमशेदपुर, संवाददाता

प्री टेस्ट के तहत भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा मानगो नगर निगम कार्यालय पहुंचकर बैठक करते हुए जनगणना कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही सीएमएम एस पोर्टल पर होने वाले समस्याओं के बारे में जानकारी लेते हुए उसके निदान के बारे में भी बताया गया। इस दौरान उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार से मुलाकात करने के बाद फील्ड में निरीक्षण के लिए भ्रमण किया गया। दिल्ली से आए अधिकारियों द्वारा शिव स्थली एवं हिल व्यू कॉलोनी क्षेत्र में पहुंचकर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के किए गए कार्यों के बारे में जानकारी भी ली गई। साथ ही 30 तारीख तक जनगणना कार्य को पूर्ण करने का निर्देश भी दिया गया। मौके पर उर्मिशा नंदी संयुक्त निदेशक ओआरजीआई नई दिल्ली, जनगणना कार्य निदेशालय रांची से संयुक्त निदेशक पर्णलेखा दासगुप्ता, दिलीप कुमार एवं प्रतीक सिंह, वार्ड नम्बर 4 एवं 5 में कार्यरत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा एचएलओ एप से किए जा रहे कार्य का निरीक्षण कर उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर चार्ज पदाधिकारी चंदन कुमार, प्रगणक एवं पर्यवेक्षक भी मौजूद थे।

बोकारो हवाई अड्डा चालू करने की मांग पर नागरिक मंच का प्रदर्शन

बोकारो, संवाददाता

बोकारो हवाई अड्डा अविलंब चालू करने की मांग को लेकर नागरिक अधिकार मंच ने रविवार को हवाईअड्डा मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अगुवाई मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा मुकुल ने की। उन्होंने कहा कि हवाईअड्डे का 85% कार्य पाँच वर्ष पहले पूरा हो चुका था, जबकि शेष 15% कार्य जानबूझकर लंबित रखा गया है। मुकुल ने आरोप लगाया कि पाँच सालों में दो एंबुलेंस तक नहीं खरीदी गईं, आग बुझाने वाली दो गाड़ियों की जगह केवल एक लाई गई, और सतनपुर पहाड़ी पर प्रकाश व्यवस्था अब तक नहीं लगी। हवाईअड्डा परिसर के पास झोपड़पट्टियों को हटाने के बाद भी दोबारा बसने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीसी अजय नाथ झा प्रयासरत हैं, पर अन्य एजेंसियों का सहयोग नहीं मिल रहा। डीसी द्वारा 15 दिसंबर तक कार्य पूर्ण करने के आश्वासन पर मंच ने 1 जनवरी 2026 तक का समय दिया है। मंच ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय तक कार्य पूरा नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। प्रदर्शन में कई पदाधिकारी और समाजसेवी शामिल रहे।

टेल्को में ट्रैफिक चेकिंग के दौरान कार ने मारी बाइक को टक्कर, लोगों ने किया हंगामा

जमशेदपुर : टेल्को थाना अंतर्गत स्टेडियम के पास रविवार की सुबह ट्रैफिक चेकिंग के दौरान एक कार चालक बिना सीट बेल्ट लगाए सड़क से गुजर रहा था। यह देखकर ट्रैफिक पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया। तभी चालक ने अचानक ब्रेक लगाकर किनारे होते हुए पास से गुजर रही एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसपर स्थानीय लोगों ने इकट्ठा होकर घटना पर नाराजगी भी व्यक्त की। मौके पर आक्रोशित लोगों ने चेकिंग कर रहे एक ट्रैफिक कर्मी को घेरकर कुछ देर के लिए बंधक भी बना लिया। जबकि घंटों हंगामा भी होता रहा। जिसकी सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। साथ ही घायल बाइक सवार को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां वह इलाजरत है।

आजाद नगर में चोरों ने 4 लाख के गहनों पर किया हाथ साफ, पुलिस जांच में जुटी

जमशेदपुर : आजाद नगर थाना अंतर्गत मानगो बागान शाही रोड नंबर 7 क्रॉस रोड नंबर 3 निवासी वकार अनवर के घर में देर रात्रि अज्ञात द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। इस दौरान चोरों ने घर में रखे लगभग 4 लाख रुपए के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। वहीं घटना की जानकारी परिजनों को रविवार की सुबह मिली। जिसके बाद इसकी जानकारी संबंधित थाने को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच भी की। परिजनों के मुताबिक घर में सभी लोग मौजूद थे। सुबह उठने पर देखा कि मेन गेट का ताला खुला हुआ है। चाबी डाइनिंग टेबल पर पड़ी थी और अलमारी का सामान बिखरा हुआ था। साथ ही अलमारी से सोने का नेकलेस, दो सोने के ईयररिंग्स और एक सोने की अंगूठी भी गायब थी। जबकि गहनों का डिब्बा घर के आंगन में पड़ा हुआ मिला। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

गोमिया के स्वांग में संदिग्ध हालात में महिला की मौत, ससुराल पर हत्या का आरोप

बोकारो, संवाददाता

गोमिया थाना क्षेत्र के स्वांग में शनिवार रात 25 वर्षीय प्रियंका कुमारी उर्फ चांदनी कुमारी का शव संदिग्ध स्थिति में बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की मां कौशल्या देवी ने प्रियंका के पति, सास-ससुर सहित अन्य पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से न्याय की मांग की है। कौशल्या देवी के अनुसार करीब पांचझ्छह वर्ष पूर्व प्रियंका की शादी स्वांग न्यू माइनस निवासी प्रेम-प्रकाश नोनिया से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा रुपये की मांग और प्रताड़ना जारी थी, जो बेटी के जन्म के बाद और बढ़ गई। 21 नवंबर की रात ससुराल से फोन आने पर वे जब पहुँचीं, तो प्रियंका का शव बरामदे में चौकी पर पड़ा मिला और कमरे में पंखे से दुपट्टा लटका हुआ था, जिससे अनहोनी की आशंका गहराई। सूचना पर थाना प्रभारी रवि कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और चिंता व्याप्त है।

शिक्षा, संस्कृति और एकजुटता इन्हीं तीन स्तंभों पर मजबूत होगा हमारा समाज : संजीव सरदार

विधायक ने भूमिज समाज के साथ बैठक कर ऐतिहासिक विजय के लिए व्यक्त किया आभार

जमशेदपुर, संवाददाता

पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार ने अपने वादे के अनुरूप रविवार घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के भूमिज समाज के सम्मानित सदस्यों के साथ विभूति बिहार होटल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। जिसमें झामुमो विधायक सोमेश चंद्र सोरेन को घाटशिला उपचुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत पर समाज द्वारा दिए गए दृढ़ समर्थन, सहयोग और सक्रिय भूमिका के लिए उन्होंने हृदय से आभार भी व्यक्त किया।

बैठक के दौरान समाज को शैक्षणिक रूप से मजबूत करने के लिए ठोस पहल पर चर्चा भी हुई। साथ ही जाहेरथान, हड़शाली की घेराबंदी, भूमिज समाज को संस्थागत रूप से मजबूत बनाने तथा शहीद पार्क के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विधायक संजीव सरदार ने कहा कि समाज की समस्याओं और विकास से जुड़ी हर आवश्यकता को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार और संगठन मिलकर भूमिज समाज के समग्र विकास की दिशा में लगातार कार्यरत हैं। मौके पर समाज के झंटू सिंह, रघु सरदार, शंभु सिंह, बलराम सिंह, रविन्द्र नाथ सिंह, सुनील सरदार, शुभांकर सिंह, ठाकुर दास सिंह, तुषार कांति सरदार, शिव शंकर सरदार, सोमनाथ सरदार, रवि सिंह, मनबोध सिंह समेत सैकड़ों लोग भी मौजूद थे।

कांग्रेस नेता पर फायरिंग का आरोपी अपराधी सन्नी हथियार के साथ गिरफ्तार

शनिवार ही जमानत पर जेल से आया था बाहर, पुलिस कर रही पूछताछ

जमशेदपुर, संवाददाता

जुगसलाई थाने की पुलिस ने देर रात्रि जेल से छूटे अपराधी सन्नी सरदार को गिरफ्तार किया। साथ ही उसके पास से अवैध हथियार भी बरामद किया। मामले में बताया जा रहा है कि शनिवार की रात्रि लगभग 8 बजे सन्नी सरदार अपने दो साथियों के साथ आरपी पटेल स्कूल मैदान में पहुंचा। जहां उनके द्वारा दो राउंड हवाई फायरिंग भी की गई। घटना के समय वहां कई बच्चे खेल रहे थे। इस दौरान गोली की आवाज सुनकर वे दहशत में आकर भागने लगे। जिसके बाद सन्नी सरदार के साथी वहां से खोखा चुनकर फरार हो गए। वहीं उन्होंने दहशत फैलाने के उद्देश्य से स्थानीय लोगों को धमकाया भी। मगर तब तक पुलिस को मामले की सूचना मिल चुकी थी। जिसपर पुलिस ने अपराधी सन्नी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जबकि सूत्रों के मुताबिक देर रात्रि लगभग 1 बजे सन्नी सरदार जुगसलाई छपरैया मोहल्ला में घेरा गया। जहां से भागने के दौरान जुगसलाई घोड़ा चौक में पुलिस ने उसे पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी सन्नी सरदार छपरैया मोहल्ला का रहने वाला है। बताते चलें कि शनिवार की दोपहर ही सन्नी जमानत पर जेल से बाहर आया था। उसपर कुछ माह पूर्व जुगसलाई के कांग्रेस पार्टी के नेता अभिजीत पर फायरिंग करने का मामला भी दर्ज किया गया था। इस मामले में वह जेल भी गया था और शनिवार ही बाहर आया। फिलहाल पुलिस थाने में उससे पूछताछ कर रही है।

खीस्त राजा पर्व जुबली 2025 की प्रमंडलीय शोभा यात्रा चंदवा में संपन्न

आज हमने देश में सेवा, प्यार, शांति और सद्भावना लाने के लिए प्रभु यीशु से प्रार्थना की : डाल्टनगंज विसफ थेदोर मसक्रहंस

लातेहार, संवाददाता

खीस्त राजा पर्व जुबली 2025 का कैथोलिक ईसाइयों का प्रमंडलीय प्रार्थना सभा और शोभा यात्रा रविवार को धूमधाम से सम्पन्न हुआ , हजारों की संख्या में पूरे पलामू प्रमंडल के कैथोलिक धर्मावलंबियों ने चंदवा शहर में सभ्य और शांतिपूर्ण तरीके से विशाल शोभा यात्रा निकाली ,यह शोभा यात्रा मिशन स्कूल से प्रारंभ होकर इंदिरा चौक होते हुए मुख्य बाजार से बुध बाजार होते हुए हाई स्कूल होते हुए वापस खीस्त राजा मिशन स्कूल लौटी , शोभा यात्रा में महिलाएं पुरुष और बच्चे नए और रंग बिरंगे परिधान में थे और राजा यीशु की जय बोलो के नारे लगा रहे थे,

प्रार्थना स्थल मिशन स्कूल में कैथोलिक धर्मप्रान्त डाल्टनगंज के धर्मगुरु थेदोर मसक्रहंस ने दूर दूर से आए धर्मप्रेमियों को प्रभु यीशु का शांति , सेवा और सद्भाव के लिए प्रार्थना कर कई संदेश दिए ,प्रार्थना में देश और देश चलाने वालों के भी प्रार्थना किए कि सब खुश और स्वस्थ रहें, कार्यक्रम स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया ,जिसमें कई कलाकारों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए , अंत में चंदवा कैथोलिक आश्रम के पल्ली पुरोहित फेबियानूस सिनुरिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया ,कार्यक्रम में लोगों के मदद और सेवा के लिए लोगो को धन्यवाद दिया।

हेमंत सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचाना संगठन का लक्ष्य : मंटू यादव

बोकारो, संवाददाता

झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो महानगर की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सेक्टर-9 मधुडीह स्थित कार्यालय में महानगर अध्यक्ष मंटू यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी संभावित एसआइआर प्रक्रिया पर विशेष रणनीति तैयार की गई। मंटू यादव ने कहा कि एसआइआर में किसी भी पात्र कार्यकर्ता का नाम नहीं छूटना चाहिए, इसे संगठनात्मक मजबूती का पैमाना माना जाएगा। उन्होंने बूथ स्तर पर इछअ-2 की नियुक्ति को भी आवश्यक बताते हुए कहा कि सक्षम और सक्रिय एजेंट ही जमीनी संगठन को मजबूत बना सकते हैं। साथ ही ह्वआपकी योजनाझआपकी सरकार आपके द्वारह्व कार्यक्रम की प्रगति पर चर्चा करते हुए मंटू यादव ने निर्देश दिया कि पंचायतों में जनता की समस्याओं को संकलित कर उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाए। बोकारो स्टील प्लांट के ठेका मजदूरों के शोषण, असुरक्षा और मजदूरी विसंगतियों पर चिंता जताते हुए उन्होंने मजदूरों की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन मिथुन मंडल ने किया।

लबगा में आपकी योजना आपकी सरकर आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ा लोगों का हुजूम

बोकारो, संवाददाता

पतरातु प्रखंड के लबगा पंचायत सचिवालय परिसर में रविवार को झारखंड सरकार के महत्वाकांक्षी योजना आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन पतरातु प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज गुप्ता ,ज़िला पार्षद सदस्य राजाराम प्रजापति एवं मुखिया किरण यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने कहा कि सरकारी योजना का लाभ सीधे जनता को मिले इसके लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इससे जनता और सरकार के अधिकारी के बीच में सामंजस्य स्थापित होगा। वहीं मुखिया किरण यादव ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से जनता अपनी समस्याएं सीधे अधिकारी के पास रख सकेंगे और अधिकारी उनका त्वरित निदान करेंगे। अफसरों ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान अबुआ आवास,मनरेगा, खाद्य आपूर्ति, मईया सम्मान योजना, पेंशन, कृषि ऋण, बिजली विभाग, स्वास्थ्य विभाग समेत कई विभागों के स्टॉल लगाये गये. शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न स्टॉलों में 500 आवेदन दिये.जिनमें बहुत सारे आवेदनों का त्वरित निष्पादन भी किया गया। ग्रामीणों ने भी सभी सरकारी योजनाओं का बढ़ चढ़ कर लाभ लिया। विशेष कर अबुआ आवास एवं मईया सम्मान योजना का लाभ लेने को लेकर लोगों में गजब का उत्साह देखा गया। इस तरह के आयोजन के लिए लोगों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर पूर्व उप मुखिया लालू महतो वार्ड सदस्य कृष्ण कुमार रवि उपेन्द्र सिंह खरवार सुरेश गोप आशीष कुमार दीपक कुमार के साथ साथ सैकड़ों ग्रामीण एवं प्रखंड स्तर के सभी अधिकारी और कर्मी शिविर में उपस्थित रहें।

हॉन्ग कोंग इंटरनेशनल क्लासिक 2025 में रेशमा कुमारी ने जीता कांस्य

बोकारो, संवाददाता

हांगकांग में 15 से 23 नवंबर 2025 तक आयोजित प्रतिष्ठित हॉन्ग कोंग इंटरनेशनल क्लासिक लॉन बॉल चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं झारखंड की उभरती लॉन बॉल खिलाड़ी रेशमा कुमारी ने महिला पेयर्स वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल भारत और झारखंड, बल्कि बोकारो जिले का मान भी बढ़ाया है। बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा ने रेशमा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी लगन, प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है। उन्होंने आशा जताई कि रेशमा आगे भी देश का गौरव बढ़ाती रहेंगी। जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन ने भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रेशमा की सफलता जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है और इससे लॉन बॉल खेल को नई दिशा मिलेगी। रेशमा कुमारी की यह उपलब्धि झारखंड के लिए गर्व का क्षण है और आने वाले वर्षों में उनसे और बड़ी सफलताओं की उम्मीद की जाती है।

किसानों के लिए खुशखबरी!

81.53 करोड़ की लागत से जल्द तैयार होगा गुडवाल बांध, जारी हुआ टेंडर

शंभुगंज (बांका)। प्रखंड के गुलनी और वैदपुर पंचायत के मध्य सिलौटा मौजा स्थित ऐतिहासिक गुडवाल बांध निर्माण को लेकर निविदा निकल गई है। स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने राज्य सरकार के अंतिम कैबिनेट की बैठक में इसकी स्वीकृति दिलाई है। इसके लिए 81.53 करोड़ की राशि आवंटित होने पर इसके निर्माण की निविदा निकल गई है। डेढ़ साल में निर्माण कार्य पूरा होगा। किसान लालबिहारी सिंह ने कहा कि सौ वर्ष बाद स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री जयंत राज कुशवाहा के द्वारा गुडवाल बांध को संजीवनी मिली है। कार्यपालक अभियंता, सिंचाई विभाग बिजीखोरवा के तहत इसका संचालन होगा। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही 18 माह के भीतर बांध निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। किसानों ने कहा कि कहा कि लगभग सौ वर्षों बाद गुडवाल बांध का यह सबसे बड़ा पुनर्निर्माण होगा। यह बांध अंग्रेजी शासनकाल में बदुआ नदी के पानी को संग्रह कर सिंचाई के लिए सन 1926 में बनाया गया था। पर समय के साथ बदुआ नदी की तेज धारा और बाद में अवैध बालू खनन ने बांध को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। पिछले कई दशकों से बांध जर्जर स्थिति में पड़ा था, जिसके कारण क्षेत्र में खेती लगभग चौपट हो गई थी। बांध के बनने से बांका जिले के साथ-साथ मुंगेर और भागलपुर के किसानों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। प्रभाकर सिंह, चंदन शर्मा और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि बांध बन जाने से करीब ढाई हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे खेती फिर से पटरी पर लौटेगी और कृषि आधारित आजीविका को नई मजबूती मिलेगी। किसानों ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए विधायक जयंत राज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय पूरे क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। गुडवाल बांध किसानों की लंबी मांगें थी। जिसे पूरा कर दिया गया है। इसके बनने से हजारों एकड़ जमीन की सिंचाई होगी। वे हमेशा क्षेत्र की समस्या को दूर करते रहे हैं। आगे भी अमरपुर सहित पूरे प्रदेश के लिए काम करते रहेंगे। कैबिनेट की बैठक में स्वयं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अनुरोध कर इसकी स्वीकृति दिलाई थी। उन्होंने जो अमरपुर व शंभुगंज प्रखंड की जनता से वादा किया है उसे सदा पूरा किया जाएगा। इसके पहले सड़कों से लेकर नदी,तालाबों व नहरों का जाल बिछाया गया है। -जयंत राज कुशवाहा, नवनिर्वाचित विधायक सह पूर्व मंत्री

भागलपुर शहर के नजदीक बहेगी गंगा

भागलपुर। शहर से रूठ चुकी गंगा की धारा एक बार फिर शहर के नजदीक से बहेगी। पुरानी धारा को पुनर्जीवित करने के लिए भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने अजमेरीपुर दियारा के समीप ड्रेजिंग (इनलैंड वाटर सर्वे) का कार्य शुरू कर दिया है। यह सर्वे गंगा के रुख को शहर की ओर मोड़ने दिशा में बड़ी पहल मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, वहां करीब 30 वर्षों से धारा निष्क्रिय पड़ी थी। जिसके कारण गंगा शहर से दूर चली गई थी। इनलैंड वाटर वेज अथारिटी आफ इंडिया (आइडब्ल्यूएआइ) की तकनीकी टीम इस पुराने मार्ग से गाद हटाने के लिए लगभग 100 मीटर की ड्रेजिंग करेगी।अधिकारियों ने बताया कि ड्रेजिंग पूरी होते ही गंगा का प्रवाह फिर से सक्रिय धारा की ओर बढ़ेगा और पानी माणिक सरकार घाट के समीप शहर के पास प्रवेश कर जाएगा। इससे शहर के नजदीक गंगा का बहाव सालों भर होता रहेगा। इस परियोजना से बूढ़ानाथ रिवर फ्रंट और बरारी रिवर फ्रंट को भी नया जीवन मिलेगा। गंगा की धारा नजदीक आने से इन दोनों क्षेत्रों में स्वच्छ जल उपलब्ध होगा और लोग पूरे वर्ष स्नान व प्राकृतिक हवाओं का आनंद ले सकेंगे। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि गंगा के नगर के करीब आने से शहर को भू-जल समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। क्षेत्र का जलस्तर बढ़ेगा, हैंडपंप एवं बोरिंग की समस्याएं कम होंगी। इसी के साथ गंगा का बैकवाटर चंपा नदी तक भी पहुंचेगा, जिससे नदी में सालों भर पानी रहने की संभावना बढ़ जाएगी। दरअसल, जिलाधिकारी ने आइडब्ल्यूएआइ को गंगा को शहर के नजदीक लाने के लिए अजमेरीपुर दियारा के पास स्थित पुरानी धारा को फिर से सक्रिय करने का सुझाव दिया था। उनके सुझाव पर ही इनलैंड वाटर सर्वे का काम शुरू किया गया है।

बिहार में ठंड के साथ बढ़ा सांसों पर संकट

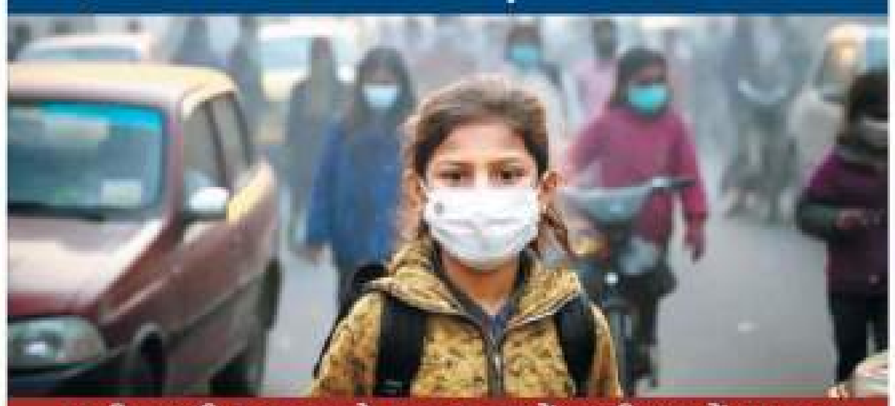

हाजीपुर की हवा सबसे खराब, जानें बाकी शहरों का हाल

पटना। प्रदेश में धीरे-धीरे ठंड बढ़ने के साथ हवा भी प्रदूषित हो रही है। दूसरे दिन भी शनिवार को हाजीपुर की हवा प्रदेश में सबसे प्रदूषित रही। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक एक्यूआइ 179 दर्ज किया गया। वहीं, पटना का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 दर्ज किया गया। राजधानी सहित 18 जिलों की हवा प्रदूषित रही। इसमें 12 शहरों में मध्यम स्तर का प्रदूषण एवं छह शहरों का संतोषजनक रहा। राजधानी के समनपुरा इलाका भी खराब श्रेणी में रहा। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक शाम सात बजे के बाद 281 पहुंच गया।पटना के दानापुर में एक्यूआइ 136, पटना सिटी का 100, तारामंडल के पास 132, गांधी मैदान इलाके में 160 और राजवंशी नगर में 123 दर्ज किया। पटना सिटी की हवा संतोषजनक रहा। संतोष जनक श्रेणी में कटिहार का 96, छपरा का 67, बेतिया का 90, भागलपुर का 94, मोतिहारी का 84 एवं सहरसा का 83 एक्यूआइ दर्ज किया गया। हवा में धूलकणों की अधिकता बढ़ने की वजह से राजधानी के प्रमुख सड़कों पर नगर निगम की ओर से जल छिड़काव को बढ़ा दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि पटना सहित राज्य के अधिकतर जिलों में हवा की गति कम होने से प्रदूषण की सघनता बढ़ती है। मौसम विज्ञानी के के अनुसार, मानसून से पहले की अवधि में वातावरण में सबसे कम प्रदूषण रहता है, जबकि मानसून के बाद वातावरण में धूल कण की मात्रा बढ़ने लगती है। सर्द के दिनों में पटना सहित कई जिलों की हवा की गुणवत्ता खराब होने लगती है।

छपरा में हुआ दर्दनाक हादसा

छपरा। जिले के एकमा थाना क्षेत्र के परसा पूर्वी पंचायत अंतर्गत धनौती गांव में शनिवार देर शाम बड़ा हादसा हो गया। गांव स्थित एक निजी मछली पालन वाले पोखरे में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में कोहराम मच गया है और हर किसी की आंखें नम हैं। बताया जाता है कि तीनों बच्चे तालाब किनारे मछली देखने, खेलने या नहाने गए होंगे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने से उनकी जान चली गई। स्थानीय ग्रामीणों और परिजनों ने उन्हें तत्काल एकमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ इरफान अहमद ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

संक्षिप्त डायरी

वीडियो कॉल पर थी गर्लफ्रेंड, लड़के ने खुद को किया शूट

पटना। शादी से इनकार करने पर एक लड़के ने खुद को शूट कर लिया। पीएमसीएच में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मामला धनरुआ थाना क्षेत्र के चक्रमासी गांव का है। मृतक की पहचान हरेंद्र (17) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार,हरेंद्र एक लड़की से अक्सर फोन पर बात करता था। डेढ़ साल से दोनों का अफेयर था। शुक्रवार की रात वो अपनी गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। इसी दौरान दोनों में शादी को लेकर बहस हुई, जिसके बाद प्रेमिका ने उससे शादी करने से मना कर दिया। इस बात से हरेंद्र काफी नाराज हो गया। गुस्से में आकर वीडियो कॉल पर रहते हुए उसने कट्टे से खुद को गोली मार ली। बुलेट उसकी छाती में लगी। गोली की आवाज सुनकर परिजन उसे तुरंत नजदीक के हॉस्पिटल ले गए। जहां से पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने हरेंद्र के घर से कट्टा और खोखा बरामद किया है। हरेंद्र के पिता परमानंद प्रसाद की मौत 8 साल पहले हो गई है। 6 भाई बहन में हरेंद्र ही खेती करके परिवार चलाता था। हरेंद्र के सुसाइड के बाद मां और बहन की तबीयत खराब हो गई। दोनों का अस्पताल का इलाज चल रहा है। छोटा भाई मंटू कुमार पढ़ता है। चार बहनें हैं, जिनमें दो की शादी हो गई है। परिवार सुसाइड और प्रेम-प्रसंग से इनकार कर रहा है। पुलिस को दिए आवेदन में बहन डिंपल ने कहा, भाई को रास्ते में कट्टा मिला था। जिसे वो उठाकर घर ले आया। रात में छत पर गया और हथियार खोलने की कोशिश की। इसी दौरान फायरिंग हो गई। गोली भाई के सीने के दाहिने साइड लगी और चीरते हुए बाहर निकल गई। इलाज के दौरान उसकी जान चली गई।

नीतीश सरकार ने किया बड़ा एलान, राजधानी पटना में बनेगा यूनानी मेडिकल कॉलेज

पटना। प्रदेश में नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने यूनानी चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा एलान किया है। राजधानी पटना में एक नया मेडिकल कॉलेज का निर्माण करने की योजना बनाई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में यूनानी दवाइयों की बढ़ती मांग को देखते हुए पटना में नया मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का निर्माण किया जायेगा। ताकि मरीजों को इलाज कराने के लिए प्रदेश के बाहर नहीं जाना पड़े। जानकारी के लिए बता दें कि राजधानी पटना में पहले से यूनानी मेडिकल कॉलेज का संचालन किया जा रहा है। जिसका नाम तिब्बी मेडिकल कॉलेज रखा गया है। फिलहाल तिब्बी मेडिकल कॉलेज में बीयूएमएस व अन्य यूनानी मेडिकल कोर्स की पढ़ाई की जा रही है। इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य पूरा करने के लिए दो साल का अल्टीमेटम दिया गया है। वहीं कॉलेज में अत्याधिक तकनीक से लैस बनाया जायेगा। ताकि यूनानी चिकित्सकों की ट्रेनिंग में बेहतर तरीके से हो सकें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहारवासियों के स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रदेश के 38 जिलों में अस्पताल व मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। वहीं प्रदेश में सुचारू रूप से संचालित आयुर्वेदिक कॉलेज में भी हर तरह की सुविधा बढ़ायी गयी है।

'यह मेरी नहीं, औराई की जनता की जीत है': मंत्री रमा देवी

पटना। बिहार सरकार में मंत्री बनने के बाद औराई से बीजेपी विधायक रामा निषाद पहली बार मुजफ्फरपुर स्थित अपने आवास पर पहुंचीं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। मंत्री रामा निषाद ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए अपनी जीत को औराई की जनता की जीत बताया। मंत्री निषाद ने कहा कि उन्हें पूरे बिहार में महिलाओं में सबसे अधिक मतों से जीतने का सौभाग्य मिला है, जिसका पूरा श्रेय औराई की जनता को जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा, "यह मेरी नहीं, बल्कि औराई की जनता की जीत है, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और एनडीए की जीत को बरकरार रखा।" उन्होंने मुजफ्फरपुर जिले के राजनीतिक इतिहास में पहली महिला मंत्री बनकर एक नया अध्याय जोड़ा है। क्षेत्र की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का वादा करते हुए मंत्री रामा निषाद ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, "सबसे पहले एक-दूसरे गांव को जोड़ने वाले पुल-पुलिया का निर्माण करूंगी, साथ ही मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान रहेगा।" उन्होंने यह भी बताया कि बाढ़ग्रस्त इलाके में मजबूत सड़क और पुलों की सुविधा प्रदान करना उनकी मुख्य एजेंडा में शामिल है, ताकि आवागमन सुगम हो सके। जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने विकास की नई इबारत लिखने का वादा किया। मुजफ्फरपुर की जनता को उम्मीद है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री कैप्टन जयनारायण निषाद की बहू होने के नाते, वह क्षेत्र के विकास में नई ऊर्जा लाएंगी।

24 लाख खर्च कर भी हार गए सुमित, मात्र 7 लाख में सावित्री बन गई विधायक

जमुई। बिहार विधानसभा चुनाव में कई ऐसे उम्मीदवार थे, जिन्हें प्रचार-प्रसार पर किए गए खर्च के अनुरूप वोट नहीं मिले। ऐसे ही प्रत्याशियों में चकाई से जदयू के सुमित कुमार सिंह, निर्दलीय संजय प्रसाद और चंदन कुमार सिंह, सिकंदरा से जन सुराज के सुभाष चंद्र बोस, राजद के उदय नारायण चौधरी, जमुई से निर्दलीय अमरेंद्र कुमार अत्री और जन सुराज के अनिल प्रसाद साह के अलावा झाझा से आजाद समाज दल के मु. इरफान तथा जन सुराज पार्टी के डॉ. निलेंदु दत्त मिश्रा का नाम शामिल हैं। ये आंकड़े प्रचार-प्रसार समाप्त होने से एक दिन पहले यानी 8 अक्टूबर तक के हैं, जो व्यय कोषांग को प्रत्याशियों या फिर उनके अभिकर्ताओं द्वारा दिए गए हैं। प्रत्याशियों के खर्चे में आखिरी दिन के प्रचार के अलावा मतदान और मतगणना के दिन खर्च की गई राशि का विवरण जुड़ने के बाद खर्च का ग्राफ और ऊपर जाएगा।बहरहाल, आंकड़ों के मुताबिक प्रचार-प्रसार पर जमुई जिले में चकाई से जदयू प्रत्याशी सुमित कुमार सिंह ने सर्वाधिक 23.75 लाख रुपये खर्च किए, बावजूद मतों की गिनती में पीछे रह गए। इसके विपरीत सावित्री देवी मात्र एक तिहाई 7.51 लाख रुपये खर्च कर विधानसभा पहुंच गईं। चकाई में ही निर्दलीय संजय प्रसाद ने भी 17.18 तथा चंदन कुमार सिंह ने 8.87 लाख रुपये पानी की तरह बहाया, जो विजयी सावित्री देवी के खर्चे से दोगुना और ज्यादा है। सिकंदरा विधानसभा क्षेत्र में भी कुछ वैसी ही स्थिति है। वहां 12.29 लाख रुपये खर्च कर हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रफुल्ल कुमार मांझी विधायक चुन लिए गए। इसके विपरीत 13.45 लाख में जन सुराज पार्टी के सुभाष चंद्र बोस अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। यहीं कांग्रेस उम्मीदवार विनोद चौधरी ने चुनाव प्रचार पर 11.49 लाख फूंक डाले और 1801 मत पर सिमट गए। शायद यह देश भर में कांग्रेसी प्रत्याशियों को मिले मतों में सबसे कम होगा। उक्त विधानसभा क्षेत्र में ही निकटतम प्रतिद्वंदी उदय नारायण चौधरी ने 13.41 लाख रुपये प्रचार-प्रसार पर खर्च किया है। जमुई विधानसभा क्षेत्र में श्रेयसी सिंह 21.94 लाख रुपये खर्च कर चुनाव जीतने में कामयाब रहीं। वहां उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राष्ट्रीय जनता दल के शमशाद आलम ने भी 18.60 लाख रुपये खर्च किए। इसी विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय अमरेंद्र कुमार अत्री ने 11.54 लाख तथा जन सुराज के अनिल प्रसाद साह ने 10.95 लाख रुपये प्रचार-प्रसार में उड़ा दिया।

झाझा विधानसभा क्षेत्र में प्रचार-प्रसार पर खर्च के अनुरूप ही मतदाताओं ने प्रत्याशियों के खाते में वोट भी दिया है। यहां विजेता जदयू के दामोदर रावत ने 21.68 लाख रुपये तथा उनके निकटतम प्रतिद्वंदी राष्ट्रीय जनता दल के जयप्रकाश नारायण यादव का 19.60 लाख रुपये खर्च हुआ है। आजाद समाज दल के मु. इरफान ने 14.87 तथा जन सुराज के निलेंदु दत्त मिश्रा ने 12.25 लाख रुपये खर्च किया। हालांकि, यह सभी चुनाव आयोग को दिए गए आंकड़े हैं। धरातल पर यह खर्च कई गुना अधिक है।

एक छपकी ने ली तीन लोगों की जान

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो

दरभंगा। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के दिल्ली मोड़ के पास रविवार की सुबह करीब पांच बजे ओवरब्रिज पर डिवाइडर से तेज रफ्तार स्कार्पियो टकरा गई। मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हाईवे गश्ती दल से शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेजा है। वहीं घायलों को दिल्ली मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक एवं घायल सभी मधेपुरा जिले के निवासी हैं। हादसे के पीछे चालक को झपकी आना कारण बताया जा रहा है। मृतकों में शंकरपुर थाना के अरहाहा का चालक चंदन कुमार (26), झकहा के निर्मल कुमार यादव (28) एवं महेशुआ के उमेश यादव (55) शामिल हैं। जबकि घायलों में शंकरपुर थाना क्षेत्र के रायभी निवासी प्रमोद यादव का पुत्र गुड्डू कुमार (20), पत्नी विभा देवी (46), जय कुमार यादव का पुत्र सुधीर कुमार (25) एवं अभिमन्यु कुमार यादव (28) शामिल हैं।जानकारी के अनुसार, रायभी गांव निवासी प्रमोद यादव के पुत्र गुड्डू यादव को पटना में चिकित्सक से दिखाकर चालक समेत सात लोग स्कॉर्पियो संख्या बीआर 43एसी 2129 से घर लौट रहे थे। दिल्ली मोड़ ओवरब्रिज के पास पहुंचने पर चालक को झपकी आ गई। तेज रफ्तार स्कार्पियो पहले डिवाइडर से टकराई। फिर ओवरब्रिज के मध्य रेलिंग से टकराकर दूसरी ओर के रेलिंग से टकराकर रुक गई। दिल्ली मोड़ से गुजर रहे बाइक चालक ने हादसे की सूचना हाईवे गश्ती दल को दी। गश्ती दल ने स्कॉर्पियो में दबे सभी लोगों को बाहर निकाला, जिसमें तीन की मौत हो चुकी थी। मृतक निर्मल यादव घायल गुड्डू को मामा है। जबकि उमेश यादव मौसा है। उमेश यादव पेशे से अमीन थे।

छपरा-मुजफ्फरपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, पिकअप की टक्कर से ऑटो चालक समेत दो की मौत

गड़खा (सारण)। गड़खा थाना क्षेत्र के जासोसती के पास रविवार की सुबह छपराझमुजफ्फरपुर एनएच-722 पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में आटो चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार पिकअप वैन द्वारा आटो में सीधी टक्कर मारने से यह घटना घटी। स्थानीय लोगों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि आटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी लोग सड़क पर इधर-उधर गिर पड़े। मृतकों की पहचान आरा जिले के काजी टोला निवासी 27 वर्षीय बिष्णु कुमार (ऑटो चालक) और भेल्दी थाना क्षेत्र के जोगनी परसा गांव निवासी 28 वर्षीय मकसूद अंसारी के रूप में की गई है। दोनों की हालत टक्कर के बाद इतनी गंभीर थी कि उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने सदर अस्पताल पहुंचने पर दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में गड़खा बाजार निवासी चंदन कुमार और कृष्णा कुमार गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों को पहले स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल भेजा गया, जिसके बाद बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।सूत्रों के अनुसार सभी लोग छपरा भगवान बाजार से ऑटो रिजर्व कर गड़खा की ओर लौट रहे थे। जैसे ही वाहन जासोसती के पास पहुंचा, सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप वैन ने नियंत्रण खोते हुए ऑटो को सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़ने के बजाय उसे लेकर मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घटना की जानकारी मिलते ही गड़खा पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त आटो को जब्त कर लिया है। वहीं, फरार पिकअप वाहन की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है, ताकि वाहन और चालक का पता लगाया जा सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से नियमित गश्ती और गति पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही पिकअप वैन और उसके चालक को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

लखनऊ में भागवत बोले: धर्म के लिए लड़ना होगा

योगी बोले: आरएसएस सामाजिक समर्थन से चलता है, विदेशी फंडिंग से नहीं

लखनऊ। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी ने रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में मंच साझा किया। मोहन भागवत ने कहा- हमारा भारत पूरी दुनिया का विश्वगुरु था। दुनिया के लिए एक बड़ा सहारा था। कभी चक्रवर्ती सम्राट भी होते थे। हजारों साल तक आक्रमणकारियों के पैरों तले रौंदा गया। हमें गुलामी में जीना पड़ा। उन्होंने कहा- धार्मिक स्थलों को नष्ट किया गया। जबरदस्ती धर्मांतरण हुए, लेकिन तब भी भारत था। वह वैभव के दिन नहीं रहे, लेकिन आक्रमण के दिन भी चले गए। अब हम राममंदिर पर झंडा फहराने वाले हैं। हमें धर्म रक्षा के लिए लड़ना है। विश्व में शांति की स्थापना गीता के माध्यम से ही की जा सकती है। सीएम योगी ने कहा- विदेशी नेता और डिप्लोमेट अक्सर पूछते हैं कि संघ कैसे काम करता है। मैं उन्हें बताता हूं कि फ्र सामाजिक सहयोग से चलने वाला संगठन है। यह विदेशी फंडिंग से नहीं चलता। उन्होंने कहा- अपने धर्म में मरना अच्छा है। हमें लालच में दूसरा धर्म नहीं अपनाना चाहिए। यह महापाप है। हमने भारत की पूरी धरती को धर्मक्षेत्र माना। इसलिए युद्ध का मैदान भी हमारे लिए धर्मक्षेत्र है, क्योंकि धर्मक्षेत्र में जो युद्ध भी लड़ा जा रहा, वो अपने कर्तव्यों के लिए लड़ा जा रहा। संघ ने 100 साल में कोई सौदेबाजी नहीं की, लेकिन कुछ लोगों ने दुनिया और भारत में सेवा को सौदेबाजी का जरिया बनाया। इससे पहले मोहन भागवत और सीएम योगी ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मोहन भागवत और सीएम ने श्रीमद् भागवत गीता की भी पूजा की। ज्ञानानंद महाराज ने दोनों को गीता की एक-एक प्रति भेंट की। इसके बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् गाया गया। जनेश्वर मिश्र पार्क में पहली बार यह कार्यक्रम हो रहा है। इसे संत ज्ञानानंद की संस्था ह्यजीओ गीता परिवारह्न की तरफ से करवाया जा रहा है। संस्था का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति न सिर्फ गीता को पढ़े, बल्कि उसे समझे और जीवन में उतारे। मोहन भागवत ने राजा जनक की कहानी सुनाई। इसके जरिए बताया कि परिस्थितियां आती-जाती रहती हैं, लेकिन हम बने रहते हैं। RSS प्रमुख ने कहा- जैसे महाभारत में अर्जुन मोहग्रस्त हो गए थे, वैसे ही दुनिया आज हो गई है। अगर पुरुषार्थ मजबूत है, तो भाग्य भी साथ देता है। धर्म धारण करने वाला होना चाहिए। जब अर्जुन ने कहा कि मैं युद्ध करूंगा तो बहुत हानि होगी, सृष्टि का नुकसान होगा। इस पर श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम भाग रहे हो। सृष्टि किसने बनाई, किसको इसे समेटना है- वह कर रहा है। तुम केवल युद्ध करो। परेशानी से आंख मिलाकर रखो। कहीं दाएं-बाएं नहीं देखना है। हमें 700 श्लोकों के माध्यम से प्रतिदिन गीता का वाचन करना चाहिए। उनके माध्यम से जीवन में सीख लेंगे तो कल्याण हो जाएगा। आज दुनिया असमंजस की स्थिति में है, गीता के माध्यम से सही दिशा दी जा सकती है। अगर जीवन में शांति और संतोष नहीं होगा, तो समस्या होगी। भारत की परंपरा में धर्म के साथ शांति और सौहार्द की व्यवस्था है। ज्ञान प्राप्त करने का निचोड़ भगवद्गीता में है। अर्जुन के गंभीर प्रश्नों का उत्तर ही गीता है। हमें गीता पढ़ना चाहिए, समझना चाहिए और मनन करना चाहिए। गीता हमें समस्या से भागने के बजाय उसका सामना करने की प्रेरणा देती है। धर्म के आधार पर हमें सफलता अवश्य मिलती है। दुविधाओं से बाहर निकलकर राष्ट्र की सेवा करना ही हमारा परम कर्तव्य है। इसे गीता के माध्यम से जीवन में शामिल करना चाहिए। गीता के पथ पर चलकर ही भारत विश्वगुरु बन सकता है। धर्म की राह में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए भारत ने हमेशा त्याग और समर्पण किया है। फल की चिंता किए बगैर कर्म करना चाहिए। RSS को कोई ओपेक (OPEC) देश, इंटरनेशनल चर्च फंड नहीं देता, बल्कि संघ समाज के सहयोग से चल रहा है। भारत ने कभी भी नहीं कहा कि हमारी ही उपासना विधि सबसे अधिक श्रेष्ठ है। हमने सब कुछ होते हुए भी कभी भी अपनी श्रेष्ठता का डंका नहीं पीटा। सनातन धर्म की यही परंपरा रही है। हमारे सामने जो भी आया, उसकी मदद की। कोई परेशानी में रहा तो उसे छांव दी। यही हमारे धर्म की श्रेष्ठता है। श्रीमद् भगवद्गीता भारत की प्रेरणा है। भारत में धर्म जीने की व्यवस्था है। भागवत बोले- हमारा देश विश्व गुरु था। भारत में बाद में आक्रमण हुए, धर्मांतरण हुए, लेकिन आज भी भारत है। अब हम राम मंदिर पर झंडा फहराने वाले हैं। हमें अपनी चिंता ना करके धर्म की चिंता करनी है। लाभ, हानि यश-अपयश की चिंता छोड़कर देश और धर्म के लिए अपना कर्तव्य करते रहना है। भगवत गीता सदैव के लिए एक दीप है। गीता के अनुसार जीकर अपने जीवन में परिवर्तन लाना है। ज्ञानानंदजी समेत उनके सभी अभिनन्दन के पात्र हैं। गीता को जीने पर हम यशस्वी भी होंगे और सार्थक भी। भागवत ने कहा- जैसे अर्जुन मोहग्रस्त हुआ था, वैसे दुनिया आज हो गई है। दुनिया मोहग्रस्त, भयग्रस्त होकर बैठी है। कुछ सूझ नहीं रहा। भागवत ने कहा- अर्थ, काम की कोई कमी नहीं, उसके बावजूद धर्म का पालन करने वाला हजारों साल तक जीता है। युगों-युगों से धर्म-ग्रंथों से जो ज्ञान स्थिर हुआ है, उसका सार श्रीमद्भगवद्गीता है। मोहन भागवत ने कहा- अर्जुन आसानी से मोहग्रस्त होने वाला व्यक्ति नहीं था। ऐसा मजबूत व्यक्ति जब मोहग्रस्त हो गया तब गीता का उपदेश दिया गया। मोहन भागवत ने राजा जनक की कहानी सुनाई। इसके जरिए बताया कि परिस्थितियां आती-जाती रहती हैं, लेकिन हम बने रहते हैं। उन्होंने बताया- राजा जनक जंगल में भूखे-प्यासे भटक रहे होते हैं। उन्हें कहीं थोड़ा सा चावल मिलता है। उतना चावल भी एक चील आकर छुड़ा लेती है। इस पर राजा चिल्ला उठते हैं। इतने में ही राजा की नींद खुल जाती है। नौकर-चाकर भी जाग जाते हैं। वे सब पूछते हैं कि राजा साहब क्या हुआ? इस पर राजा बताते हैं कि ऐसा-ऐसा हुआ। मैंने उसे भी महसूस किया और जो अब है इसे भी महसूस कर रहा हूं। दोनों में सच क्या है? इसका जवाब कोई नहीं दे पा रहा था तो महर्षि याज्ञवल्क्य ने कहा- उस समय तक वह भी सच था, इस समय यह सच है।

पुरानी मतदाता सूची 2003 मे है नाम, फिर भी एप में दिक्कत, अपलोड करते समय आ रही परेशानी

अलीगढ़। जिले में एसआईआर के लिए कुल 3016 बीएलओ नियुक्त किए गए हैं, जिन्हें लगभग 27.94 लाख मतदाताओं का सत्यापन करना है। कोल विधानसभा क्षेत्र में कार्यरत 415 बीएलओ काम कर रहे हैं। अब तक एसआईआर कार्य की प्रगति केवल 7.53 प्रतिशत तक पहुंची है। जिला निर्वाचन अधिकारी (डीएम) संजीव रंजन ने शनिवार को तहसील कोल पहुंचकर पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की।डीएम ने बूथ संख्या 16 (बेगपुर) और बूथ संख्या 17 (महावीर पार्क) का निरीक्षण किया। बूथ संख्या 16 पर 350 और 17 पर 200 गणना प्रपत्र के फॉर्म बीएलओ द्वारा प्राप्त किए जा चुके हैं। एसडीएम कोल महिमा राजपूत ने फॉर्म 6, 7, 8 की प्राप्ति, निपटान, बीएलओ कार्य प्रगति और फील्ड वेरिफिकेशन के विषय में बताया। एक भी पात्र नागरिक का नाम छूटने न पाए और एक भी अपात्र नाम सूची में न रहे। निर्देश दिए गए हैं कि मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अपडेट करने के लिए गुणवत्तापूर्ण कार्य किया जाए। इसके लिए फील्ड वेरिफिकेशन और दैनिक मॉनिटरिंग पर हमारा जोर है। - संजीव रंजन, डीएम जिला प्रशासन ने साफ किया है कि मतदाता चार दिसंबर तक बीएलओ से प्राप्त हुए फॉर्म को भरकर बीएलओ को वापस कर दें। वापस करते समय किसी भी पहचान पत्र को जमा करने की जरूरत नहीं है। नौ दिसंबर 2025 मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। चार दिसंबर तक जिन मतदाताओं द्वारा फॉर्म जमा नहीं किया गया है, उनके साथ-साथ गैर हाजिर, विस्थापित, मृत मतदाताओं का ड्राफ्ट पब्लिकेशन नौ दिसंबर को होगा। इसके बाद निर्वाचक पंजीयन अधिकारी द्वारा नोटिस जारी किए जाएंगे। नोटिस के जवाब में मतदाता अपने जवाब के साथ-साथ भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा तय किए गए 13 पहचान पत्रों में से किसी एक को साक्ष्य के रूप में जमा कर सकते हैं। साक्ष्य की जांच बीएलओ द्वारा की जाएगी। इसके बाद ही मतदाता सूची में नाम शामिल करने या न करने का निर्णय लिया जाएगा।

एक साथ उठी तीन अर्थियां... रो पड़ा पूरा गांव, वैवाहिक कार्यक्रम से लौटते समय हादसे में हुई मौत

अमेठी। यूपी के अमेठी में महाराजपुर गांव रविवार सुबह अलग-अलग तीन घरों से एक साथ तीन अर्थियां उठीं। गांव में चारों तरफ परिजनों के रोने की आवाजें सुनकर सबकी आंखें नम हो गईं। लांस नायक उत्कर्ष सिंह का पार्थिव शरीर मानिकपुर घाट ले जाया गया। बृजेश उर्फ अंशू को शृंगवेरपुर घाट पर अंतिम विदाई मिली। वहीं बजरंग सिंह का संस्कार गांव के बाग में हुआ।बताते चलें कि शुक्रवार की रात पीपरपुर के हारीपुर में दोस्त हीरालाल के वैवाहिक कार्यक्रम से घर लौटते समय अमेठीझ्रसुल्तानपुर मार्ग पर थौरा के पास डीसीएम की टक्कर में बुलेट सवार तीनों युवकों की मौत हो गई। महाराजपुर गांव निवासी भारतीय सेना के लांस नायक उत्कर्ष सिंह (32), बजरंग सिंह (27) और बृजेश उर्फ अंशू (30) ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचे तो रातभर चीख-पुकार मची रही। रविवार सुबह जैसे ही तीनों की अर्थियां एक साथ उठीं, गांव में रोने की आवाजें गूंजने लगी। लांस नायक उत्कर्ष की विदाई में डोगरा रेजीमेंट की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सैन्य सलामी के दौरान परिजन खुद को संभाल नहीं सके। पिता शेरबहादुर का बार-बार मूर्छित होना लोगों का दिल पिघला गया। पत्नी सोनम के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। छोटे बच्चे माही और रुद्र मां से चिपककर रोते रहे। रिश्तेदार और ग्रामीण सुबह से ही जमा रहे। हर कोई टूटे परिवारों को ढांढस बंधाने में लगा रहा। बजरंग की पत्नी मुस्कान का रो-रोकर बुरा हाल रहा। एक साल के बेटे ने पिता के पार्थिव शरीर को छूकर रोना शुरू किया तो वहां मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। अंशू की मौत ने मां माधुरी को तोड़ दिया। वह लगातार बेटे का नाम पुकारती रहीं। पिता बृजेश और बहनें प्रतिमा व पूनम भी गहरे सदमे में नजर आए। अचानक हुए हादसे ने गांव में तीन घरों के दीप बुझा दिए।

यूपी में 400 करोड़ की जीएसटी चोरी

मुरादाबाद। नौकरी और लोन दिलाने के नाम पर बेरोजगारों के दस्तावेजों के सहारे दो मोबाइल नंबर पर देशभर में 144 फर्जी फर्म बनाकर करीब 400 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले में एसआईटी ने मास्टर माइंड इखलाक और उसके सहयोगी इत्तेहात आलम उर्फ दानिश कबाड़ी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से एक मोबाइल फोन, आठ एटीएम कार्ड, एक पॉलिसी बाजार कार्ड और तीन आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। वहीं आरोपी की डायरी में 535 फर्मों का विवरण मिला है। साथ ही मास्टर माइंड के बैंक खाते की जानकारी भी मिली है। इस मामले में एसआईटी को गिरोह के सरगना समेत छह अन्य सदस्यों की तलाश है। मुरादाबाद पुलिस लाइन में शनिवार को एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार और सीओ वरुण सिंह ने राज्य कर अधिकारियों के साथ करोड़ों की जीएसटी का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि लोहे लदे दो ट्रक पकड़े जाने के बाद राज्य कर के अधिकारी की तहरीर पर एके इंटरप्राइजेज और सौरभ इंटरप्राइजेज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद एसएसपी की ओर से गठित एसआईटी ने जांच शुरू कर दी। छानबीन में पता चला कि फर्मों में पंजीकृत दो मोबाइल नंबरों पर 144 फर्में पंजीकृत थीं। विवेचना के आधार पर मेरठ जिले के शास्त्रीनगर नौचंदी निवासी मो. इखलाक और शाहजहांपुर जिले के चमकनी गरिपुरा निवासी इत्तेफात आलम उर्फ दानिश कबाड़ी को पूछताछ के लिए एसआईटी ने बुलाया।

इसके बाद परत दर परत खुलती चली गई। बाद में जीएसटी चोरी के आरोप में एसआईटी ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

तौकीर रजा के करीबी की बिल्डिंग जमीदोंज

3 मंजिला सुपर मार्केट का नामो-निशान खत्म, सड़कों पर लगाई गई बैरिकेडिंग

बरेली। बरेली हिंसा के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबी मोहम्मद आरिफ की बिल्डिंग पर बुलडोजर एक्शन जारी है। रविवार को आरिफ के पीलीभीत रोड पर 3 मंजिला बिल्डिंग को ढहाया जा रहा है। इसमें दुकानें थीं। ग्राउंड फ्लोर पर सैलून है, जबकि बाकी मंजिलों पर पीटर इंग्लैंड का आउटलेट है। बिल्डिंग को कुछ दिन पहले ही सील कर दिया गया था। दरअसल, बिल्डिंग पीलीभीत रोड पर फ्लोरा गार्डन के पड़ोस में है और 2000 स्क्वायर फिट में बना है। इसकी कीमत करीब 5 करोड़ बताई जा रही है। अब पोकलैंड मशीन से बिल्डिंग को गिराया जा रहा है। फ्लोरा गार्डन को भी सील कर दिया गया है। इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है। पुलिस और पीएसी तैनात है। बताया जा रहा है कि नगर निगम से इमारतों का नक्शा का पास नहीं कराए जाने को लेकर कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले शनिवार को बुलडोजर से जगतपुर की दो मंजिला इमारत को ध्वस्त किया गया था। बिल्डिंग 2 साल पहले बनी थी। इसमें 16 दुकानें थीं। इसकी कुल कीमत 5 करोड़ बताई गई थी। बुलडोजर से पलभर में इमारत भरभरा कर ढहा दी गई। इमारत गिरते ही चारों तरफ धूल का गुबार फैल गया। कुछ सेकेंड बाद जब धूल छटी, तो वहां सिर्फ मलबा ही बचा था। तौकीर रजा पर बरेली में 26 सितंबर की हिंसा का मास्टरमाइंड होने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें हत्या की साजिश, भीड़ को उकसाने, पुलिस पर हमले और पेट्रोल बम फेंकने, लूटपाट करने, दंगा कराने जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं। शुरूआती जांच में इनमें से 7 मामलों में तौकीर रजा को नामजद किया गया था, बाद में शेष तीन मामलों में भी उनकी भूमिका पाए जाने पर उनका नाम बढ़ा दिया गया। अब तक 10 में से चार मामलों में सुनवाई हो चुकी है। पूरी बिल्डिंग गिरने की स्थिति में है। यही वजह है कि एक तरह को रोड बंद कर दिया गया है। बिल्डिंग एक तरफ को झुक चुकी है। लोग दूर-दूर से बुलडोजर की कार्यवाही देखने आ रहे है। एक युवक शाहजहांपुर से आया तो एक पंडित जी बरेली के राजेंद्र नगर से कार्यवाही देखने पहुंचे है। तो एक व्यक्ति प्रतापगढ़ से बुलडोजर की कार्यवाही देखने पहुंचा है। लोग सीएम योगी आदित्यनाथ की कार्यवाही से काफी खुश है। बुलडोजर की कार्यवाही देखने आए शारिक अब्बासी का कहना है जो जैसा करेगा वैसा भरेगा। तौकीर रजा ने गलत किया था जिस वजह से योगी सरकार बुलडोजर की कार्यवाही कर रही है। शारिक अब्बासी ने कहा कि पूर्व की सरकारों समाजवादी पार्टी और बसपा में लोगो ने बहुत अवैध संपत्ति बनाई। अब योगी सरकार उन पर शिकंजा कसने का काम कर रही है। बुलडोजर एक्शन के दौरान बिजली का पोल गिर गया। हालांकि इस दौरान पुलिस फोर्स वहां मौजूद रही। हालांकि किसी को चोट नहीं थी। पीलीभीत रोड पर चल रहे बुलडोजर एक्शन को देखने आए शारिक अब्बासी का कहना है जो जैसा करेगा वैसा भरेगा। तौकीर रजा ने गलत किया था। इस वजह से योगी सरकार बुलडोजर एक्शन कर रही है। 10 बजे शुरू हुई कार्रवाई को ढाई घंटा बीत चुका हैं। करीब 30 प्रतिशत मार्केट टूट चुकी है। पोकलैंड मशीन सुबह से एक्शन में जुटी है। बिल्डिंग एक तरफ झुकी गई है। किसी भी वक्त बिल्डिंग जमींदोज हो सकती है। फ्लोरा गार्डन के पड़ोस में बना 4 मंजिला मार्केट जिसमें पीटर इंग्लेंड का शो रूम और एक सैलून था। अब पोकलैंड मशीन से उसको गिराया जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

विश्व कल्याण की कामना के साथ बौद्ध भिक्षुओं वैशाली रवाना

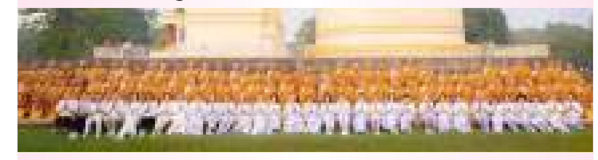

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध स्थली स्थित मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में थाई भिक्षुओं के दल ने विशेष पूजन अर्चन कर चीवर चढ़ाया और विश्व कल्याण की कामना की। आए 116 भिक्षुओं और उपासकों ने थाई मॉनेस्ट्री के प्रमुख भिक्षु डॉ पी सोम पोंग और भंते सोन कॉर्न के निर्देशन में महापरिनिर्वाण मंदिर में धम्म पाठ किया और मुख्य थाई मंदिर में भिक्षुओं और उपासकों ने अपने गुरु भिक्षु चखून नरोंग, भंते विनय, चखून मेथी के साथ पूजन किया। माथा कुंवर मंदिर, अष्ट धातु वितरण स्थल, मुकुट बंधन चैत्य का दर्शन पूजन किया। यह पूजन थाई राजा वजीरालोंकर्ण के जन्मदिन पर विशेष था। जहां भिक्षुओं ने उनके दीघार्यु और सुखद जीवन की कामना की। यह दल 14 नवंबर को बोधगया पहुंचा और 15 नवंबर को 66 उपासक भंते बने। राजगीर, नालंदा होते हुए 19 नवंबर को लुंबिनी नेपाल पहुंचे और 21 नवंबर की शाम को कुशीनगर पहुंचे। दल 25 नवंबर को बैंकाक थाइलैंड के लिए बोध गया से रवाना हो जाएंगे। इस दौरान मेटा टूर एंड ट्रेवल्स के गाइड संजय कुमार, मनीष, हामिद, रोहित के अलावा भंते पी पविन, भंते पी नलोंग, पी अनुवत, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, गौतम शर्मा, सूरज यादव आदि मौजूद रहे।

संघदान एवं श्रद्धांजलि सभा 30 नवंबर को

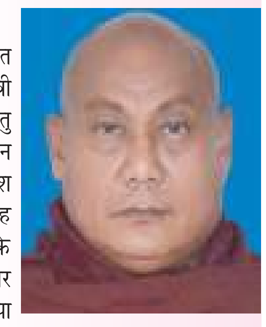

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्थली स्थित म्यांमार मंदिर में बोधिसत्व दिवंगत एबी ज्ञानेश्वर महाथेरो के चित्त विमुक्ति हेतु संघदान एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 30 नवंबर को किया गया है। जिसमें देश विदेश के भिक्षु, उपासक भाग लेंगे। यह जानकारी दिवंगत भंते ज्ञानेश्वर के उत्तराधिकारी भंते नंदका और म्यांमार मंदिर के अधिकारी राम नगीना ने बताया कि प्रातः 9 बजे से भिक्षु संघ द्वारा महापरितपाठ, संघदान, श्रद्धांजलि सभा एवं भोजनदान कार्यक्रम आयोजित है। इस कार्यक्रम के लिए थाई, श्रीलंका, तिब्बत, वियतनाम, कोरिया सहित विभिन्न बुद्ध विहारों के भिक्षु और देश विदेश के उपासक शामिल होंगे।

बदायूं में आसमान से गिरी बर्फ की सिल्ली, बाल-बाल बचे ईंट भट्ठे के मजदूर, लोग आश्चर्यचकित

बदायूं। जिले के बिल्सी में रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक ईंट भट्ठे पर काम कर रहे मजदूरों के बीच अचानक आसमान से बड़ी बर्फ की सिल्ली आकर गिरी। घटना मोहल्ला नंबर 8 स्थित बाबा ईंट भट्ठे की है। बर्फ की सिल्ली के तेज धमाके के साथ जमीन पर गिरने से आसपास काम कर रहे मजदूर घबरा गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद हर कोई शख्स आश्चर्यचकित रह गया। दिधोनी निवासी वीर सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ सुबह लगभग नौ बजे ईंट पाथने का काम कर रहे थे। उसी दौरान अचानक बर्फ की सिल्ली आसमान से गिरकर उनके पास आ गिरी। गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के मजदूर नंदनी, सोमेंद्र, काजल, पूनम और संगीता चंद इंच की दूरी से बच गए। धमाके की आवाज सुनकर भट्टे के आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते बर्फ की सिल्ली को देखने के लिए क्षेत्र में भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों का कहना है कि बर्फ का टुकड़ा आसमान से काफी तेजी के साथ नीचे गिरा और जमीन पर गिरते ही चकनाचूर हो गया। उसके टुकड़े कुछ दूर तक जा गिरे। बर्फ की सिल्ली गिरने की सूचना क्षेत्र में फैलते ही लोगों में चर्चा का विषय बन गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि बर्फ की सिल्ली आसमान से गिरी है, जबकि घटना की वजह को लेकर तरह-तरह के अनुमान लगाए जा रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर घटना की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की है।

अब पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी में जुड़ा बागपत का नाम, दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग का भी कनेक्शन

बागपत। दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी करने के मामले में भी बागपत का नाम जुड़ गया। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी में जिन तस्करों को पकड़ा है, उनमें रोहन तोमर निवासी लोहड्डा और उसके साथी अजय उर्फ मोनू निवासी बावली भी शामिल है। इनके परिवार काफी साल से दिल्ली में रहते हैं। दोनों संजीव उर्फ जीवा गैंग के सदस्य हैं, जिनके खिलाफ मेरठ के कंकरखेड़ा और दिल्ली के भजनपुरा में मुकदमे दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत की सीमा में हथियारों को गिराकर तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को शनिवार को गिरफ्तार किया। इनमें रोहन तोमर निवासी लोहड्डा और उसके साथी अजय उर्फ मोनू निवासी बावली भी शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार रोहन तोमर 12वीं तक पढ़ा हुआ है और संजीव जीवा गैंग में शामिल होकर हथियारों की तस्करी करने लगा। इसके बाद वह ठेकेदारी करने लगा। वर्ष 2024 में जानलेवा हमले के मुकदमे में कंकरखेड़ा जिला मेरठ पुलिस ने रोहन तोमर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके अलावा दूसरे आरोपी अजय उर्फ मोनू ने भी संजीव जीवा गैंग में शामिल होकर हथियारों की तस्करी शुरू की। साथ ही दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में गोगी गैंग, भाऊ गैंग और कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के सदस्यों को हथियार तस्करी किए। इससे पहले अजय उर्फ मोनू को चोरी के मुकदमों में भजनपुरा दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। एसपी सूरज कुमार राय ने बताया कि दिल्ली में गिरफ्तार किए गए रोहन और अजय के परिवार वाले करीब पंद्रह साल पहले गांव से जाकर दिल्ली में रहने लगे थे। यहां उनके केवल कुटुंब के लोग रहते हैं। यह जरूर जांच कराई जा रही है कि उनके संपर्क में यहां के युवक तो नहीं हैं।

ओवरटाइम पेमेंट, सैलरी स्ट्रक्चर...नए लेबर कोड से जुड़े हर सवाल का जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 21 नवंबर यानी बीते शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला किया। उसने सभी चार लेबर कोड स (श्रम संहिताओं) को नोटिफाई कर दिया। इस प्रमुख सुधार के जरिये चार लेबर कोड में 29 श्रम कानून शामिल किए गए हैं। वेतन संहिता में चार, सामाजिक सुरक्षा संहिता में नौ, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशा संहिता में 13 और औद्योगिक संबंध संहिता में तीन कानूनों को मिलाया गया है। इन नए नियमों का मकसद मजदूरों के लिए काम की जगह को बेहतर बनाना, उनकी सैलरी और सामाजिक सुरक्षा को पक्का करना है। इन कानूनों से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को भी फायदा होगा, जिन्हें पहले न्यूनतम मजदूरी का अधिकार नहीं था। अब सभी मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। साथही, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए भी खास सुरक्षा उपाय किए गए हैं। इन बदलावों से कंपनियों के लिए नियम- कानून का पालन करना भी आसान हो जाएगा। आइए, यहां इससे जुड़े सभी पहलुओं को जानते हैं।

आखिरी समय में फ्लाइट टिकट कैंसिल कराने पर मिलेगा 80 प्रतिशत तक रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप आखिरी समय में अपनी फ्लाइट की टिकट कैंसिल कराते हैं तो अब आपकी टिकट का पूरा पैसा डूबेगा नहीं। भारत सरकार हवाई टिकटों में एक खास ट्रैवल इंश्योरेंस जोड़ने की तैयारी कर रही है। यह सुविधा अगले 2 से 3 महीनों में शुरू हो सकती है। इससे आखिरी वक्त में फ्लाइट कैंसिल होने पर आपको टिकट की रकम का 80 प्रतिशत तक वापस मिल सकता है। फिलहाल अगर आप फ्लाइट के उड़ने से ठीक 3 घंटे पहले टिकट कैंसिल करते हैं, तो इसे नो-शो माना जाता है। यानी, आप फ्लाइट में नहीं बैठे और ऐसे में आपको कोई पैसा वापस नहीं मिलता है। अगर किसी यात्री की कोई मेडिकल इमरजेंसी हो और वह आखिरी समय में फ्लाइट कैंसिल करे, तो एयरलाइंस अपनी मर्जी से पूरा पैसा वापस दे सकती हैं। लेकिन यह पूरी तरह से एयरलाइन के फैसले पर निर्भर करता है, कोई पक्का नियम नहीं है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, एविएशन सेक्रेटरी (नागर विमानन सचिव) भारतीय एयरलाइंस से बात कर रहे हैं कि यह नया इंश्योरेंस प्लान कैसे लागू किया जाए। सबसे अच्छी बात यह है कि यात्रियों को इसके लिए अलग से कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इसका प्रीमियम एयरलाइंस खुद बीमा कंपनियों के साथ मिलकर भरेंगी। अभी, अगर कोई यात्री यात्रा बीमा लेना चाहता है, तो उसे यह एक अलग से ऐड-ऑन सर्विस के तौर पर खरीदना पड़ता है।

देश की आधी आबादी को और सशक्त बनाने के लिए तैयार नई श्रम संहिताएं

महिलाओं के लिए बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना अनिवार्य है। फिलहाल श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी 41.7 प्रतिशत है और विकसित भारत का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 70 प्रतिशत तक ले जाना है। लगभग 30-अंकों के इस अंतराल को पाटने का मूल मकसद राष्ट्रीय उत्पादकता को बढ़ाना तथा यह सुनिश्चित करना है कि भारत की विकास गाथा को सिर्फ आधे लोग ही नहीं, बल्कि सभी लोग आकार दें।

शिक्षा, डिजिटल सुलभता और उद्यमिता के मामले में हुई प्रगति के बावजूद, अभी भी बहुत सी संभावनाओं का दोहन बाकी है। भारत को एक ऐसा श्रम इकोसिस्टम तैयार करना होगा जो महिलाओं को प्रवेश करने, टिके रहने तथा आगे बढ़ने में समर्थ बनाए और भारत के एकीकृत श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इन प्रणालीगत बाधाओं को दूर करने और समावेशन को उत्पादकता में बदलने का एक दुर्लभ मौका देता है। जरा गौर करें- ई-श्रम पर पंजीकृत सीता नाम की उत्तर प्रदेश की एक श्रमिक बच्चों की देखभाल की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होने के चलते अपने दो बच्चों का पालन-पोषण

करते हुए, घर बैठकर एक ठेकेदार के लिए कपड़े सिलती है। इससे उसे एक अनियमित आय होती है। उनके जैसी महिलाओं के लिए, नई श्रम संहिताएं एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम साबित हो सकती हैं। पास की एक कपड़ा फैक्ट्री अब औपचारिक अनुबंधों के साथ अलग-अलग पालियों में काम करने के लिए महिलाओं की भर्ती कर रही है।

पहली बार, भारत के श्रम कानूनों का ढांचा सीता जैसी लाखों महिलाओं के लिए बाधक होने के बजाय उनका संबल बनने के लिए तैयार है। वर्ष 2019-2020 के बीच अधिनियमित श्रम संहिताएं 29 बिखरे कानूनों को चार सुव्यवस्थित ढांचों, मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, पेशेगत सुरक्षा और औद्योगिक संबंध संहिताओं-में समेकित करती हैं।

यह विधायी मंशा साहसिक है और अब अनेक राज्य तेजी से इन्हें लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत के पास इस मंशा को प्रभाव में बदलने का एक महत्वपूर्ण मौका है। इससे महिलाओं को उनके रोजगार चक्र में सुरक्षित व टिकाए रखने के तौर-तरीकों को नए सिरे से परिभाषित किया जा सकेगा।

जीवन के बदलावों में मददगार

पहले कदम के रूप में दृश्यता सामाजिक सुरक्षा संहिता मातृत्व, स्वास्थ्य बीमा, पेंशन और बच्चों की देखभाल से जुड़े पहलुओं को शामिल करते हुए गिग और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड की स्थापना करती है। ई-श्रम पोर्टल पर 30.6 करोड़ से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं, जिनमें से 53 प्रतिशत यानी 16 करोड़ महिलाएं हैं। इस पोर्टल और आधार आधारित यूएएन के बीच का जुड़ाव (लिंकेज) इन हकों को किसी भी स्थान पर और किसी भी क्षेत्र (सेक्टर) में दिलाया जाना संभव बनाता है। यह बुनियादी ढांचा बच्चे के जन्म या देखभाल जैसे जीवन के प्रमुख बदलावों के दौरान होने वाली क्षति को कम कर सकता है। दृश्यता तो महज पहला कदम भर है। पंजीकरण को कल्याणकारी वितरण प्रणालियों से जोड़ने की प्रक्रिया में तेजी लाई जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाओं के पास सिर्फ पहचान पत्र ही नहीं हो, बल्कि उन्हें वास्तविक सहायता भी मिले।

भारत ने इजरायल के साथ की बड़ी डील !

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने इजरायल के साथ बड़ी डील की है। दोनों ने खेती-किसानी के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करने के तरीकों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार यह जानकारी दी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इजरायल की यात्रा पर थे। वहां उन्होंने इजरायल के कृषि और खाद्य सुरक्षा मंत्री एवी दिचर से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने खेती-बाड़ी में सहयोग को और बढ़ाने के बारे में विस्तार से बात की। डील में किस चीज पर बनी बात मंत्रालय ने बताया कि गोयल ने अपनी यात्रा के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। इन मुलाकातों में खेती, टेक्नोलॉजी, नई खोजों और व्यापार जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा हुई। यह यात्रा शनिवार को ही खत्म हुई। गोयल ने यह भी बताया था कि भारत और इजरायल ने एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए जरूरी कागजात पर दस्तखत किए हैं। इस समझौते के कागजात में कई अहम बातें शामिल हैं। जैसे दोनों देशों के बीच सामानों के आने-जाने पर लगने वाले टैक्स (टैरिफ) और दूसरी रुकावटों (नॉन-टैरिफ बैरियर) को हटाना। साथ ही निवेश को आसान बनाना, नई टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान करना, कस्टम की प्रक्रिया को सरल बनाना और सेवाओं के व्यापार के नियमों को आसान बनाना भी इसमें शामिल है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने यह भी बताया कि इजरायल डेयरी उत्पाद, चावल, गेहूं और चीनी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भारत के बाजार में प्रवेश नहीं मांगेगा।

अडानी ग्रुप का बड़ा दांव, 239 करोड़ रुपये में इस कंपनी को खरीदा

मुंबई, एजेंसी। अडानी ग्रुप की एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी ने बुनियादी ढांचा डेवलपर ट्रेड कैसल टेक पार्क को 231.34 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। बता दें, ट्रेड कैसल टेक पार्क के पास काफी जमीन है। अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, 'उसने और डेटा सेंटर ऑपरेट एजकॉनेक्स के ज्वाइंट वेंचर अडानीकॉनेक्स (एसीएक्स) ने टीसीटीपीपीएल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए 21 नवंबर 2025 को ट्रेड कैसल टेक पार्क (टीसीटीपीपीएल) तथा उसके मौजूदा शेयरधारक श्री नामन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ एक शेयर खरीद समझौते (एसपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं।' कंपनी ने बताया, 'अधिग्रहण का उद्देश्य बुनियादी ढांचा सुविधाएं स्थापित करना है।' कंपनी ने कहा, 'टीसीटीपीपीएल भारत में निगमित है और 16 अक्टूबर 2023 को महाराष्ट्र, मुंबई के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास पंजीकृत हुई थी। इसका उद्देश्य बुनियादी ढांचा विकास गतिविधियां करना है। अभी तक टीसीटीपीपीएल ने कारोबारी गतिविधियां शुरू नहीं की हैं, लेकिन इसके पास काफी बड़ी भूमि जोत है और बुनियादी ढांचा गतिविधियां शुरू करने के लिए प्रमुख लाइसेंस प्राप्त हैं, जिससे एसीएक्स को शुरुआती बढ़त मिलेगी।' अडानी एंटरप्राइजेज, समूह की दिग्गज कंपनियों में से एक है। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर शुक्रवार को बीएसई में करीब एक प्रतिशत की गिरावट के बाद 2421.60 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे।

7 कंपनियां ट्रेड करेंगी इस हफ्ते एक्स-डिविडेंड

मुंबई, एजेंसी। इस हफ्ते कंपनियां शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन 8 कंपनियों की लिस्ट में एक कंपनी ऐसी भी है जो निवेशकों को एक शेयर पर 55 रुपये का डिविडेंड दे रही है। आइए एक-एक करके जानते हैं इनके विषय में...

इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड के शेयर मंगलवार को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 55 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी इसी साल जुलाई के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर 25 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, शुक्रवार को मार्केट के बंद होने के समय पर इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड के शेयर एनएसई में 3899 रुपये पर बंद हुआ था। इस दिन दो कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन दो कंपनियों में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड भी एक है। कंपनी ने एक शेयर पर 3.65 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी के शेयर इसी साल चार बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड किए थे। बता दें, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन इस साल अबतक 10 रुपये से अधिक का डिविडेंड दिया है। श्यामकमल इंवेस्टमेंट लिमिटेड के शेयर भी 26 नवंबर को ही एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी कंपनी ने एक

शेयर पर 10 पैसे का डिविडेंड देने का फैसला किया है। ए के कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 27 नवंबर को एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी ने एक शेयर पर 16 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है।

28 नवंबर को तीन कंपनियां ट्रेड करेंगी एक्स-डिविडेंड योग्य निवेशकों को एक शेयर 5 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। मीरा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक शेयर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा।

सेंसेक्स इंडेक्स में इंडिगो की होने वाली है एंट्री, टाटा की कंपनी को लगा झटका

मुंबई, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाले इंटरग्लोब एविएशन 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने शनिवार को यह जानकारी दी। अब सोमवार को इस शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी। शनिवार को शेयर 0.92% बढ़कर 5840.25 रुपये पर बंद हो गया। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने बताया कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को इस सूचकांक से बाहर कर दिया जाएगा। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने सूचकांकों के पुनर्गठन के तहत इन बदलावों की घोषणा की है, जो 22 दिसंबर (सोमवार) को बाजार खुलते ही प्रभावी हो जाएंगे। बीएसई 100 सूचकांक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड को शामिल किया जाएगा, जो अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की जगह लेगा। इसके अलावा बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 50 में मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड को जोड़ा जाएगा और इंडसइंड बैंक लिमिटेड को हटाया जाएगा।

82 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी

इंडिगो= इंडिगो ने विमान अधिग्रहण के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडयरी इंटरग्लोब एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर (करीब 7,270 करोड़ रुपये) के निवेश को मंजूरी दे दी है। इंडिगो ने कहा कि यह निवेश शेयर और 0.01 प्रतिशत गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजीही शेयर (ओसीआरपीएस) के संयोजन के माध्यम से एक या एक से अधिक किस्तों में किया जाएगा। इंडिगो ने कहा कि सब्सिडयरी कंपनी द्वारा जुटाई गई रकम का उपयोग मुख्य रूप से विमानन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण में किया जाएगा जिससे विमानों का स्वामित्व प्राप्त हो सकेगा। विमान बेड़े पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'प्लेनपॉटरडॉटनेट' के अनुसार 21 नवंबर तक इंडिगो के बेड़े में 411 विमान हैं। इनमें से 365 परिचालन में हैं और शेष 46 जमीन पर खड़े हैं।

बता दें कि इंडिगो पारंपरिक रूप से विमान लीज पर लेकर उड़ानों का परिचालन करती रही है। हालांकि, कंपनी ने 12 अक्टूबर 2023 को इंडिगो आईएफएससी की स्थापना की जो विमान और इंजन लीज पर देती है।

100 सीटें और सभी के लिए स्कॉलरशिप, एडमिशन शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इंटरडिसिप्लिनरी उच्च शिक्षा और शोध का प्रमुख संस्थान अशोका यूनिवर्सिटी ने यंग इंडिया फेलोशिप (वाईआईएफ) के 16वें बैच, सत्र 2026-27 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है. यह वर्ष इसलिए खास है क्योंकि यह फेलोशिप अपने पंद्रह साल पूरे कर रही है, जिसने 2014 में यूनिवर्सिटी की स्थापना की नींव रखी थी. प्रतिभाशाली और योग्य युवाओं के लिए फेलोशिप को और अधिक सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, अशोका यूनिवर्सिटी 2026-27 बैच के सभी चयनित फेलोज को स्कॉलरशिप प्रदान करेगी. यह सुविधा एचडीएफसी बैंक के उदार सहयोग से संभव हो पाई है.

लगातार बदलती दुनिया में यंग इंडिया फेलोशिप देश के सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में से एक बना हुआ है, जो अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आने वाले चुनिंदा, प्रतिभाशाली और उद्देश्यपूर्ण युवाओं को एक मंच पर लाता है. यह कार्यक्रम फेलोज को व्यापक सोच, आलोचनात्मक दृष्टिकोण और नेतृत्व से जुड़े वे उपकरण देता है, जिनकी मदद से वे आज के अहम मुद्दों को समझकर बेहतर दुनिया बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठा सकें. फेलोशिप युवाओं को ऐसा व्यक्तित्व बनाने में मदद करती है, जो गहराई से सोचने वाले, समस्याओं का समाधान खोजने वाले और बदलाव को आगे बढ़ाने वाले हों. यह उन्हें मजबूत इंटरडिसिप्लिनरी आधार देता है और ऐसे कौशल विकसित करता है, जो विभिन्न क्षेत्रों और सेक्टरों में नेतृत्व करने की क्षमता प्रदान करते हैं.

फेलोशिप की विरासत पर बात करते हुए, अशोका यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के संस्थापक और चेयरपर्सन प्रमथ राज सिन्हा ने कहा, अशोका की शुरुआत यंग इंडिया फेलोशिप से हुई थी, इसलिए इसका विश्वविद्यालय में बेहद खास स्थान है. यह उस पूरी सोच का एक छोटा रूप है, जो अशोका पेश करता है, और जो कुछ भी अशोका में सबसे बेहतर है, उसका प्रतिनिधित्व करता है. 2011 में शुरू हुई वाईआईएफ एक साल का रेजिडेंशियल पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान करती है, जो इंटरडिसिप्लिनरी और बहुआयामी सीख पर आधारित है.

1 पर 2 शेयर मिलेंगे, कंपनी पहली बार दे रही है बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट नवंबर में ही

मुंबई, एजेंसी। थायरोकेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर इसी हफ्ते एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। कंपनी पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर दे रही है। कंपनी एक शेयर पर 2 शेयर योग्य निवेशकों को बोनस दे रही है। रिटर्न के मामले में भी कंपनी का प्रदर्शन शानदार है। एक्सचेंज को दी जानकारी में थायरोकेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 2 शेयर बोनस दिया जाएगा। कंपनी ने 16 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया है। थायरोकेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने 28 नवंबर, दिन शुक्रवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम इस दिन कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें हर शेयर पर दो शेयर फ्री मिलेंगे। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर थायरोकेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर बीएसई में 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 1527.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 21 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 56 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, एक साल में थायरोकेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों ने पोजीशनल निवेशकों को 57 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस कंपनी का 52 वीक हाई 1613.90 रुपये और 52 वीक लो लेवल 658 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 8106 करोड़ रुपये का है। दो साल में थायरोकेयर टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयरों में 180 प्रतिशत और 3 साल में 147 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

कैंसर और मोटापे से कैसे लड़ेंगे हम देश में ही दवा बनाने की क्षमता नहीं!

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार कुछ खास बीमारियों के लिए जरूरी दवाओं को विदेशों से खरीदने पर विचार कर रही है। इन दवाओं में वजन घटाने, कैंसर, दिल की बीमारियों और डायबिटीज की दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं को सेना के मेडिकल विंग और कर्मचारी राज्य बीमा निगम जैसे सरकारी अस्पतालों में भेजा जाएगा। यह लिस्ट 65 से ज्यादा ऐसी दवाओं की है जो पेटेंट वाली हैं या खास तौर पर बनाई जाती हैं। इनमें टाइप-2 डायबिटीज और मोटापे के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाएं जैसे सेमाग्लूटाइड और टिरजेपेटाइड शामिल हैं। साथ ही, डायबिटीज वाले मरीजों में हाई कोलेस्ट्रॉल के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली एक खास एंटीबॉडी दवा, इवोलकुमैब भी इस लिस्ट में है। भारत में इन दवाओं को बनाने की क्षमता कम है या बिल्कुल नहीं है।

सरकार की एक नीति है जिसके तहत 200 करोड़ रुपये तक की चीजें या सेवाएं बाहर से नहीं खरीदी जा सकतीं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि देश के अपने उद्योगों को बढ़ावा मिले। लेकिन, कुछ खास मौकों पर इस नियम में छूट दी जा सकती है। जैसे अगर देश में किसी चीज की सप्लाई कम हो या फिर लोगों को तुरंत जरूरत हो। हाल ही में सरकार ने 128 दवाओं और वैक्सीन को ग्लोबल टेंडर से छूट दी है। यह छूट मार्च 2027 तक या जब तक कोई और आदेश नहीं आता, तब तक लागू रहेगी। यह नई लिस्ट उसी छूट के साथ जोड़ी गई है। फार्मास्युटिकल विभाग ने 21 नवंबर को अपनी वेबसाइट पर एक नोटिस जारी किया। इसमें बताया गया है कि उन्हें डायरेक्टरेट जनरल ऑफ आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च से ये अनुरोध मिले हैं। वे चाहते हैं कि इन दवाओं को ग्लोबल टेंडर से छूट वाली लिस्ट में शामिल किया जाए या फिर स्थानीय निर्माताओं की पहचान की जरूरत से छूट मिले। सरकार ने स्थानीय दवा कंपनियों से कहा है कि अगर वे इन दवाओं को देश में बना सकते हैं तो 5 दिसंबर तक अपनी आपत्ति दर्ज कराएं।

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

ललित गर्ग

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है।

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दशार्ते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेजन और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं- जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेजी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनिश्चित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दशार्ती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिर्वतन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

संपादकीय

त्रासदी की जवाबदेही

यह खबर विचलित करने वाली है कि दिल्ली में एक सोलह वर्षीय छात्र और जयपुर में एक नौ साल की छात्रा ने स्कूल की असहज स्थितियों के चलते आत्महत्या कर ली है। निस्संदेह, ये आत्महत्या की घटनाएं एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती हैं। भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेजी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है। उनका आरोप है कि उसे छोटी-छोटी बात पर डांटा गया, निष्कासन की धमकी दी गई और सहपाठियों के सामने मजाक उड़ाया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र के अभिभावकों द्वारा प्राथमिकी में बताया गया कि छात्र ने मन में आने वाले आत्महत्या के विचार से काउंसलर को अवगत कराया था। लेकिन शिक्षकों ने न तो माता-पिता को सूचित किया और न ही उसे इस दिशा में सोचने से रोकने के लिये कोई सलाह दी गई। निश्चित रूप से जब कोई छात्र अपनी किसी गंभीर समस्या का जिक्र करता है तो ऐसे में उदासीनता हिंसा का एक रूप ही कही जाएगी।

चिंतन-मनन

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है।

जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टतः क्षेत्रज्ञ है।

कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

गुरु तेग बहादुरः शहादत की अनंत ज्योति, धर्म-रक्षा का अमर संदेश

दिलीप कुमार पाठक

गुरु तेग बहादुर सिंह सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते हैं ' तेग बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

गुरु तेग बहादुर जी का जन्म अमृतसर में हुआ था, ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते हरिकृष्ण राय जी की मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नौवें गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे, मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया। उनकी वीरता के कारण उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग बहादुर रख दिया। युद्धस्थल में भीषण रक्तपात देखकर गुरु तेग बहादुर के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। त्याग की मूर्ति गुरु तेग बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक बाबा बकाला नामक स्थान पर साधना की। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला पहुँचे । यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। इसके बाद गुरु तेग बहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने।

औरंगजेब के शासन काल में उसके दरबार में एक विद्वान पंडित आकर रोज गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगजेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगजेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगजेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महान् है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी। औरंगजेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया और संबंधित अधिकारी को यह कार्य सौंप दिया। औरंगजेब ने कहा -सबसे कह दो या तो इस्लाम धर्म कबूल करें या मौत को गले लगा लें। इस प्रकार की जबर्दस्ती शुरू हो जाने से अन्य धर्म के लोगों का जीवन कठिन हो गया। जुल्म से ग्रस्त कश्मीर के पंडित गुरु तेग बहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार ?इस्लाम को स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, कृपया आप हमारे धर्म को बचाइए। गुरु तेग बहादुर जब लोगों की व्यथा सुन रहे थे, उनके 9 वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम वहाँ आए और उन्होंने पिताजी से पूछा- पिताजी, ये सब इतने उदास क्यों हैं? आप क्या सोच रहे हैं?गुरु तेग बहादुर ने पंडितों की सारी समस्याएं बाला प्रीतम को बताईं तो उन्होंने पूछा- इसका हल कैसे होगा? गुरु साहिब ने कहा- इसके लिए बलिदान देना होगा। प्रीतम ने कहा- आपसे महान् पुरुष कोई नहीं है। बलिदान देकर आप इन सबके धर्म को बचाइए।उस बच्चे की बातें सुनकर वहाँ उपस्थित लोगों ने पूछा- यदि आपके पिता बलिदान देंगे तो आप यतीम हो जाएँगे। आपकी माँ विधवा हो जाएगीं। बाला प्रीतम ने उत्तर दिया- यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है। तत्पश्चात गुरु तेग बहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगजेब से कह ?दें कि यदि गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे और यदि आप गुरु तेग बहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। औरंगजेब ने यह स्वीकार कर लिया। गुरु साहब दिल्ली में औरंगजेब के दरबार में स्वयं गए। औरंगजेब ने उन्हें बहुत से लालच दिए, पर गुरु तेग बहादुर जी नहीं माने तो उन पर जुल्म किए गये, उन्हें कैद कर लिया गया, दो शिष्यों को मारकर गुरु तेग बहादुर जी को ड़राने की कोशिश की गयी, पर वे नहीं माने। उन्होंने औरंगजेब से कहा- यदि तुम जबर्दस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए। औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चाँदनी चौक पर गुरु तेग बहादुर जी का शीश काटने का हुक्म जारी कर दिया और गुरु जी ने 24 नवम्बर 1675 को हँसते-हँसते बलिदान दे दिया। गुरु तेग बहादुरजी की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है।

(लेखक पत्रकार हैं)

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

योगेश कुमार गोयल

क्रैश के बाद भी चमकेगा भारत का स्वदेशी सितारा?

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी। तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरूआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है।

ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है। वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

मस्ती 4 में साथ में काम करना सपने के सच होने जैसा

फिल्मी दुनिया में जब कोई नया कलाकार किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनता है, तो उसके लिए यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक बड़ा मौका होता है, अपने हुनर को दिखाने का, लोगों तक अपनी पहचान पहुंचाने का और उन सितारों के साथ काम करने का, जिन्हें वे सालों से पर्दे पर देखते आए हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव एक्ट्रेस रुही सिंह का भी रहा, जिन्होंने आने वाली फिल्म मस्ती 4 में कई मशहूर अभिनेताओं के साथ काम किया है। यह फिल्म पहले से चर्चित मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसकी वजह से लोगों में पहले ही काफी उत्साह है। रुही के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का मौका भी है। इंटरव्यू में रुही सिंह ने बताया कि मस्ती 4 की शूटिंग उनके लिए एक खास सफर था। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के जाने-माने नाम आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी जुड़े हुए हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना शानदार अनुभव रहा।

रुही सिंह ने कहा, हर अभिनेता अपनी एक अलग ऊर्जा लाता है, और यह फिल्म मेरे लिए सीखने का एक बेहतरीन मौका बनी। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और कलाकारों की टीम ने मुझे अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी। फिल्म में रुही की जोड़ी अभिनेता आफताब शिवदासानी के साथ है।

आफताब के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा, वह बहुत ही विनम्र और सादगी भरे इंसान हैं। मेरे परिवार के सभी सदस्य और दोस्त आफताब को पहले से पसंद करते आए हैं, इसलिए उनके साथ काम करने का मौका मिलना किसी सपने के सच होने जैसा है।

इसके बाद उन्होंने बाकी कलाकारों की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, रितेश देशमुख कमाल के अभिनेता हैं, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और नेचुरल एक्टिंग सभी को प्रभावित करती है। विवेक ओबेरॉय के बारे में उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी यादगार होती है और वे हर किरदार में गहराई जोड़ते हैं। इंटरव्यू के दौरान जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि इतने बड़े स्टारकास्ट वाली फिल्म में क्या उन्होंने अपने रोल को लेकर कभी चिंता की, इस पर रुही ने जवाब देते हुए कहा, मेरे लिए भूमिका छोटी या बड़ी होने का कोई मतलब नहीं है। अगर किरदार को ईमानदारी से निभाया जाए तो वह अपने आप दर्शकों पर प्रभाव छोड़ता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा इसलिए बनना चाहती थी क्योंकि यह एक बड़े स्तर की फिल्म है, जिसे देखने लाखों लोग आएंगे, और मैं चाहती थी कि उन दर्शकों के बीच मेरा चेहरा और नाम पहचाना जाए। उन्होंने बताया कि अपने रोल को लेकर वे पूरी तरह खुश हैं और उन्होंने उस पर बहुत मेहनत भी की है। मस्ती 4 में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, तुषार कपूर, एलनाज नौरोजी, शाद रंधावा और अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है।

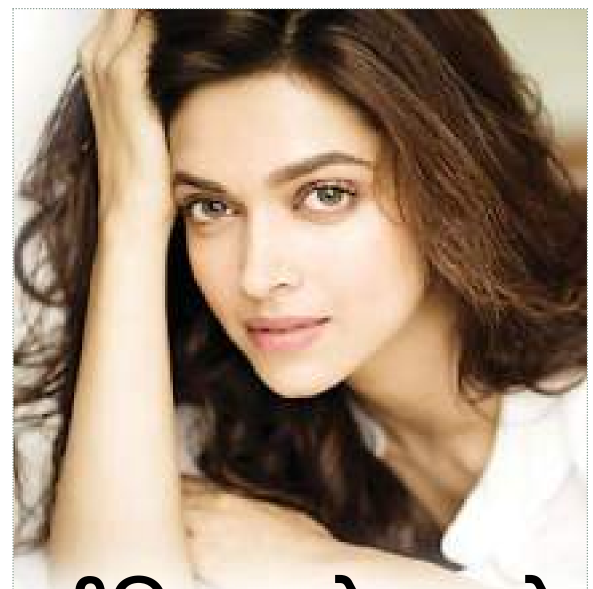

दीपिका को अपने फैसलों पर है पछतावा!

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपने 18 साल के करियर में दीपिका पादुकोण ने अब तक कई कामयाब फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ओम शांति ओम से की और वह पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 ए.डी. में नजर आईं। हालांकि, उनकी कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। हाल ही में दीपिका ने एक इंटरव्यू में माना कि कई बार उन्होंने गलत फैसले भी लिए हैं, जिसका उन्हें पछतावा है। बातचीत में दीपिका ने बताया कि वह फिल्म चुनते वक्त किन बातों का ध्यान देती हैं। दीपिका ने बताया सबसे बड़ी चीज प्रमाणिकता है। जो भी चीज सच्ची नहीं लगती, वह मुझे रास नहीं आती। कभी-कभी लोग बहुत सारा पैसा देते हैं और सोचते हैं कि इससे सब कुछ हो जाएगा लेकिन वह काफी नहीं होता। मुझे लोगों या संदेश पर यकीन है और मैं उस पर कायम रहूंगी। दीपिका ने माना कि वह अपने विचार को लेकर इतनी स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा क्या मैं हमेशा से चीजों को लेकर इतनी स्पष्ट थी? शायद नहीं। हालांकि अब मैं उस स्पष्टता तक पहुंच गई हूं। क्या मैं कभी-कभी पीछे मुड़कर सोचती हूं कि मैं क्या सोच रही थी? जी हां मैं सोचती हूं। इससे मैं सीखती हूं। शायद आज से 10 साल बाद, मैं आज के कुछ फैसलों पर सवाल उठाऊंगी जो फैसले अभी मुझे सही लगते हैं। दीपिका की फिलहाल दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग में वह एक सहायक भूमिका में हैं। इसमें सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी जैसे कलाकार होंगे।

आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' में दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित इन दिनों अपने आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' को लेकर चर्चाओं में हैं। माधुरी इस शो में एक अलग और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी। शो से माधुरी का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसके सामने आने के बाद फैंस इस शो के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

जारी हुए इस फर्स्ट लुक में माधुरी अपना मेकअप और गहने उतारती हुई दिखाई दे रही हैं। अगले ही फ्रेम में उनका एक कच्चा, अनफिल्टर्ड रूप सामने आ रहा है। अगले शॉट से संकेत मिलता है कि कुछ गंभीर हुआ है क्योंकि वह सलाखों के पीछे दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अब तक मेकर्स ने शो के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। लेकिन पहला लुक माधुरी के प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। इस फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा मोड़ जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।'

अपने पहले लुक में ही माधुरी के अलग-अलग एक्सप्रेशन देखने को मिल रहे हैं। पहली झलक को देखकर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि माधुरी इंटेंस किरदार में नजर आएंगी। बात करें शो की तो नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित किया है। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

माधुरी दीक्षित हाल ही में कनाडा, टोरंटो, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, ह्यूस्टन, शिकागो और बोस्टन सहित 6 शहरों में फैले एक वर्ल्ड टूर पर थीं। यहां कई जगह लेट होने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

अली अब्बास जफर की फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे बनेंगे विलेन

फिल्म इंडस्ट्री में नए चेहरों का आना हमेशा से दर्शकों का उत्साह बढ़ाता है, खासकर तब जब उन्हें बड़े स्तर की फिल्मों में मौका मिल रहा हो। इस कड़ी में इन दिनों फिल्म निर्देशक अली अब्बास जफर की आगामी एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म की चर्चा खूब हो रही है, क्योंकि इसमें शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे विलेन के तौर पर नजर आने वाले हैं। यह खबर सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों में दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। इस फिल्म में सैयारा फेम अहान पांडे और मुंज्या फेम शरवरी वाघ हैं। इस फिल्म के बारे में आईएएनएस के एक करीबी सूत्र ने बताया, अली अब्बास जफर बड़े स्तर के एक्शन और भावनाओं से भरी कहानियां बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों सुल्तान और टाइगर जिंदा है ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस फिल्म में भी वह उसी दमदार निर्देशन का प्रदर्शन करेंगे।

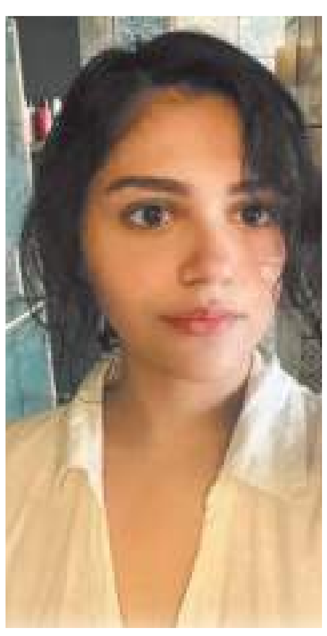

अहान की गर्लफ्रेंड नहीं हैं अनीत

अहान पांडे और अनीत पड्डा को लेकर बातें चल रही हैं कि दोनों का रिश्ता रोमांटिक है और वे रिलेशनशिप में हैं लेकिन अहान पांडे ने अब इस बात को लेकर चुप्पी तोड़ी है और कहा कि अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं। अहान ने सारी बातों से पर्दा हटा दिया है। अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भले ही इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा हो, लेकिन उनकी जोड़ी को लेकर जो चर्चा है, वह पुराने स्टार्स जैसी ही है। उनकी पहली फिल्म सैयारा ने तुरंत ही लोगों के दिलों में खास जगह बना लिया। उनके फैन एडिट रातोंरात वायरल हो गए, गपशप के पन्नों ने उन्हें इंडस्ट्री का अगला इट कपल घोषित कर दिया और सोशल मीडिया ने मानो उनके बीच रोमांस को जन्म दे दिया हो। इन अटकलों को और हवा तब मिली जब करण जौहर ने हिंट दिया कि ये दोनों नए कपल बन सकते हैं। लेकिन अहान पांडे ने अब सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। हाल ही में त्र एक इंटरव्यू में, अहान पांडे ने रिश्ते पर सीधे तौर पर बात की। उन्होंने क्लियर किया कि उनके और अनीत के बीच का रिश्ता गहरा तो है, लेकिन यह रोमांटिक नहीं है। उन्होंने कई महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट सोचता है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं।

अहान और अनीत की केमेस्ट्री

उन्होंने बताया कि पर्दे पर उनके बीच जो सहजता है, वह रोमांस से नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी और आपसी समझ से आती है। उन्होंने कहा, केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती - यह सहजता, सुरक्षा और लोगों की नजरों में आने के बारे में है। हम दोनों ने एक-दूसरे को यह एहसास दिलाया है। भले ही वह मेरी गर्लफ्रेंड नहीं है, फिर भी अनीत के साथ मेरा रिश्ता जैसा है वो किसी के साथ नहीं होगा।

फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं

दारा सिंह और मुमताज जैसे जाने-माने कलाकारों से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता शाद रंधावा ने अपना रास्ता खुद अख्तियार किया। वो लम्हे से अपने करियर का आगाज करने वाले शाद के दो दशक के करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, मगर इस साल उनके किस्मत का सितारा खूब चमका। सैयारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद इन दिनों दीवानियत जैसी 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ले चुकी फिल्मों में सावंत के रोल से लोकप्रिय हुए शाद अपने सफर की बात करते हैं।

शाद रंधावा फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताते हैं, मैं 6-7 साल की उम्र का रहा होऊंगा और अभिनय में तभी से मेरी काफी रुचि थी। स्कूल के नाटकों में भाग लेता था। मेरी मम्मी भी एक जमाने में ऐक्ट्रेस थीं और पिता पहलवानी के साथ-साथ अभिनय भी किया करते थे। दारा सिंह मेरे अंकल और मुमताज मेरी मौसी हैं। जब मैंने अपने परिवार को अपने एक्टर बनने की ख्वाहिश बताई, तो सभी ने कहा कि ये आपकी अपनी जर्नी है। हम आपको भावनात्मक रूप से तो सपोर्ट करेंगे, मगर अपना काम आपको खुद ढूंढना होगा।

भट्ट साहब के ऑफिस के खूब चक्कर लगाता था

मेरे ताया (दारा सिंह) हों या मेरे पिता रंधावा, सभी बहुत विनम्र बैकग्राउंड से हैं अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, चाहे वो मेरी मम्मी (मल्लिका अस्करी) हों या मुमताज आंटी, सभी ने अपना रास्ता खुद बनाया, तो मैंने अभिनय में आने से पहले रोशन तनेजा के यहां एक्टिंग क्लासेज कीं। साथ-साथ में मैं नाटक तो करता ही रहता था। ये उन दिनों की बात है, जब मैं रोल पाने के लिए फिल्मी ऑफिसों के चक्कर लगाया करता था। एक जगह मुझे उम्मीद दिखी और वो थी भट्ट साहब (महेश भट्ट) का ऑफिस। लंबे स्ट्रगल के बाद एक दिन भट्ट साहब ने मुझे मोहित से मिलवाया। तब तक मोहित की जहर आ चुकी थी और कलयुग की शूटिंग कर रहे थे। उसी वक्त उन्होंने कहा कि वे मुझे अपनी अगली फिल्म में लेंगे। मगर उन्होंने ये भी कहा कि शाद नेगेटिव रोल है। उस वक्त तो मैं सिर्फ काम करना चाहता था, तो बस इस तरह वो लम्हे से मेरी जर्नी शुरू हुई। मेरे काम को सराहा गया और मुझे अपने रोल के लिए अवॉर्ड भी मिला।

रेस्टॉरेंट्स और डायमंड्स में किस्मत आजमाई

अच्छी शुरुआत के बावजूद शाद के करियर में शायद ने भी काफी उतार-चढ़ाव देखे। वे कहते हैं, कई बार रिजेक्ट भी हुआ, मगर परिवार और दोस्तों का सपोर्ट हमेशा रहा। अपने मुश्किल दौर का जीकर करते हुए वे कहते हैं, आशिकी 2 के बाद मैं लगातार काम पाने की कोशिश कर रहा था, मगर काम मिल नहीं रहा था, तब मैंने डायमंड्स के क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिर मैंने रेस्टॉरेंट्स में भी किस्मत आजमाई। बाहर से भले लगे कि ये काफी चकाचौंध वाली लाइन है, मगर मेरे लिए ऐसा नहीं था।

इन दो निर्देशकों ने हमेशा काम दिया

शाद रंधावा की एक के बाद एक करके दोनों फिल्में, पहले सैयारा और अब हालिया दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाया हुआ है। वे कहते हैं, मेरा मानना है कि फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं तो इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं। लेकिन मुझे बहुत अच्छा लगता है कि इन दोनों निर्देशकों ने मुझ पर हमेशा यकीन रखा। इन दोनों निर्देशकों ने मुझे हमेशा काम दिया। दीवानियत से पहले मैं मिलाप के साथ मरजांवा और सत्यमेव जयते 2 में काम कर चुका हूं। जहां तक मोहित की बात है, तो उसके साथ मैंने अपने करियर की शुरुआत वो लम्हे से की थी और उसके बाद मैं आवारापन, आशिकी 2, एक विलेन, मलंग, एक विलेन रिटर्न्स जैसी तमाम फिल्मों का हिस्सा रहा।

हर्षवर्धन राणे ने अपने हिस्से के डायलॉग मुझे दिए

हाल ही में दीवानियत में सावंत के रोल से फेमस हुए शाद फिल्म के नायक हर्षवर्धन राणे के साथ अपने अनुभव को बयान करते हुए कहते हैं, हर्ष के साथ काम करते हुए मैंने पाया कि उनमें काम करने की भूख और नियत दोनों ही जबरदस्त है। पूरी टीम ही इस जज्बे से जुड़ी रही। हर्ष पर मैं शूटिंग से पहले एक ही बार मिला था और जिस दिन मैं सेट पर मिला तो उन्होंने मुझसे साफ़ तौर पर कहा कि स्क्रिप्ट में सावंत के किरदार में उतना रस नहीं है, मगर भाई हम लोग इस किरदार और मेरे चरित्र विक्रम आदित्य की एक अलग ही केमेस्ट्री बनाएंगे। उन्होंने वो फिल्म में किया।

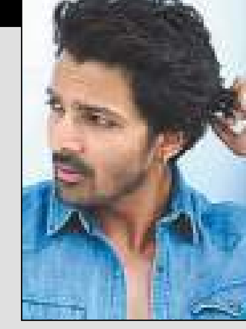

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः

लक्ष्य सेन बने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के विजेता बने

सिडनी, एजेंसी। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सत्र का अपना पहला खिताब जीत लिया। लक्ष्य ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल मे जापान के युशी तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। 24 साल के लक्ष्य से शानदार लय बरकरार रखते हुए 26 वर्षीय तनाका को 38 मिनट तक चले मैच मे 21-15, 21-11 से हराया। लक्ष्य के लिए पिछले समय से चीजें सही नहीं चल रही थी और वह पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहे थे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने इससे पहले अपना आखिरी सुपर 300 खिताब पिछले साल लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जीता था। वह सितंबर में हांगकांग सुपर 500 टूर्नामेंट में जीत के करीब थे, लेकिन उपविजेता रहे थे।

लक्ष्य ने नहीं गंवाया एक भी गेम

इस वर्ष अलियंस मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाले विश्व के 26वें नंबर के खिलाड़ी तनाका का सामना करते हुए लक्ष्य ने शानदार नियंत्रण और तेज तर्रार खेल का नमूना पेश किया तथा एक भी गेम गंवाए बिना मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य इस सत्र में बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीता था। भारत के अन्य खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी हांगकांग और चीन मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे थे, जबकि किदांबी श्रीकांत भी साल की शुरुआत में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे।

आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले संजू सैमसन बने कप्तान, टीम ने बड़े फैसले से चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करेंगे. इस टूर्नामेंट का आगाज 26 नवंबर से होने जा रहा है. सैमसन पिछले दिनों आईपीएल ट्रेड को लेकर चर्चा में रहे, जो अब राजस्थान रॉयल्स का साथ छोड़ चेन्नई सुपर किंग्स में आ गए हैं. अब आईपीएल ऑक्शन से पूर्व वो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे. केरल के स्क्वाड में संजू के भाई सैली सैमसन को भी जगह मिली है. दोनों भाइयों की जोड़ी इससे पहले केरल क्रिकेट लीग में एकसाथ खेलती दिखी थी. आपको याद दिला दें कि केरल क्रिकेट लीग के सीजन 2 में सैली सैमसन ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स टीम की कप्तानी की थी. सैमसन भाइयों के अलावा केरल टीम में अहमद इमरान को जगह मिली है, जो टीम के उपकप्तान होंगे. आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुके विग्नेश पुथुर और विष्णु विनोद को भी टीम में जगह मिली है. केसीएल के पिछले दोनों सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अखिल स्कारिया भी स्क्वाड का हिस्सा हैं, लेकिन सचिन बेबी को जगह नहीं मिल पाई है.

एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में अमर का कमाल, राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ बने विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अमर सिंह देवंदा ने बैंकॉक में आयोजित एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। देवंदा ने 6:59:37 (छह घंटे, 59 मिनट और 37 सेकंड) का राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय निकालकर जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता का आयोजन इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ अल्ट्रारनर्स ने किया था। अमर इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 11 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'अमर सिंह देवंदा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। उन्होंने 6:59:37 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ एशिया ओशिनिया 100 किमी अल्ट्रा चैंपियनशिप जीत ली।' भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में सौरव कुमार रंजन, बीनो एंटनी, वेलु पेरुमल, योगेश सनप, जयदश, आरती झंवर, रणजी सिंह, सिंधु उमेश, नामग्याल ल्हामो और तेनजिन डोल्मा शामिल हैं।

शादी से पहले अनोखा सेलीब्रेशन, स्मृति मंधाना-पलाश मुच्छल की टीम के बीच खेला गया क्रिकेट मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल ने अपनी शादी से ठीक पहले यानी प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में एक-दूसरे के खिलाफ क्रिकेट मैच खेला। स्मृति मंधाना ने इस मैच में टीम ब्राइड की कप्तानी की जबकि टीम ग्रूम की कप्तानी पलाश मुच्छल ने की और इस मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में स्मृति मंधाना की भारतीय महिला क्रिकेट टीम की साथी खिलाड़ियों ने साथ ही पलाश के करीब दोस्तों ने हिस्सा लिया। स्मृति की टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, राधा यादव और ऋचा घोष शामिल थीं।

केएल राहुल बन सकते है टीम इंडिया के ओडीआई कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की गर्दन की गंभीर तकलीफ के कारण उनके साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज से बाहर होने की संभावना है। ऐसे में केएल राहुल टीम इंडिया की कप्तानी संभाल सकते हैं।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा। कोलकाता टेस्ट में बढ़ी गिल की चोट गिल को 14 से 16 नवंबर के बीच कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन बैटिंग करते समय गर्दन में अकड़न महसूस हुई थी। तकलीफ बढ़ने पर उन्हें बीच में ही बल्लेबाजी छोड़नी पड़ी। यह मुकाबला तीन ही दिनों में खत्म हो गया था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। गिल गुवाहटी में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट का हिस्सा नहीं हैं।

हलांकि वह टीम के साथ गुवाहटी तक गए थे, लेकिन बाद में वहां से मुंबई लौट आए। फिलहाल वह मुंबई में लगातार स्कैन और विशेषज्ञों से परामर्श ले रहे हैं। गर्दन की चोट नस या मांसपेशियों से जुड़ी समस्या बीसीसीआई अधिकारियों के मुताबिक गिल की चोट सामान्य नहीं है। यह मांसपेशियों या नसों से जुड़ी जटिल समस्या हो सकती है। गिल को दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन दिया गया है और उन्हें आराम की सलाह मिली है। संभावना है कि वह 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20 सीरीज भी मिस कर सकते हैं।

साहिबजादा फरहान ने रचा इतिहास, ये रिकॉर्ड बनाने वाले पाकिस्तान के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट में विस्फोटक बल्लेबाजी की मिसाल बनने वाले पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-नेशन टी20आई सीरीज में एक नई उपलब्धि हासिल कर ली। रावलपिंडी में खेले गए मैच में उन्होंने न केवल पाकिस्तान को 27 गेंदें बाकी रहते शानदार जीत दिलाई बल्कि साथ ही ट्20 फॉर्मेट में एक कैलेंडर साल में 100 से अधिक छक्के लगाने वाले पाकिस्तान के पहले और दुनिया के 12वें बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया। उनकी नाबाद 80 रन की पारी ने पाकिस्तान को सीरीज में लगातार दूसरी जीत दिलाने के साथ उन्हें सुर्खियों में ला दिया। श्रीलंका के खिलाफ इस मुकाबले में साहिबजादा फरहान पूरी तरह अलग ही लय में नजर आए। 45 गेंदों पर नाबाद 80 रन की पारी के दौरान उन्होंने 5 छक्के जड़े और इसी के साथ उनके साल 2025 में कुल छक्कों की संख्या 102 हो गई। इस सूची में उनसे आगे केवल दो खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया के करणबीर सिंह (122) और वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन (103) हैं।फरहान ने यह उपलब्धि पाकिस्तान क्रिकेट में पहली बार हासिल की है, जो उनकी लगातार बेहतर होती फॉर्म और आक्रामक अंदाज का बड़ा प्रमाण है। सिर्फ छक्कों के मामले में ही नहीं, फरहान इस साल टी20 में फिफ्टी-प्लस स्कोर के मामले में भी टॉप बैट्समैनों की बराबरी पर हैं।

इंडियाः दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका के 489 रन, भारत ने बिना विकेट गंवाए 9 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट का दूसरा दिन समाप्त हो गया। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के जवाब में भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाए। केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले कुलदीप यादव ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को शतक की ओर बढ़ रहे मार्को यानसन (93) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने आज 152वें ओवर की पहली गेंद पर मार्को यानसन को आउटकर दिन का अपना यह पहला विकेट झटककर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 489 रन के स्कोर पर अंत किया। मार्को यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। कुलदीप ने चार विकेट लिए, और जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। लंच के बाद 139वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने शतकवीर सेनुरन मुथुसामी यशस्वी जयसवाल के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। सेनुरन मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली।

144वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर (पांच) को आउटकर भारत को नौवीं सफलता दिलाई। पहले सत्र में भारतीय गेंदबाजों को चायकाल तक नहीं मिली सफलता, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई।

काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्को यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुस्वामी ने अपना शतक और मार्को यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक जड़ा।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25 :

इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर बने ओलंपिक स्टार केनी बेडनारक, 21 दिसंबर को होगा आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्ल्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता (टीएसडब्ल्यू 25 के) के 10वें संस्करण के लिए आयोजकों ने दुनिया के दिग्गज धावक और डबल ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट केनी बेडनारक को इंटरनेशनल इवेंट ऐंबेसडर नियुक्त किया है। यह प्रतिष्ठित दौड़ 21 दिसंबर 2025 को आयोजित होगी, जिसे वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल का दर्जा प्राप्त है। 27 वर्षीय बेडनारक, जिन्हें खेल जगत में प्यार से 'कुंग फू केनी' कहा जाता है–200 मीटर में टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में सिल्वर जीतने के अलावा टोक्यो में हुई 2025 विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड और सिल्वर अपने नाम कर चुके हैं। दुनिया के सबसे स्थिर और भरोसेमंद स्प्रिंटर्स में उनकी गिनती होती है। कठिन बचपन, गोद लिए जाने और संघर्षों के बाद अमेरिकी धावक का सामुदायिक कॉलेज से वैश्विक एथलेटिक्स के शीर्ष मंच तक पहुंचना प्रेरणादायक सफर है। बेडनारक कहते हैं– 'जिंदगी ने सिखाया है कि मंजिल से ज्यादा सफर मायने रखता है। हर कदम आपको बनाता है। कोलकाता की ऊर्जा और इस दौड़ का सामुदायिक भाव मुझे बेहद प्रेरित करता है।

हॉकी इंडियाः पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा, हॉकी इंडिया ने लिया फैसला

मदुरै, एजेंसी। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होना है। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी हॉकी इंडिया ने बड़ा फैसला लेते हुए पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की है। यह वैश्विक टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होना है।

इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।'

बयान में बताया गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

पर्थ में हार के बाद हेड कोच मैकुलम ने 'बैजबॉल' का किया समर्थन, कहा- इंग्लैंड पीछे नहीं हटेगा

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि पर्थ में एशेज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 विकेट से करारी हार के बाद उनकी टीम अपने 'बैजबॉल' दृष्टिकोण से पीछे नहीं हटेगी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट सिर्फ दो दिन में खत्म हो गया जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में मेहमान टीम अच्छी स्थिति में थी, लेकिन हार के साथ खत्म दिन का अंत हुआ। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/123 था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार बॉलिंग से ऑस्ट्रेलिया 132 रन पर आउट हो गई और थ्री लायंस ने 40 रन की लीड ले ली, जिससे वे 14 साल में ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए। इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट बाकी रहते 105 रन की लीड मिल गई। हालांकि, उनकी बैटिंग तब लड़खड़ा गई जब उन्होंने 18.2 ओवर के अंदर अपने बाकी सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद अपने टोटल में सिर्फ 99 रन और जोड़े। इससे ऑस्ट्रेलिया को 205 रन का टारगेट चेज करना पड़ा। लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने एशेज इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली जिसमें सिर्फ 83 गेंदों पर 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की लीड लेने में मदद मिली।

पहला टेस्ट हारने के बाद हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि नतीजे से दुख होगा, लेकिन उन्हें भरोसा है कि इंग्लैंड पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा और वह आने वाले ब्रिस्बेन टेस्ट पर फोकस करेगा। मैकुलम ने कहा, 'हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा रिएक्ट करने से बचने की कोशिश कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे सिर्फ हमें ही नहीं, बल्कि इस क्रिकेट टीम को फॉलो करने वाले सभी इंग्लिश लोगों को भी नुकसान होगा। बहुत बातें होंगी। हमारे लिए, यह पक्का करना जरूरी है कि हम अपने कॉन्फिडेंस और अपने भाईचारे को बहुत कम न होने दें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेस्ट देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है ताकि हम यह पक्का कर सकें कि जब हम ब्रिस्बेन पहुंचें, तो हम वापसी करें। मैकुलम ने कहा कि वे अगले चार टेस्ट मैचों में अपने बेजबॉल अप्रोच से पीछे नहीं हटेंगे। मैकुलम ने कहा, 'मेरा मानना है कि आपको टीम में वह एकता, वह तालमेल, कनेक्टिविटी और वह भाईचारा बनाना होगा, जब आप सबसे ज्यादा दबाव में हों, और सबसे अच्छी स्थिति में हों, और चीजें उस हिसाब से काम न कर रही हों। मेरे लिए साथ रहने, एक-दूसरे का साथ देने और लक्ष्य की ओर बढ़ते रहने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है।

यह एक मैराथन है, स्प्रिंट नहीं। आज हमारा दिन बहुत बुरा रहा, लेकिन हमने पहले भी ऐसा किया है। यही हमारा ब्लूप्रिंट है। हम इसके लिए तैयार हैं और हम अगले चार टेस्ट मैचों में इससे पीछे नहीं हटेंगे।' ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की घर में ही सजा काटने की मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए जेल की सजा घर में नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) के रूप में काटने की मांग की है। उनकी कानूनी टीम ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दायर की। बोल्सोनारो को सितंबर 2024 में 2022 के चुनाव में हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था और 27 साल 3 महीने की सजा सुनाई गई थी।इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी, लेकिन वकील एक और अपील दाखिल करने की तैयारी में हैं। फिलहाल बोल्सोनारो अगस्त से नजरबंद हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। अभी तक उन्हें तख्तापलट मामले की सजा भुगतनी शुरू नहीं करने दी गई है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,अकेले राजधानी गाजीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग-अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17% घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चैटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत-ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगें ट्रंप : इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगें। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो। वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूं कि हमारी मीटिंग में असहमति की पर फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई।'

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रम्प : एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है। ट्रम्प बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं। ट्रम्प बोले- हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी। ट्रम्प बोले- मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रम्प ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने।ममदानी कामयाब हों जब पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रम्प ने तुरंत कहा- हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रम्प ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है। ट्रम्प और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले।

हेनली पासपोर्ट इंडेक्सः पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

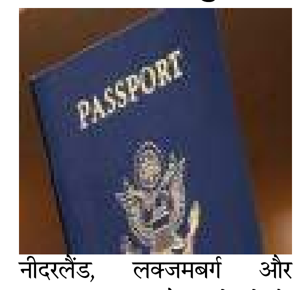

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे। भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली : पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा : पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन- अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपबल्किन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुई।

ट्रंप की समर्थक से बनीं आलोचक : ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके ख़िलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

कई बयानों को लेकर चर्चा में रहीं : वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं। ग्रीन ने क्रुठ्ठश्ठ थ्योरी को अपनाया और श्वेत सर्वोच्चता की समर्थक रहीं। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ग्रीन का विरोध भी किया लेकिन ट्रंप ने उनका स्वागत किया। ग्रीन ने 2019 में तर्क दिया कि सांसद इल्हान उमर और रशीदा तलीब, दोनों मुस्लिम महिलाएं, कांग्रेस की आधिकारिक सदस्य नहीं थीं क्योंकि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोहों में बाइबल के बजाय कुरान की शपथ ली थी।

सऊदी के पत्रकार खशोगी की पत्नी हुई भावुक, मीडिया से कहा- अपहरण-प्रताड़ना को सही नहीं कह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार रहे खशोगी की पत्नी हनन एल्तार खशोगी ने भावुक होकर कहा कि किसी भी हाल में अपहरण और प्रताड़ना को सही नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वह टिप्पणियां भी दोबारा चर्चा में आ गई हैं, जिनमें उन्होंने 2018 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का खुलकर बचाव किया था। ट्रंप ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच को खारिज करते हुए दावा किया था कि क्राउन प्रिंस का इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हुई इस हत्या से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप ने खशोगी को बहुत विवादित व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उनके बारे में बहुत लोग पसंद नहीं करते और ऐसी चीजें हो जाती हैं। उन्होंने खुफिया रिपोर्टों की बजाय सऊदी नेतृत्व के बयानों पर अधिक भरोसा जताया और कहा था कि कूटनीतिक मेहमान को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा नहीं किया जाना चाहिए।

खशोगी की हत्या पर ट्रंप ने पहले क्या बोला? : ट्रंप ने 2018 में खशोगी की हत्या के तुरंत बाद सऊदी अरब के साथ आर्थिक संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि वह अमेरिका में आने वाले अरबों डॉलर को रोकने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बार-बार क्राउन प्रिंस के इनकार को दोहराया और कहा कि वह कुछ नहीं जानते थे। उस समय एक्स पर में ट्रंप ने लिखा था कि उन्होंने क्राउन प्रिंस से बात की है जिन्होंने दूतावास में हुई घटना के बारे में पूरी तरह अनजान होने की बात कही। इसके बाद भी कई अवसरों पर ट्रंप ने इसी बयानबाजी को मजबूत किया।

क्राउन प्रिंस का बचाव करते रहे ट्रंप : जब अमेरिकी मीडिया ने रिपोर्ट किया कि सीआईए ने क्राउन प्रिंस की हत्या में प्रत्यक्ष भूमिका की पुष्टि की है, तब भी ट्रंप ने कहा था कि हमें बताया गया है कि उनकी कोई भूमिका नहीं थी, और फिर वही पुराना बयान दोहराया कि कौन सच जान सकता है। नवंबर 2018 में जारी एक लिखित बयान में उन्होंने इस हत्या को अस्वीकार्य और भयानक अपराध कहा, लेकिन साथ ही यह भी लिखा कि शायद उन्होंने किया हो, शायद नहीं किया हो। ट्रंप ने बार-बार यह भी कहा कि अमेरिका का संबंध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि सऊदी अरब के साम्राज्य से है। खशोगी की हत्या ने अमेरिकी-सऊदी संबंधों, हथियार सौदों और विदेश नीति पर गहरी बहस छेड़ी थी। ट्रंप ने आर्थिक हितों और कूटनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदों को रद्द करने से इनकार किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके बयान सऊदी नेतृत्व के लिए सबसे प्रबल सार्वजनिक समर्थन माने गए थे। आज जब खशोगी का मामला फिर चर्चा में है।

मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म होगी, ट्रंप का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा तुरंत खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ये लिखा। ट्रंप अपने इसक दम से एक ऐसे प्रोग्राम को निशाना बना रहे हैं जो निर्वासन को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन पहले ही उनकी निर्वासन प्रक्रिया को बार-बार कमजोर करने की कोशिश करार दे चुका है।

मिनेसोटा में रहते हैं सबसे ज्यादा सोमाली लोग : अमेरिकी राज्य मिनेसोटा में देश की सबसे बड़ी सोमाली कम्युनिटी है। कई लोग पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में लंबे गृह युद्ध से भागकर अमेरिका आए थे और राज्य के सामाजिक प्रोग्राम के जरिए इन्हें कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है। लेकिन ट्रंप की शुक्रवार रात को इस प्रोग्राम को तुरंत खत्म करने की घोषणा कर दी। हालांकि उनके इस एलान से बेहद कम प्रवासियों पर इसका असर पड़ेगा। अगस्त में कांग्रेस में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रोग्राम के तहत कवर होने वाले सोमाली लोगों की संख्या देश भर में सिर्फ 705 है।

साल 1990 में अमेरिकी सरकार ने सोमाली लोगों को दी थी ये कानूनी सुरक्षा : कांग्रेस ने 1990 में अस्थायी सुरक्षा स्टेटस देने वाला प्रोग्राम बनाया था। इसका मकसद लोगों को उन देशों में डिपोर्ट होने से रोकना था जो प्राकृतिक आपदा, गृह युद्ध या दूसरे खतरनाक हालात से जूझ रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सचिव सोमाली लोगों को मिनेसोटा में रहने की कानूनी सुरक्षा दे सकते हैं और इसे 18 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने की तीखी आलोचना : इस प्रोग्राम की आलोचना करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मिनेसोटा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। ट्रंप ने लिखा, 'सोमाली गैंग इस महान राज्य के लोगों को डरा रहे हैं, और अरबों डॉलर गायब हैं। इसलिए उन्हें वापस वहीं भेजेंगे, जहां से वे आए थे। अब बस बहुत हुआ।' डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता पर काबिज होने के बाद से लाखों अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का वादा किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने कई कानूनी सुरक्षा कार्यक्रमों को बंद कर दिया है, जिनसे अप्रवासियों को अमेरिका में रहने और काम करने की कानूनी सुरक्षा मिलती थी। इसके तहत ट्रंप ने छह लाख वेनेजुएला और पांच लाख हैती के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कर दी। जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह सुरक्षा दी थी।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा' : गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, त्20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं' गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'त्20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज़ दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता पैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी, पर क्या यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी 'शांति'?

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुई, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति : इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

सीएम स्टालिन कल कोयम्बटूर में सम्मोझी पूंगा पार्क का करेंगे उद्घाटन

कोयम्बटूर (एजेंसी)। साल 2010 में विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन के दौरान दिवंगत द्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने इस पार्क के स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पार्क के शिलान्यास समारोह में भाग लिया था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि मुख्यमंत्री स्टालिन अब 25 नवंबर को पार्क का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन से पार्क को आम जनता के लिए भी खोल दिया जाएगा। इसके बाद सीएम स्टालिन कोयंबटूर में आयोजित टीएन राइजिंग कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेंगे। इसमें विभिन्न कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी के साथ ही जारी विज्ञप्ति में बताया गया है, कि मुख्यमंत्री स्टालिन 26 नवंबर को इरोड में एक सरकारी समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान सीएम स्टालिन पूरी हो चुकी अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

आरजीआई एयपोर्ट पर बम की धमकी निकली अफवाह

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखे होने धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। दरअसल एयरपोर्ट पर बम रखे होने संबंधी एक ईमेल मिला था, जिसके बाद जांच की गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि हवाई अड्डे के ग्राहक सेवा विभाग को शुक्रवार को एक बम वाला ईमेल मिला था। इस ईमेल में कहा गया था, कि हवाई अड्डे के आगमन इलाके में बम फटेगा। इस ईमेल के माध्यम से संबंधित जगह की जांच करने और यात्रियों को हवाई अड्डा खाली करने का सुझाव देने को भी कहा गया था। पुलिस के अनुसार जांच करने के बाद बम की धमकी अफवाह साबित हुई।

एयरपोर्ट परिसर में दो बार लेपर्ड देखा गया, निगरानी बढ़ाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डा परिसर में एक ही दिन में दो बार तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद अधिकारियों ने परिसर इलाके की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उक्त जानकारी शनिवार को देते हुए बताया कि सप्ताह के प्रारंभ में एक ही दिन में दो बार लेपर्ड देखे जाने की सूचना मिली थी। इसी के साथ ही आधिकारिक बयान में बताया गया, कि हवाई अड्डा के अधिकारियों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी, कि जानवर को सबसे पहले 19 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे और बाद में शाम करीब 7.40 बजे देखा गया था। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि तेंदुआ पकड़ने के लिए संबंधित जगह पर एक पिंजरा लगाया गया है। इसके साथ ही जंगली जानवर की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है, देखे जाने या पकड़े जाने के बाद ही अन्य जानकारी दी जा सकेगी।

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को पकड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शनिवार को काकचिंग जिले में एक जांच चौकी पर पकड़ा, जबकि उसी दिन बिष्णुपुर जिले के मोइरंग कोंजेंगबाम से संगठन के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को टेंग्नौपाल जिले के मोरेह गेट से प्रतिबंधित पीआरईपीएके के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया था। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक और सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के युमनाम हुइड्रोम में उसके घर से पकड़ा था। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों के पास से राइफल और पिस्तौल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये गिरफ्तारियां राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर संचालित खुफिया जानकारी पर आधारित छानबीन, घेराबंदी और तलाशी अभियान के तहत की गईं।

मेट्रो स्टेशन के पास लगी आग से मचा हड़कंप, जाम लगने से लोगों को हुई भारी परेशानी

नोएडा (एजेंसी)। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार शाम अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। आग लगने के कारण सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार शाम लगभग 7 बजे सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास से गुजर रही एक स्कॉर्पियो कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। सड़क पर चल रहे वाहन पर अचानक लगी आग को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां बीच सड़क पर ही रोक दीं, जिससे ट्रैफिक रुक गया और लंबा जाम लग गया।

अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि टीम ने एक फायर टेंडर की मदद से आग पर तुरंत काबू पा लिया। उन्होंने कहा, कार के बोनट में आग लगी थी। हमारी टीम मौके पर पहुंची और तुरंत उसे बुझा दिया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद सड़क से कार हटाई गई और यातायात फिर से सामान्य किया गया। लगभग आधे घंटे तक जाम से जूझने के बाद राहगीरों ने राहत महसूस की।

महाराष्ट्र में लूट करने वाले तीन आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मकान में घुसकर लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने कर्नाटक से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 लाख रुपए मूल्य के आभूषण और अन्य सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना 18 नवंबर को वसई इलाके के सातीवली स्थित एक मकान में घटी थी।

अगर आपके पास वोट हैं, तो मेरे पास फंड, हमें रिजेक्ट करोगे तो हम भी...

-डिप्टी सीएम अजित पवार के पंचायत चुनाव में दिए बयान पर सियासत गरमाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के मालेगांव में पंचायत चुनाव प्रचार के दौरान दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। दरअसल अजित पवार ने एक रैली में वोटर्स से कहा था कि अगर आपके पास वोट है, तो मेरे पास फंड है। विपक्ष ने इसे लेकर चुनाव आयोग से सवाल पूछा है।

बता दें अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनकी पार्टी के उम्मीदवार को चुनेंगे तो वे शहर में फंड की कोई कमी नहीं होने देंगे, लेकिन यदि वे उन्हें रिजेक्ट करते हैं, तो वे भी रिजेक्ट कर देंगे। आपके पास वोट हैं, मेरे पास फंड है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार शुक्रवार को बारामती तहसील में मालेगांव नगर पंचायत चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। पवार महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्री भी हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने अजित पवार पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फंड आम लोगों के टैक्स से आता हैं, न कि अजित पवार के घर से। अगर पवार जैसे नेता वोटर्स को धमका रहे हैं, तो चुनाव आयोग क्या कर रहा है?÷ नगर पंचायत चुनाव 2 दिसंबर को होना हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और बीजेपी समर्थित पैनल ने मालेगांव में गठबंधन किया है। मालेगांव बारामती का वह इलाका है, जहां अजित पवार परिवार का राजनीतिक प्रभाव है।

बता दें इससे पहले भी 26 सितंबर को अजित पवार मराठवाड़ा के धाराशिव में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। यहां पर उनका किसानों से बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे कर्ज माफी की मांग पर गुस्सा करते नजर आ रहे हैं। जब एक किसान ने कर्ज माफी की मांग की तो डिप्टी सीएम अजित पवार ने गुस्से में कहा था- इसे मुख्यमंत्री बना दो ! क्या तुम्हें लगता है कि हम कंचे खेलने आए हैं?

ईडी ने झारखंड-पश्चिम बंगाल में मारे छापे, 14 करोड़ नकदी व सोना जब्त

-कोयला घोटाले को लेकर एजेंसी ने दोनों राज्यों में 44 ठिकानों की ली तलाशी

रांची (एजेंसी)। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक कथित कोयला माफिया नेटवर्क के खिलाफ तलाशी में 14 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और सोना जब्त किया है। इस मामले में ईडी ने बयान में कहा कि कोयले के बड़े पैमाने पर अवैध खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के मामले में दोनों राज्यों में 44 ठिकानों पर छापे मारे गए थे। ईडी से मिली जानकारी के मुताबिक छापे में करीब 14 करोड़ रुपए से जयादा की नकदी, आभूषण और सोना, कोयला गिरोह से जुड़े अलग-अलग प्रॉपर्टी के दस्तावेज और जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित समझौते, कई डिजिटल उपकरण, नेटवर्क द्वारा नियंत्रित संस्थाओं के खाता बही आदि जब्त किए हैं। एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने के लिए दोनों राज्यों में पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर का संज्ञान लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी ने बताया कि एफआईआर से संकेत मिलता है कि झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक विशाल अवैध कोयला आपूर्ति नेटवर्क चल रहा है। ईडी ने कहा कि तलाशी में जब्त किए गए दस्तावेज और दूसरे रिकॉर्ड से एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई है। इन दस्तावेजों से स्थानीय अधिकारियों की मदद से चल रहे एक ऑर्गनाइज़्ड रैकेट का भी पता चला है। ईडी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि यह सिंडिकेट पश्चिम बंगाल और झारखंड के बॉर्डर इलाकों में सक्रिय है और इसने क्राइम से बहुत कमाई की है।

क्या जानलेवा बन रहा एसआईआर? अब तक कई राज्यों के करीब 15 बीएलओ की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन रहीं हैं। सवाल ये है कि अब 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत हो गई है। कारण जो भी रहे हों लेकिन मौत तो हुई है। इन काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा जैसे दिक्कतों से इनकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है। राजस्थान के जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक। गुजरात में 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है।मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका। दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं। 6 नवंबर को दमोह में सड़क हादसे में श्याम शर्मा (45) की मौत। दतिया के उदयभान सिहारे (50) ने 11 नवंबर को खुदकुशी की।

बिहार हार को लेकर पीके बोले- ईवीएम हेरफेर के प्रमाण नहीं पर कुछ तो गड़बड़ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता में जंगल राज की वापसी को लेकर फैली आशंका और कुछ छिपे हुए कारक उनकी पार्टी की हार की बड़ी वजह बने। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनके आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान पीके ने कहा, कि चुनाव के अंतिम चरण में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मान लिया कि जन सुराज जीतने की स्थिति में नहीं है, और उन्हें डर था कि वोट बंटने से लालू यादव के पुराने जंगल राज की वापसी हो सकती है। पीके ने कहा, अगर लोग सोचते हैं कि हमारा वोट किसी तरह आरजेडी की वापसी का मार्ग खोल देगा, तो वे जोखिम नहीं लेना चाहते। यह डर हमारे खिलाफ गया।

238 सीटों पर उतारे थे प्रत्याशी, जीता एक भी नहीं

बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 238 पर उम्मीदवार उतारने के बावजूद जन सुराज एक भी सीट नहीं जीत सकी। अनुमानित वोट शेयर 2-3 प्रतिशत के बीच रहा और अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। ऐसे में पीके ने कहा, उनकी 18 महीने लंबी 'जन सुराज यात्रा' के दौरान मिला जनमत परिणामों से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

उन्होंने कहा, कुछ ऐसा हुआ है जो समझ से परे है। जिन पार्टियों को लोग मुश्किल से जानते थे, उन्हें भी लाखों वोट मिले। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि यह संदेह मात्र है, सबूत नहीं।

कुछ तो गलत हुआ

प्रशांत किशोर ने कहा, कि कुछ लोग उन्हें ईवीएम में हेरफेर का आरोप लगाने को कह रहे, लेकिन वे ऐसा दावा बिना सबूत के तो नहीं कर सकते हैं। इसके मेरे पास कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन प्रथम दृष्टया कुछ तो गड़बड़ लगता है, पर क्या- यह नहीं पता।

दिल्ली बम विस्फोट: जैश मॉड्यूल में गहरे वैचारिक और वित्तीय मतभेद हुए उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला के पास 10 नवंबर 2025 को हुए कार बम विस्फोट की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद के इस आतंकी मॉड्यूल के भीतर विचारधारा, हमले की रणनीति और धन के उपयोग को लेकर गहरी फूट थी। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी और बाकी सदस्यों के बीच मतभेद इतने गहरे थे कि उमर ने अक्टूबर में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था।जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित थे, जो पश्चिमी देशों और दूर के दुश्मनों पर हमले को प्राथमिकता देती है। वहीं डॉ. उमर उन नबी आईएसआईएस की कट्टर विचारधारा की ओर झुके हुए थे। उनका मानना था कि पहले करीबी दुश्मन (भारत) को निशाना बनाना चाहिए और खिलाफत स्थापित करना ही सर्वोच्च लक्ष्य है।

उमर खुद को कश्मीर के कुख्यात आतंकियों बुरहान वानी और जाकिर मूसा की विरासत का उत्तराधिकारी मानता था। यही वैचारिक टकराव मॉड्यूल की एकता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। समूह के अधिकांश सदस्य (वागे को छोड़कर) पहले अफगानिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेना चाहते थे, लेकिन असफल रहे। इसके बाद उन्होंने भारत में ही बड़ा हमला करने का फैसला किया। डॉ. उमर 2023 से ही इंटरनेट पर आईईडी बनाने की तकनीक पर गहन रिसर्च कर रहा था और फरीदाबाद में किराए के मकान में रसायनों के साथ प्रयोग करता था। मॉड्यूल को मिले फंड को लेकर भी तीखी नोंक-झोंक थी। उमर पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। जांच में पता चला है कि मुख्य वित्तीय सहायता अल फलाह विश्वविद्यालय की छात्रा शाहीन शाहिद अंसारी ने की थी, जो मुजम्मिल गनई की सहपाठी थी। शाहीन ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग से करीब 20 लाख रुपये जुटाए थे। वह जैश की महिला भर्ती शाखा 'जमात-उल-मोमिनात'से जुड़ी थी और फरीदाबाद ऑपरेशन के लिए धन व संसाधन जुटाने में अहम भूमिका निभा रही थी।

अक्टूबर में मुफ्ती इरफान वागे की गिरफ्तारी के बाद उमर ने 18 अक्टूबर को कश्मीर के काजीगुंड में बाकी सदस्यों से मुलाकात की। इस बैठक में उसने अपने साथियों को अपनी आईएसआईएस-प्रेरित रणनीति पर सहमत करने की कोशिश की और कथित तौर पर सफल भी रहा। ठीक तीन सप्ताह बाद दिल्ली में विस्फोट हो गया।वागे की गिरफ्तारी से पुलिस को पूरे मॉड्यूल तक पहुंच मिली। फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें उच्च क्षमता वाले

विस्फोटक, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, रिमोट कंट्रोल और प्रज्वलन उपकरण शामिल थे। उमर और गनई दोनों के पास उस कमरे की चाबियां थीं जहां यह सामग्री छिपाई गई थी। यह मामला दर्शाता है कि आतंकी संगठन कितने भी संगठित दिखें, उनके अंदर वैचारिक और व्यक्तिगत मतभेद उन्हें कमजोर करते हैं। फिर भी, ये मतभेद आम नागरिकों की जान लेने से उन्हें नहीं रोक पाते।

मौर्य बोले- अगला नंबर पश्चिम बंगाल में ममता दीदी और फिर यूपी में अखिलेश का

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से खासे खुश उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ऐसा कुछ कह दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल मौर्य का कहना है, कि बिहार के बाद अब अगला नंबर ममता दीदी जी और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक दिन पहले ही भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम मौर्य ने संकेत दिया, कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म 'एक्स' में एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन

का भविष्य भी लिख दिया। अब अगला नंबर ममता दीदी जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे डिप्टी सीएम मौर्य की इस पोस्ट को लेकर अब राजनीतिक गलियारे में जोर-शोर से चर्चा शुरु हो गई है। इसके बहाने एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग निशाने पर आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा, कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें जानकारी हासिल हुई है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जीत पक्की करने भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की हुई है।

जबलपुर में छात्र के जय श्रीराम बोलने पर पिटाई, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

-स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक छात्र के जय श्रीराम बोलने पर छात्र को पीटने के आरोप स्कूल पर लगे हैं। घटना को लेकर हिंदू संगठन और परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और नारेबाजी की। छात्र का आरोप है कि पहले भी उसको कलावा पहनने पर टीचर ने पीटा था। पुलिस ने जांच कर उचित कार्यवाही की बात कही है। वहीं हिंदू संगठनों ने स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप लगाया है।

घटना जबलपुर जिले के पाटन तहसील के एक मिशन स्कूल की बताई जा रही है। छात्र प्रबल सिंह राठौर का आरोप है कि उसने स्कूल के गार्ड को जय श्रीराम बोलते हुए गेट के अंदर जैसे ही कदम रखा एक शिक्षक ने उससे पूछा कि यह क्या तरीका है। इसके साथ ही टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी और उसे आगे से गुड मॉर्निंग कहने को कहा। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बच्चे के परिजन ने स्कूल घेर लिया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक थाने में हंगामा होता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले को लेकर स्कूल के प्राचार्या का कहना है कि छात्र को समझाइश देने के रूप में पीटा गया है। इसका उद्देश्य गलत नहीं था। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संचालक के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की बात कही। इसके बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और बच्चे के परिजन पाटन थाने पहुंचे और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पाटन थाना प्रभारी ने कहा कि 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रबल सिंह के साथ हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता आए थे। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि स्कूल संचालक ने जय श्रीराम कहने पर उसकी पिटाई कर दी। मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि छात्र को मारने का उद्देश्य नहीं था। प्रबल का बोलने का तरीका ठीक नहीं था। इस वजह से स्कूल संचालक ने उसे डांटा जिस तरह से जय श्रीराम नाम को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा है यह ठीक नहीं है।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी: बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है। शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके कारण हीट वेव की घटनाएं बढ़ी हैं और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। 1950 के बाद से सबसे गर्म दिन का तापमान पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। यह रिपोर्ट भारत, नॉर्वे और नेपाल के जलवायु विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने तैयार की है।